विक्रम संवत् 2082/83 ▪ फाल्गुन/चैत्र मास (01) ▪ 01 मार्च 2026 ▪ मूल्यः 23 रु.

चरैवेति

आर. एन. आई. पंजीयन क्र. 017261/69, डाक पंजीयन क्र. म.प्र./भोपाल/297/2024-26, पृष्ठ संख्या - 44, प्रकाशन दिनांक प्रत्येक माह की 10 तारीख, पोस्टिंग प्रत्येक माह की 15 एवं 20 तारीख

रिफॉर्म एक्सप्रेस को नई ऊर्जा और नई गति

▪ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने सेवा तीर्थ में प्रार्थना की।

▪ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ''परीक्षा पे चर्चा 2026'' में छात्र-छात्राओं के साथ।

▪ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी से गूगल के सीईओ श्री सुंदर पिचाई ने मुलाकात की।

▪ भाजपा अध्यक्ष श्री नितिन नवीन जी ने केंद्रीय बजट 2026-27 को सुना।

▪ केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी ने पुडुचेरी में दीवार लेखन करके चुनाव अभियान की शुरुआत की।

▪ भाजपा अध्यक्ष श्री नितिन नवीन जी ने श्री श्रृंगेरी शंकरा मठ, कलाडी, में प्रार्थना की।

▪ भाजपा अध्यक्ष श्री नितिन नवीन जी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी को पुष्पांजलि अर्पित की।

▪ केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी ने परम पूज्य श्रील भक्ति सिद्धांत सरस्वती ठाकुर जी का पूजन किया।

अनुक्रमणिका

» **संपादकीय ▪ संजय गोविन्द खोचे** 04
▪ बजट की लाभार्थी चार जातियाँ
» **कवर स्टोरी ▪** 05
▪ रिफॉर्म एक्सप्रेस को नई ऊर्जा और नई गति

05

24

▪ **कवर स्टोरी** 07
» 25 वर्षों के रोडमैप को दर्शाने वाला बजट
» संकल्प साकार करने वाला बजट - नितिन नवीन
» बजट में म.प्र. के विकास के प्रावधान - डॉ. मोहन यादव
» बजट म.प्र. को मजबूती प्रदान करेगा - हेमंत खण्डेलवाल
▪ **कविता : अटल बिहारी वाजपेयी** 12
» गीत नया गाता हूँ
▪ **मध्यप्रदेश का बजट 2026-27** 15
» सम्पन्न मध्यप्रदेश हेतु बजट 2026-27 - मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव
» मप्र का भविष्य सशक्त होगा - हेमंत खण्डेलवाल
▪ **केंद्रीय बजट 2026-27** 19
» शिखर ही लक्ष्य - सीए अखिलेश जैन
» आर्थिक विकास की निरंतरता - राजेश सोलंकी
▪ **एआई इंपैक्ट समिट** 24
» AI मानवता की भलाई के लिए - पीएम मोदी
» दुनिया से सम्मान तो कांग्रेसी करते अपमान - हेमंत खण्डेलवाल
» बूथ सशक्त तो संगठन सशक्त - अजय जामवाल
▪ **इन्वेस्ट इन एमपी** 27
» मध्यप्रदेश के साथ आगे बढ़िए - मुख्यमंत्री डॉ. यादव
▪ **आलेख** 28
» मध्यप्रदेश अब ग्रोथ इंजन - मुख्यमंत्री डॉ. यादव
▪ **पुण्यतिथि** 29
» पं. दीनदयाल जी ने गरीब उत्थान के लिए प्रेरित किया - डॉ. मोहन यादव
» अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक मूलभूत सुविधाएं - हेमंत खण्डेलवाल
▪ **कार्यशाला** 30
» प्रेरणादायक है प्रशिक्षण - डॉ. मोहन यादव
» प्रशिक्षण दायित्व बोध का सशक्त माध्यम - हेमंत खण्डेलवाल
» विचारों की मजबूती प्रशिक्षण से - अजय जामवाल
» प्रशिक्षण महाअभियान से मिलेंगे नये आयाम - क्षेत्रीय प्रभारी के.सी. पटेल
» मध्यप्रदेश को आदर्श बनाना है - डॉ. महेन्द्र सिंह
▪ **संभाग और जिला प्रभारियों की बैठक** 33
» विकास की रफ्तार तेज - हेमंत खण्डेलवाल
» मजबूती का आधार कार्य विभाजन - अजय जामवाल
▪ **मन की बात** 35
» 'मन की बात' में भारत की प्रगति उजागर
» 'मन की बात' कार्यक्रम एकजुट करता है - डॉ. मोहन यादव
» प्रधानमंत्री जी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और प्राचीन ज्ञान के - हेमंत खण्डेलवाल
▪ **परीक्षा पर संवाद - 2026** 40
» परीक्षा की तैयारी मेहनत से करें - मुख्यमंत्री डॉ. यादव
▪ **विचार प्रवाह** 41
» आत्मिक सुख की आवश्यकता

• मुख्य व्रत-त्यौहार

1. प्रदोष व्रत 2. व्रत पूर्णिमा, होलिका दहन 3. होली, स्ना. दा. पूर्णिमा, चंद्रग्रहण 5. भाई दोज, चित्रगुप्त पूजा 6. गणेश चतुर्थी व्रत 8. रंगपंचमी 9. एकनाथ छठ 11. शीतलाष्टमी (बसोरा) 15. पापमोचनी एकादशी 16. प्रदोष व्रत 17. शिव चतुर्दशी, वारुणी पर्व 18. श्राद्ध अमावस्या 19. गुड़ी पड़वा, नवरात्रारंभ 20. सिंधारा दोज,चंद्रदर्शन 21. सौभाग्य सुंदरी, गणगौर तीज 22. विनायकी चतुर्थी व्रत 26. दुर्गाष्टमी, महाष्टमी व्रत 27. श्री राम नवमी व्रत,ज्वारे वि. 29. कामदा एकादशी व्रत 30. मदन द्वादशी,प्रदोष व्रत

• मुख्य जयंती-दिवस

3. श्रीकृष्ण चैतन्य महाप्रभु जयंती 15. विश्व उपभोक्ता संरक्षण दिवस 19. महर्षि गौतम, डॉ. हेडगेवार जयंती, विक्रम संवत् 2083 नव वर्ष प्रारम्भ, नवरेह, ज्योतिष दिवस 21. वि. वानिकी दिवस 22. गुरू अंगद देव पुण्यतिथि 23. गुरू हरगोविंद पुण्यतिथि, मीनावतार (मीना समाज),भगतसिंह, सुखदेव, राजगुरू श. दि. 27. सं. सुंदरदास ज., रामचरित मानस ज.

वर्ष-58, अंक : 01, भोपाल, मार्च 2026

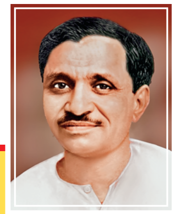

हमारे प्रेरणास्रोत
पं. दीनदयाल उपाध्याय

ध्येय बोध

नैतिकता के सिद्धांत किसी के द्वारा बनाये नहीं जाते, बल्कि खोजे जाते हैं।

- पं. दीनदयाल उपाध्याय

•
सम्पादक
मुद्रक एवं प्रकाशक
संजय गोविंद खोचे*

•
सहायक सम्पादक
पं. सलिल मालवीय

•
व्यवस्थापक
योगेन्द्रनाथ बरतरिया

•
पं. दीनदयाल विचार प्रकाशन म.प्र. के लिये मुद्रक एवं प्रकाशक संजय गोविंद खोचे द्वारा पं. दीनदयाल परिसर, ई-2, अरेरा कालोनी, भोपाल-462016 से प्रकाशित

एवं एम. पी. प्रिंटर्स, बी-220, फेस-II, गौतमबुद्ध नगर, नोएडा - 201 305 से मुद्रित.

•
संपादकीय पता
पं. दीनदयाल परिसर,
ई-2, अरेरा कालोनी, भोपाल- 462016
e-mail:charevetibpl@gmail.com
web site:www.charaiveti.org

मूल्य- तेईस रुपये
*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार

बजट की लाभार्थी चार जातियाँ

केन्द्रीय बजट मोदी जी के शासन प्रमुख की भूमिका के 25 वर्षों की प्राथमिकताओं के अनुसार ही है। 30 नवंबर 2023 को विकसित भारत संकल्प यात्रा में प्रधानमंत्री जी ने कहा था देश में चार प्रमुख जातियां गरीब, युवा, महिलाएं और किसान हैं। जिनके उत्थान से ही राष्ट्र का विकास संभव है। इन्हें 'GYAN' (Gareeb, Yuva, Annadata, Nari) के रूप में भी प्रस्तुत किया गया है, जिन्हें सरकार ने अपनी मुख्य विकास प्राथमिकताओं में रखा है। प्राथमिकताऐं वास्तव में मोदी जी के पूरे शासनकाल की प्राथमिकताऐं हैं।

गरीब को मोदी जी ने सबसे बड़ी जाति माना है, गरीब के कल्याण में मोदी जी ने ढेर सारी योजनाऐं बनाईं, गरीब की दशा सुधारने के लिए, गरीब को गरीबी रेखा से बाहर लाने के लिए, भ्रष्टाचार मुक्त शासन व्यवस्था बनाने हेतु शासन की दिशा, दशा को नया रूप दिया गया, पहले सुनाया गया था कि पैसे पेड़ पर नहीं लगते हैं, गरीबों को उनके हाल पर भगवान के भरोसे छोड़ दिया गया था, नेता बदला, दशा और दिशा बदली, प्राथमिकाऐं बदली, आज मोदी जी के बजट का ही परिणाम है, 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आये, गरीबों के लिए उपचार की व्यवस्था, पक्की छत, मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, उच्च विकास दर, आयात को निर्यात मे बदला, विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण, एक देश-एक कर, आयकर में छूट, सस्ता ईंधन, नवकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों का विकास, करों के मकड़जाल से मुक्ति, हर घर स्वच्छ नल से जल, हर घर बिजली, स्वामित्व योजना इस प्रकार मोदी सरकार के जितने भी बजट प्रावधान हैं हर प्रावधान का सबसे बड़ा, सबसे उत्तम लाभार्थी गरीब ही रहा है, तभी तो 25 करोड़ गरीबों को गरीबी रेखा से बाहर लाने में सफलता मिली, मोदी जी के दूरदर्शी बजट का ही परिणाम है कि गरीबी रेखा से बाहर निकला व्यक्ति वापिस गरीबी रेखा के पीछे नहीं आया, एक नई नियो मिडिल क्लास का निर्माण हुआ, जिससे मार्केट को गति मिली, फिर गरीबों को रोजगार मिला, मोदी जी ने विकसित भारत@ 2047 का रास्ता गरीबों के उत्थान, जीवन स्तर को उठाने, हमदर्द बनने से निकाला है।

युवाओं का विकास विकसित भारत@2047 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बहुत आवश्यक है, मोदी जी ही देश के एक मात्र नेता है जो एक लाख युवाओं को राजनीति में आने के लिए प्रेरित करते हैं, युवा ही वह शक्ति हैं जिनमें जोश होता है, कुछ कर गुजरने की क्षमता होती है, अगर युवाओं को मार्गदर्शन व सहारा दिया जावे तो देश और भी नई ऊंचाइयों पर पहुँच सकता है। विरासत के साथ विकास के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है, युवाओं के भविष्य निर्माण के लिए मोदी जी भरसक प्रयास करते रहते हैं। उनकी हर योजना, हर बजट प्रावधान की श्रृंखला का अंतिम, निर्णायक लाभार्थी युवा ही होता है, किसी भी बजट प्रावधान या योजना की चर्चा कर लीजिए, मोदी जी 'मेक इन इंडिया' लाए, उत्पादन भारत में हो तो रोजगार युवाओं को मिलेगा, व्यापार-व्यवसाय में उत्थान आवेगा तो रोजगार युवाओं को मिलेगा, टैक्स के मकड़जाल से मुक्ति मिलेगी तो युवाओं का व्यापार व्यवसाय आसान होगा, स्किल इंडिया में- युवाओं को लाभ, नई शिक्षा नीति-लाभार्थी युवा, अग्निवीर योजना - लाभार्थी युवा, सूर्य ऊर्जा, पवन ऊर्जा, पर कार्य- रोजगार युवाओं को, हाई स्पीड रेल कॉरिडोर- युवाओं को रोजगार। नए स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय-युवाओं का भविष्य निर्माण, सरकारी पदों का भर्ती अभियान - लाभार्थी युवा, नए जलमार्गो का विकास -लाभार्थी युवा, सैन्य साजो सामान का भारत में निर्माण- लाभार्थी युवा, आयात की जगह निर्यात- लाभार्थी युवा, परिवारवाद, जातिवाद, भाई-भतीजावाद का खात्मा- लाभार्थी युवा, विदेशों से ट्रेड एग्रीमेन्ट- लाभार्थी युवा, सोचिए 65 प्रतिशत आबादी युवा और हर योजना का अंतिम लक्ष्य युवाओं का विकास तो यह दूरदृष्टि देश के विकास के कितने सारे लक्ष्यों को साधने के लिए पर्याप्त है?

50 प्रतिशत आबादी महिलाओं की है, और 50 प्रतिशत आबादी के विकास की बात, नारे, भाषण तो बहुत हुए पर धरातल पर वास्तविकता कहीं दिखाई नहीं देती, मोदी जी जब मुख्यमंत्री थे तो गुजरात ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना दी थी, तलाक दर कम करने के लिए महिलाओं के नाम प्रापट्री की रजिस्ट्री शुल्क शून्य किया, पूर्ण शराबबंदी लागू की, टैंकर माफिया खत्म किया। बालिका स्कूल ड्रॉपआउट नियंत्रित किया, इतने प्रावधानों को देखकर ही समझ सकते है, कि मोदी जी महिला सुरक्षा, महिला विकास, एवं महिलाओं की नीति निर्णय में भागीदारी के प्रति कितनी बढ़ी सोच रखते हैं, इस दूरदृष्टि का ही परिणाम है कि मोदी जी ने तीन तलाक से मुक्ति प्रदान की, नीति-निर्णय में 33 प्रतिशत की भागीदारी सुनिश्चित की, हर घर शौचालय, सेना में महिलाओं की भागीदारी, सैनिक स्कूलों में बालिका प्रवेश, मोदी सरकार के बजट प्रावधानों, योजनाओं का बुनियादी लाभार्थी अगर कोई है तो महिलाएँ हैं।

अन्नदाताओं को ऋणों के जाल से मुक्ति दिलवाने के लिए मोदी जी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का प्रावधान किया,स्वामित्व योजना प्रारम्भ की, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, यूरिया पर भारी सब्सिडी, एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (AIF) के तहत 1 लाख करोड़ रुपयों से अधिक की संरचनाएँ बनाने का ऐतिहासिक फैसला, MSP, दलहन मिशन और प्रमुख दालों की 100 प्रतिशत खरीद की गारंटी से किसानों को सुरक्षा कवच प्रदान किया है। AI-आधारित ''भारत विस्तार'' प्रणाली के माध्यम से सही समय पर जानकारी प्रदान करना, जिसका उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना है।

गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के कल्याण के ज्ञान (GYAN) के संकल्प में मप्र ने इंडस्ट्री और इंफ्रास्ट्रक्चर के आई (I) को भी शामिल किया है। प्रदेश का बजट ज्ञानी (GYANII) के मार्गदर्शी सिद्धान्त पर तैयार किया गया है। जिसमें गरीब कल्याण, युवा शक्ति के कौशल विकास एवं रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण, अन्नदाता की आय में वृद्धि, नारी सशक्तिकरण, आधारभूत सुविधाओं का विकास एवं प्रदेश में औद्योगिक निवेश के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करने का संकल्प है। वर्ष 2026-27 के 4 लाख 38 हजार 317 करोड़ रुपए के बजट में विकास के लिए पर्याप्त धन राशि रखी गई है, यह विकास और जनकल्याण के संकल्प की पूर्ति का परिचायक है।

मप्र सरकार अपने उपलब्ध वित्तीय संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए लगातार बजट की राशि बढ़ा रही है और यह क्रम निरंतर जारी रहेगा। ■

(संजय गोविन्द खोचे)
सम्पादक

रिफॉर्म एक्सप्रेस को नई ऊर्जा और नई गति

- बजट 2047 तक विकसित भारत की हमारी यात्रा की नींव है।
- इस वर्ष का बजट भारत के सुधार एक्सप्रेस को नई ऊर्जा और गति प्रदान करेगा।
- भारत केवल सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनकर संतुष्ट नहीं है, भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना चाहता है।
- इस वर्ष का बजट मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहलों को नई गति देने के लिए एक महत्वाकांक्षी रोडमैप प्रस्तुत करता है।
- इस वर्ष के बजट में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को जो सहायता मिली है, वह इन उद्यमों को स्थानीय से वैश्विक स्तर तक विकास की नई शक्ति प्रदान करेगा।
- इस वर्ष का बजट युवा शक्ति के लिए है, बजट में किए गए प्रावधान विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणियों, नवप्रवर्तकों और निर्माताओं को सहायता प्रदान करेंगे।
- "यह बजट महत्वाकांक्षी है और देश की आकांक्षाओं को पूरा करता है"।

इस वर्ष का बजट महिलाओं द्वारा निर्मित और संचालित स्वयं सहायता समूहों के एक आधुनिक तंत्र को प्राथमिकता देता है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि समृद्धि प्रत्येक घर तक पहुंचे।

बजट ऐतिहासिक है, इसमें देश की नारीशक्ति का सशक्त प्रतिबिंब झलकता है। ये बजट अपार अवसरों का राजमार्ग है। ये बजट वर्तमान के सपनों को साकार करता है, और भारत के उज्ज्वल भविष्य की नींव को सशक्त करता है। ये बजट 2047 के विकसित भारत की हमारी ऊंची उड़ान का मजबूत आधार है।

आज भारत जिस रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार है, इस बजट से उसे नई ऊर्जा, नई गति मिलेगी। जो Path-Breaking Reforms किए गए हैं, वो Aspiration से भरे हुए भारत के साहसिक-टैलेंटेड युवाओं को उड़ने के लिए खुला आसमान देते हैं। ये बजट ट्रस्ट बेस्ड गवर्नेंस और ह्यूमन सेंट्रिक अर्थ-रचना के विजन को साकार करता है। ये एक ऐसा यूनीक बजट है, जिसमें, फिस्कल डेफिसिट कम करने, इंफ्लेशन कंट्रोल करने पर फोकस है और इसके साथ ही, बजट में हाई कैपेक्स और हाई ग्रोथ का भी समन्वय है।

ये बजट भारत की वैश्विक भूमिका को नए सिरे से सशक्त करता है। भारत के 140 करोड़ नागरिक, Fastest Growing Economy बनकर ही संतुष्ट नहीं है। हम जल्द से जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना चाहते हैं। ये करोड़ों देशवासियों का संकल्प है। दुनिया के एक 'ट्रस्टेड डेमोक्रेटिक पार्टनर' और 'ट्रस्टेड क्वालिटी सप्लायर' के रूप में भारत की भूमिका लगातार बढ़ रही है। हाल में जो बड़ी-बड़ी ट्रेड डील्स भारत ने की

हैं, मदर ऑल डील्स, उसका Maximum Benefit भारत के युवाओं को मिले, भारत के लघु और मध्यम उद्योग वालों को मिले, इस दिशा में बजट में बड़े-बड़े कदम उठाए गए हैं।

इस बजट में Make in India और आत्मनिर्भर भारत अभियान को नई रफ्तार के लिए महत्वाकांक्षी रोडमैप प्रस्तुत किया गया है। इस बजट में नई उभरती इंडस्ट्रीज, यानी sunrise sectors को जिस मजबूती के साथ समर्थन दिया गया है, वो अभूतपूर्व है। बायोफार्मा शक्ति मिशन, सेमीकंडक्टर मिशन 2.0, इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम, रेयर अर्थ कॉरिडोर का निर्माण, क्रिटिकल मिनरल्स पर बल, टेक्सटाइल सेक्टर में नई स्कीम, हाई टेक टूल मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा, चैंपियन MSMEs तैयार करना, ये फ्यूचरिस्टिक हैं, देश की वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं का ध्यान रखती हैं। MSMEs को, हमारे लघु और कुटीर उद्योगों जो समर्थन इस बजट में मिला है, वह उन्हें लोकल से ग्लोबल बनने की नई ताकत देगा। ▪

बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए कई बड़े कदम उठाए गए हैं:

- डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर
- देशभर में वाटरवेज का विस्तार
- हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर
- टियर-2 और टियर-3 शहरों के विकास पर विशेष ध्यान और शहरों को मजबूत आर्थिक आधार देने के लिए म्युनिसिपल बॉन्ड्स को बढ़ावा, ये सारे कदम, विकसित भारत की यात्रा की गति को और तेज करेंगे।

किसी भी देश की सबसे बड़ी पूंजी उसके नागरिक होते हैं। बीते वर्षों में हमारी सरकार ने देश के नागरिकों के सामर्थ्य को बढ़ाने पर अभूतपूर्व निवेश किया है। हमारा प्रयास Skill, Scale और Sustainability को निरंतर बल देने का रहा है। यह युवा शक्ति बजट है। उसमें युवा की सोच भी है, युवा के सपने भी हैं, युवा का संकल्प भी है और साथ-साथ युवा की गति भी है। बजट में जो प्रावधान किए गए हैं, उससे अलग-अलग सेक्टर्स में लीडर्स, इनोवेटर्स और क्रिएटर्स तैयार होंगे। मेडिकल हब्स के निर्माण से, एलाइड हेल्थ प्रोफेशनल्स के माध्यम से, ऑरेंज इकोनॉमी यानी ऑडियो विजुअल्स, गेमिंग को बढ़ावा देकर, पर्यटन को प्रोत्साहन देकर, और खेलो इंडिया मिशन के माध्यम से, युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खुलेंगे। भारत को दुनिया का, डेटा सेंटर हब बनाने के लिए टैक्स में बड़ी छूट की घोषणा भी की गई है। इस बजट से Employment Generation को

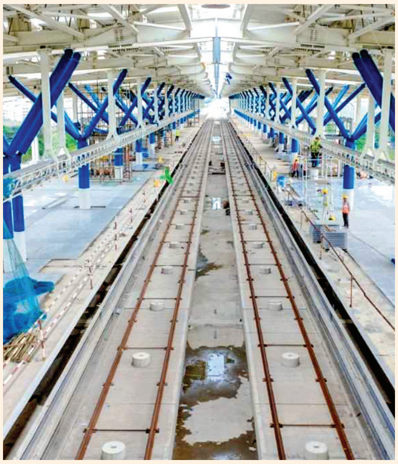

बड़ा बूस्ट मिलेगा। इस बजट में टूरिज्म और विशेषकर नॉर्थ ईस्ट में टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए भी ठोस कदम उठाए गए हैं। भारत के अलग-अलग राज्यों को ताकतवर बनाकर संतुलित विकास की नींव भी इस बजट में मजबूत की गई है।

हमारे देश में 10 करोड़ से ज्यादा महिलाएं सेल्फ हेल्प ग्रुप्स से जुड़ी हैं, और बड़ा सफल अभियान रहा है। महिलाओं द्वारा निर्मित, महिलाओं द्वारा संचालित, सेल्फ हेल्प ग्रुप्स का आधुनिक इकोसिस्टम बने, बजट में इसे प्राथमिकता दी गई है। कोशिश यही है कि हर घर लक्ष्मी जी पधारें। हर जिले में छात्राओं के लिए नए हॉस्टल बनाने का अभियान भी शिक्षा को सुलभ बनाएगा।

भारत की कृषि, डेयरी सेक्टर, फिशरीज, इन्हें सरकार ने हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इस बजट में भी, नारियल, काजू, कोको और चंदन की पैदावार से जुड़े किसानों के लिए अनेक अहम कदम उठाए गए हैं। भारत विस्तार AI, इस टूल से किसानों को उनकी भाषा में जानकारी मिलने से उन्हें बहुत मदद मिलेगी। फिशरीज और पशुपालन में उद्यमिता, उसको बढ़ावा देने से गांव में ही रोजगार और स्वरोजगार के और ज्यादा अवसर बनेंगे।

ये बजट एंबीशियस भी है और ये बजट देश की एस्पिरेशन को भी एड्रेस करता है। ▪

25 वर्षों के रोडमैप को दर्शाने वाला बजट

2047 तक विकसित भारत के निर्माण और अगले 25 वर्षों के रोडमैप को दर्शाने वाले बजट के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी का हर भारतवासी की ओर से हार्दिक अभिनंदन।

मैन्युफैक्चरिंग से लेकर इंफ्रास्ट्रक्चर तक, स्वास्थ्य से लेकर टूरिज्म तक, ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर AI तक, स्पोर्ट्स से लेकर तीर्थों तक, विकसित भारत बजट हर गाँव, हर कस्बे और हर शहर के युवाओं, महिलाओं तथा किसानों के सपनों को शक्ति देकर उन्हें पूरा करने वाला बजट है। 2047 तक विकसित भारत के निर्माण और अगले 25 वर्षों के रोडमैप को दर्शाने वाले इस बजट के लिए पीएम श्री नरेन्द्र मोदी जी और वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी का हर भारतवासी की ओर से हार्दिक अभिनंदन।

विकसित भारत बजट द्वारा रखे गए शानदार मील के पत्थर के लिए प्रधानमंत्री मोदी जी को बधाई देता हूं, जिसमें मोदी सरकार ने वित्तीय समझ के साथ विकास को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता को जोरदार तरीके से दोहराया है। यह बजट राजकोषीय घाटे को 4.5% से नीचे रखने के लक्ष्य को पूरा करता है।

बजट 2026-27 के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी जी ने सिद्ध किया है कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत केवल एक नारा नहीं, बल्कि हमारी सरकार का संकल्प है। इस बजट में न सिर्फ हर क्षेत्र, हर वर्ग और हर नागरिक को सशक्त बनाने का एक स्पष्ट ब्लूप्रिंट है, बल्कि उसे प्रोत्साहन देने का एक जमीनी विजन भी है, जो उसे हर कदम पर मदद करेगा। विकसित भारत बजट एक ऐसे भारत के निर्माण का विजन है, जो विश्व में हर क्षेत्र में अग्रणी हो।

विकसित भारत बजट भारत को एक ऐसे राष्ट्र के रूप में दर्शाता है जो अपनी ताकत पर भरोसा रखते हुए एक उभरते हुए आर्थिक पावर सेंटर के तौर पर अपनी नई पहचान बना रहा है। कोविड के बाद प्रधानमंत्री मोदी जी की दूरदर्शी आर्थिक नीतियों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को रफ्तार दी है। विकसित भारत बजट भारत को वैश्विक मंच पर सबसे आकर्षक निवेश गंतव्य के तौर पर मजबूत करने के प्रयासों को गति देता है, जिसमें पारंपरिक से लेकर नए जमाने के सभी सेक्टर शामिल हैं।

विकसित भारत बजट में पूंजीगत व्यय के लिए 12.2 लाख करोड़ आवंटित कर प्रधानमंत्री मोदी जी के भविष्य के लिए तैयार भारत के विजन को गति देने का काम किया गया है, जहाँ विकास बड़े शहरों से आगे तक पहुँचता है। नए रेल कॉरिडोर, राष्ट्रीय जलमार्ग और बेहतर कनेक्टिविटी के माध्यम से टियर 2 और टियर 3 शहरों तक पहुँचने का लक्ष्य नौकरियों में वृद्धि को बढ़ावा देगा, जिससे भारत की आकांक्षाएँ नई ऊँचाइयों पर पहुँचेंगी।

विकसित भारत बजट, भारत में कनेक्टिविटी को अभूतपूर्व गति देगा। बजट में सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा की गई है, जिनका लक्ष्य हमारे देश के प्रमुख आर्थिक और जनसंख्या केंद्रों में शहरों के बीच कनेक्टिविटी को तेज गति देना और यात्रा के समय को कम करना है।

महात्मा गांधी जी के ग्राम स्वराज के स्वप्न को साकार करने की दिशा में विकसित भारत बजट में 'महात्मा गांधी ग्राम स्वराज योजना' की शुरुआत का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और बुनकरों, किसानों तथा हथकरघा उद्योग को नया संबल प्राप्त होगा। तटीय क्षेत्रों में कोकोनट प्रमोशन स्कीम से 3 करोड़ किसानों को लाभ, काजू-कोको के उत्पादन एवं निर्यात को बढ़ावा व चंदन संरक्षण का निर्णय यह

दर्शाता है कि मोदी जी किसानों की समृद्धि और कृषि को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

MSMEs को भारत की ग्रोथ स्टोरी का चैंपियन बनाते हुए विकसित भारत बजट प्रधानमंत्री मोदी जी के उस विजन को साकार करता है, जिसमें 10,000 करोड़ के ग्रोथ फंड के साथ एक स्पष्ट त्रिपक्षीय फ्रेमवर्क के जरिए जमीनी स्तर से अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। यह प्रावधान टियर 2 और टियर 3 शहरों में MSMEs को स्ट्रक्चर्ड प्रोफेशनल मदद के जरिए अपने लक्ष्य हासिल करने में मदद करेगा।

विकसित भारत बजट में पशुधन के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने का एक दूरदर्शी निर्णय लिया गया है। पशु चिकित्सकों की संख्या बढ़ाने, वेटरनरी सेंटरों और ट्रेनिंग सेंटरों के विस्तार से पशुधन आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। डेयरी और पोल्ट्री क्षेत्र के लिए क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी देने, 500 सरोवरों के विकास से मत्स्य पालन को बढ़ावा देने और वैश्विक बाजार उपलब्ध कराने जैसे निर्णय मोदी सरकार के किसानों की आय बढ़ाने के संकल्प की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे।

विकसित भारत बजट में मोदी सरकार द्वारा धोलावीरा सहित 15 पुरातात्विक स्थलों को सांस्कृतिक गंतव्य के रूप में विकसित करने का निर्णय भारत की प्राचीन संस्कृति को वैश्विक मंच पर स्थापित करेगा। पूर्वोत्तर के 5 राज्यों में बौद्ध सर्किट के निर्माण, हिमाचल, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और अराक्कू घाटी में माउंटेन ट्रेल्स तथा ओडिशा, कर्नाटक और केरल में टर्टल ट्रेल्स विकसित करने से इन क्षेत्रों में विकास को नई गति मिलेगी और इको-टूरिज्म को प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी की स्थापना से युवाओं को कौशल और रोजगार के अवसर मिलेंगे तथा पर्यटन क्षेत्र को भी नई मजबूती मिलेगी।

विकसित भारत बजट शिक्षा से स्वरोजगार तक मोदी जी के विजन का सशक्त प्रतिबिंब है। बड़े औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर के आसपास 5 यूनिवर्सिटी टाउनशिप्स के विकास से एजुकेशन-इंडस्ट्री इंटीग्रेशन को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, चार टेलिस्कोप इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं के निर्माण व अपग्रेडेशन से अनुसंधान को नई गति मिलेगी। नेशनल डिजाइन इंस्टिट्यूट, 15,000 सेकेंडरी स्कूलों और 500 कॉलेजों में AVGC लैब्स की स्थापना तथा 'एजुकेशन टू एम्प्लॉयमेंट एंड एंटरप्राइज' हाई-पावर्ड कमेटी का गठन नई पीढ़ी को कौशल-संपन्न बनाकर हर क्षेत्र में अग्रणी भारत के निर्माण के संकल्प को दर्शाता है।

विकसित भारत बजट हमारे युवाओं की शक्ति के उपयोग से देश को समृद्धि के एक नए युग में ले जा रहा है, जिसके लिए 15,000 स्कूलों में कंटेंट क्रिएशन ट्रेनिंग शुरू की गई है, और सस्ते स्पोर्ट्स सामान देने के लिए खास पहल की गई है। सेमीकंडक्टर, IT, टेक्सटाइल, हॉस्पिटैलिटी, टूरिज्म, कॉर्पोरेट कंप्लायंस में युवाओं के करियर को लॉन्च कर, बजट उनकी तरक्की की गाड़ी को आगे बढ़ा रहा है।

विकसित भारत बजट नए कनेक्टिविटी कॉरिडोर खोलकर कनेक्टिविटी में बढ़ोत्तरी के अगले स्तर पर जा रहा है। 20 नए नेशनल वॉटरवे और फ्रेट कॉरिडोर जो पूर्व में डंकुनी को पश्चिम में सूरत से जोड़ेंगे, वे व्यापार और वाणिज्य के लिए समृद्धि के नए रास्ते खोलेंगे।

विकसित भारत बजट, स्वस्थ भारत के प्रधानमंत्री मोदी जी के विजन को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। 10,000 करोड़ रुपये की बायोफार्मा शक्ति योजना, 1,000 ट्रायल साइट्स, 17 कैंसर की दवाओं पर कस्टम ड्यूटी में छूट, दिव्यांगों के लिए सहायक उपकरण, मानसिक स्वास्थ्य के लिए NIMHANS -2 पहल और 5 मेडिकल टूरिज्म सेंटर हेल्थकेयर को और ज्यादा सुलभ बनाएंगे।

मोदी सरकार महिलाओं को शिक्षित, समृद्ध बनाकर सशक्त करने की दिशा में निरंतर काम कर रही है। विकसित भारत बजट में हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल खोलने की योजना, हमारी बहनों को बेहतर और सुरक्षित शिक्षा का अवसर दिलाएगी। वहीं, मोदी सरकार लखपति दीदी बनाने के बाद अब महिलाओं के लिए SHE Marts खोलने जा रही है। यह रिटेल आउटलेट महिलाओं को एंटरप्राइज ओनर बनाने की दिशा में एक मजबूत आधार बनेंगे। साथ ही She-Mark बैज की लॉन्चिंग से महिलाओं को आसान फाइनेंसिंग सुविधा सुनिश्चित हो सकेगी। ▪

संकल्प साकार करने वाला बजट - नितिन नवीन

यह एक कर्तव्यनिष्ठ प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में कर्तव्य भवन से बना, कर्तव्य पथ पर चलने के संकल्प का बजट है, वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी ने लगातार नौवीं बार देश का बजट प्रस्तुत किया है, वह भारत सरकार की Policy Sustainability और सुशासन का स्पष्ट प्रतीक है। माननीय प्रधानमंत्री जी पर जनता का जो अटूट विश्वास है, उसे यह बजट पूरी तरह प्रतिबिंबित करता है। माननीय प्रधानमंत्री जी का ''सबका साथ, सबका विकास'' का मूल मंत्र इस बजट के हर आयाम में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

विकसित भारत@2047 के निर्माण का जो सपना माननीय प्रधानमंत्री जी ने देखा है, उसकी दिशा में संकल्प से सिद्धि की ओर बढ़ने वाला बजट है। वैश्विक अस्थिरता के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था जिस प्रकार से लगातार लगभग 7 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ रही है, यह दर्शाता है कि हमने अपने जीडीपी को निरंतर मजबूत किया है और महंगाई को भी नियंत्रण में रखा है। यह इस बात का प्रमाण है कि इस बजट में गहराई है, सभी को साथ लेकर चलने का विश्वास है जिसमें शिक्षा व इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े प्रोजेक्ट्स को और प्राथमिकता दी गई है।

विकसित भारत का यह बजट युवा शक्ति से प्रेरित बजट है। इसमें इंफ्रास्ट्रक्चर ग्रोथ के माध्यम से मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स को आगे बढ़ाने का प्रयास किया गया है और नए रोजगार के अवसर सृजित करने पर विशेष जोर दिया गया है। सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, स्पोर्ट्स, बायोफार्मा जैसे अनेक क्षेत्रों को जिस प्रकार से सरकार की ओर से प्रोत्साहन मिला है, वह सराहनीय है। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में लगभग 40 हजार करोड़ और बायोफार्मा क्षेत्र में 10,000 करोड़ रुपये के समर्थन से जो मजबूत सपोर्ट सिस्टम खड़ा किया गया है, वह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि हमारी सरकार भारत को मैन्युफेक्चरिंग हब बनाने और नए रोजगार सृजित करने के लिए कितना कटिबद्ध है।

साथ ही, इस बजट में महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज की भावना भी स्पष्ट रूप से झलकती है। इससे हमारे बुनकरों और छोटे कुटीर उद्योगों को लाभ मिलने जा रहा है और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार को मजबूती मिलेगी। टूरिज्म और कल्चरल सेंटर्स के विकास का जो सपना माननीय प्रधानमंत्री जी देख रहे हैं, उस दिशा में भी यह बजट सरकार की निरंतर पहल को दर्शाता है। 20 नए वॉटरवेज के निर्माण की पहल हमारे परिवहन के नए आयाम खोलने वाला कदम है। अब तक जहां हम एयरवेज, रोडवेज और रेलवे पर काम करते आए हैं, वहीं अब वॉटरवेज के माध्यम से भी बेहतर अवसरों के साथ आगे बढ़ने की दिशा दिखाई दे रही है। पटना और बनारस को शिप रिपेयरिंग सेंटर के रूप में विकसित करने की योजना से इन क्षेत्रों में भी बड़े पैमाने पर नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

नारियल उद्योग और मत्स्य पालन को जिस प्रकार से प्राथमिकता दी गई है, वह सरकार की इस स्पष्ट मंशा को दर्शाता है कि हर वर्ग और हर क्षेत्र को साथ लेकर आगे बढ़ना है। परिवहन क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए बजट का आकार बढ़ाया गया है। साथ ही, रक्षा क्षेत्र के लिए 7.8 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान यह स्पष्ट संकेत देता है कि देश की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

यह बजट गरीब, किसान, महिला, युवा सहित समाज के हर वर्ग के कल्याण के साथ विकसित भारत के संकल्प को साकार करने वाला है। ▪

बजट में म.प्र. के विकास के प्रावधान - डॉ. मोहन यादव

- प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत के संकल्पों को सिद्ध करने वाला है केंद्रीय बजट।
- बजट प्रदेश के आर्थिक-औद्योगिक और सामाजिक विकास का ऐतिहासिक अवसर सिद्ध होगा।
- पूंजीगत व्यय में वृद्धि से शहरी व लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम का विकास प्रदेश के लिए वरदान।
- बजट सतत् आर्थिक विकास के साथ जन अपेक्षाओं को पूरा करने वाला है।
- यह बजट उद्योगों को बढ़ावा देने के साथ अलग-अलग क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करेगा।
- प्रधानमंत्री जी ने देश को सशक्त बनाने के साथ दुनिया को भारत की ताकत का अहसास कराया।
- बजट सभी वर्गों की आशा-आकांक्षाओं को पूरा करने एवं सशक्त बनाने में निर्णायक सिद्ध होगा।
- बजट मध्यप्रदेश के दीर्घकालिक आर्थिक समृद्धि का मजबूत आधार बनेगा।
- जिला अस्पतालों को अपग्रेड की व्यवस्था स्वास्थ्य क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम है।
- वस्त्र उद्योग सेक्टर में रिफार्म से मध्यप्रदेश को मिलेगा लाभ।
- मध्यप्रदेश को सुदृढ़ वित्तीय आधार प्राप्त होगा, निवेशकों का विश्वास और बढ़ेगा।
- मध्यप्रदेश स्वास्थ्य और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था में तेजी से आगे बढ़ेगा।

केंद्रीय बजट विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में अहम् भूमिका निभाएगा। आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने के साथ सभी की उम्मीदों को पूरा करने वाला है बजट।

बजट के प्रावधानों से मध्यप्रदेश के सर्वांगीण विकास का मार्ग और प्रशस्त होगा। यह बजट भारतीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक स्तर पर और उच्च स्थान पर पहुंचाएगा।

केंद्रीय बजट में गरीबों, युवाओं, अन्नदाताओं और महिलाओं पर विशेष फोकस है। यह बजट विकास को और अधिक गति देगा तथा भारतीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक अर्थव्यवस्था में उच्च स्थान दिलवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आर्थिक प्रगति को बढ़ाना, जन सामान्य की उम्मीदों को पूरा करना और सबका साथ सबका विकास बजट की मुख्य विशेषता है। 5 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों के विकास और सभी शहरी आर्थिक क्षेत्रों पर 5 साल में 5000 करोड़ रुपए खर्च करने, छोटे शहरों में तीर्थ स्थल विकसित करने, प्रत्येक जिले में एक महिला छात्रावास के निर्माण और जिला अस्पतालों को अपग्रेड करने की व्यवस्था से प्रदेश को बहुत लाभ प्राप्त होगा। बजट में इनकम टैक्स में छोटे करदाताओं

के लिए प्रक्रिया आसान करने की व्यवस्था है। राजकोषीय घाटे का 4.3 प्रतिशत का लक्ष्य रखा गया है। भारत को बायोफार्मा हब बनाया जाएगा। क्लिनिकल ट्रायल स्थलों का भी विकास होगा। केंद्रीय बजट में केयर इकोसिस्टम पर विशेष ध्यान देने के प्रावधान किए गए हैं। इससे बुजुर्गों के इलाज के लिए विशेष व्यवस्था होगी। गंभीर बीमारियों की दवाऐं भी सस्ती होंगी, जिससे सभी वर्गों को राहत मिलेगी।

केंद्रीय बजट में वस्त्र उद्योग सेक्टर में रिफॉर्म पर बल दिया गया है, इससे मध्य प्रदेश को भी लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने मध्य प्रदेश को पीएम मित्र पार्क के रूप में टेक्सटाइल क्षेत्र की बड़ी सौगात दी है, इससे तीन लाख लोगों को रोजगार के अवसर मिलने के साथ ही 6 लाख किसानों को लाभ होगा। इस पार्क से प्रदेश का मालवा निमाड़ अंचल नई उड़ान के लिए तैयार है। केंद्र सरकार की वस्त्र उद्योग सेक्टर की दूरगामी नीतियों से संपूर्ण राष्ट्र के साथ-साथ मध्य प्रदेश को भी विशेष लाभ होगा। केंद्रीय बजट में विनिर्माण क्षेत्रों का रणनीतिक विकास करने को प्राथमिकता दी गई है, इससे भारत ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनेगा, जिसका लाभ मध्यप्रदेश को भी प्राप्त होगा। देश में रिसर्च एंड डेवलपमेंट और एआई के अधिक से अधिक इस्तेमाल पर जोर दिया गया है, इसका आने वाले दिनों में प्रदेश और देश की तरक्की में बड़ा योगदान होगा। प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों पर पर्याप्त गाइड उपलब्ध कराने की व्यवस्था से पर्यटन क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी। मध्यप्रदेश में पर्यटन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, बजट के प्रावधानों से मध्यप्रदेश के पर्यटन क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी। विदेशी पर्यटकों को टैक्स में दी गई राहत से वैश्विक स्तर पर पर्यटन के क्षेत्र में भारत का महत्व बढ़ेगा।

बजट युवा शक्ति प्रेरित बजट है। इस बजट का मूल उद्देश्य तेज एवं सतत् आर्थिक वृद्धि, जन आकांक्षाओं की पूर्ति, क्षमता निर्माण तथा सभी परिवारों, क्षेत्रों और सेक्टरों को समान अवसर उपलब्ध कराना है। बजट में आत्मनिर्भरता को मार्गदर्शक सिद्धांत बनाकर उच्च विकास दर बनाए रखने के स्पष्ट प्रावधान किए गए हैं। यह बजट मध्यप्रदेश को सुदृढ़ वित्तीय आधार प्रदान करेगा। साथ ही निवेशकों का विश्वास और बढ़ेगा, जिससे

बजट मध्यप्रदेश के आर्थिक विकास के नए द्वार खोलता है। प्रदेश की प्रतिभाओं के बलबूते फार्मा सहित सभी क्षेत्रों में लगाएंगे छलांग।

ग्रामीण क्षेत्र के साथ नारी शक्ति को आर्थिक सशक्तिकरण देगा बजट।

मध्यप्रदेश के विकास की रफ्तार और तेज होगी और हमारा प्रदेश आत्मनिर्भर बनेगा। बजट में वैश्विक बाजारों से जुड़ाव, निर्यात विस्तार तथा दीर्घकालिक निवेश आकर्षण की रणनीति है, जिसका बहुत फायदा आने वाले सालों में मध्यप्रदेश को मिलेगा। यह बजट केवल वित्तीय प्रावधानों का संकलन नहीं है, बल्कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस आधारित आर्थिक विकास का संरचित रोडमैप है। यह बजट मध्यप्रदेश को सतत् विकासशील राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में निर्णायक भूमिका अदा करेगा। बजट के प्रावधानों से मध्यप्रदेश में निवेश, उद्योग स्थापना, रोजगार सृजन, उत्पादन क्षमता, निर्यात उन्मुख विनिर्माण का बेहतर वातावरण तैयार होगा।

बायोफार्म शक्ति योजना से बायोटेक्नोलॉजी, बायो फार्मा, फार्मास्यूटिकल अनुसंधान और हेल्थ इंडस्ट्री आधारित स्टार्ट अप्स को बढ़ावा मिलेगा। मध्यप्रदेश ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में अग्रसर होगा, जिससे उच्च मूल्य रोजगार सृजित होंगे। सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 से इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग और एआई आधारित तकनीकों के विकास से मध्यप्रदेश में हाई टेक उद्योग, डिजिटल निवेश और नवाचार आधारित उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा। बजट के प्रावधान मध्यप्रदेश के पारंपरिक औद्योगिक क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध होगा। ग्रामीण और स्थानीय अर्थव्यवस्था रोजगार तथा औद्योगिक पुनर्जीवन को नई गति प्रदान करेंगे। 200 लेगेसी इंडस्ट्रियल क्लस्टर्स के पुनर्जीवन से मध्यप्रदेश के पारंपरिक औद्योगिक क्षेत्रों में अधोसंरचना सुधार, निवेश पुर्नस्थापन, उत्पादन विस्तार और स्थानीय रोजगार को नई ऊर्जा मिलेगी। केंद्रीय बजट मध्यप्रदेश के एमएसएमई सेक्टर के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। राज्य में उद्यमिता, स्वरोजगार तथा औद्योगिक विस्तार को मजबूती मिलेगी। मध्यप्रदेश के लघु एवं मध्यम उद्योग अधिक प्रतिस्पर्धी, आत्मनिर्भर और विस्तार उन्मुख बनेंगे। मध्यप्रदेश को आईटी, पर्यटन, स्वास्थ्य एवं शिक्षा सेवाओं के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने में यह बजट महती भूमिका निभाएगा।

बजट में वर्ष 2047 तक भारत को वैश्विक सेवा क्षेत्र में नेतृत्व दिलाने की दृष्टि

गीत नया गाता हूँ

अटल बिहारी वाजपेयी

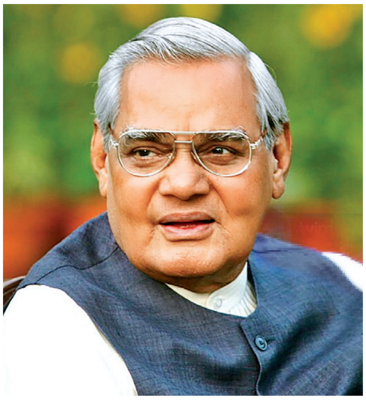

टूटे हुए तारों से फूटे वासन्ती स्वर,
पत्थर की छाती में उग आया नव अंकुर,
झरे सब पीले पात,
कोयल की कुहुक रात,
प्राची में अरुणिमा की रेख देख पाता हूँ।
गीत नया गाता हूँ।

टूटे हुए सपने की सुने कौन सिसकी?
अन्तर को चीर व्यथा पलकों पर
ठिठकी।
हार नहीं मानूँगा,
रार नई ठानूँगा,
काल के कपाल पर लिखता-मिटाता हूँ।
गीत नया गाता हूँ।

से सेवा क्षेत्र को विकास का प्रमुख चालक बनाया गया है। यह बजट मध्यप्रदेश को आईटी, हेल्थ, एजुकेशन, टूरिज्म और प्रोफेशनल सर्विसेज के केंद्र के रूप में विकसित होने में सहायक सिद्ध होने के साथ भारत को सेवा क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व भी दिलाएगा। बजट में 10 हजार करोड़ की लागत से देश के प्रत्येक जिलों में महिला छात्रावास स्थापना के साथ नारी शक्ति के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने,1.5 लाख सेवा प्रदाताओं और एक लाख स्वास्थ्य पेशेवरों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। लखपति दीदी योजना पर आधारित सामुदायिक स्व-सहायता समूह उद्यम स्थापित करने का प्रावधान है, इससे महिलाओं को क्रेडिट लिंक्ड आजीविका से उद्यम स्वामित्व की ओर जाने में मदद मिलेगी। बजट के इन प्रावधानों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी ही, साथ ही यह बजट नारी शक्ति को आर्थिक सशक्तिकरण देने वाला होगा। सिटी ईकोनॉमिक रीजन के अंतर्गत शहरी क्षेत्रों में नियोजित आर्थिक विकास, औद्योगिक व्यावसायिक क्लस्टरिंग और आधुनिक अधोसंरचना का निर्माण होगा। इसके साथ ही मध्यप्रदेश के प्रमुख शहर संगठित आर्थिक केंद्रों के रूप में विकसित होंगे, जिससे निवेश अनुकूल शहरी अर्थव्यवस्था का निर्माण होगा।

बजट मध्यप्रदेश के लिए आर्थिक विकास के नए द्वार खोलता है, जहां उद्योगों को सरल प्रक्रियाएं, निवेशकों को भरोसेमंद वातावरण, युवाओं को रोजगार के अवसर, महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण, एमएसएमई को संस्थागत समर्थन और नागरिकों को बेहतर सेवाऐं प्राप्त होंगी। यह बजट मध्य प्रदेश के सर्वांगीण विकास, समावेशी प्रगति और दीर्घकालिक आर्थिक समृद्धि का एक मजबूत आधार बनेगा। साथ ही एक निवेश-आकर्षक, विकासोन्मुख और भविष्य-उन्मुख अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करने की दिशा में निर्णायक भूमिका निभाएगा। यह बजट मध्यप्रदेश के लिए तेज विकास, संरचनात्मक परिवर्तन और सतत् समृद्धि की एक सशक्त विकास यात्रा का प्रारंभ बिंदु सिद्ध होगा, जो राज्य के सामाजिक आर्थिक भविष्य को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में अत्यंत सहायक एवं परिवर्तनकारी भूमिका निभाएगा।

मध्यप्रदेश अपनी प्रतिभाओं के बलबूते पर फार्मा सहित सभी क्षेत्रों में लंबी छलांग लगाएगा। सेमीकंडक्टर बड़ा सेक्टर है। सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 भारतीय तकनीक है, जिसके आधार पर मध्यप्रदेश में अत्याधुनिक उद्योग, डिजिटल निवेश के साथ देश के साथ कदम से कदम मिलाकर चलेंगे। हमारे प्रदेश में जो उद्योग चल रहे हैं, वह अधिकांश परंपरागत आधारित हैं। आगे बढ़ने के लिए रिनोवेशन के साथ और अधिक प्रभावी कार्य किया जाएगा। मध्यप्रदेश में पहले कॉटन इंडस्ट्री चलती थी, लेकिन रिनोवेशन नहीं होने से वह डूब गई थी। प्रधानमंत्री मोदी जी ने धार में पीएम मित्र पार्क की सौगात दी है, जिसके आधार पर हमारी सरकार मध्यप्रदेश वस्त्र उद्योग को बढ़ावा दे रही है। नए उद्योग लगाना अच्छी बात है, लेकिन जो चल रहे हैं उनका संवर्धन करना भी एक बड़ा कार्य है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने टियर-2 और टियर-3 शहरों के लिए भी पर्याप्त धनराशि दी है। मध्यप्रदेश में प्रमुख शहर संगठित और आर्थिक रूप से समृद्ध होंगे और संरचना निवेश मॉडल मध्य प्रदेश के लिए अत्यंत लाभकारी होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की दूरदृष्टि आर्थिक विकास के नए राह दिखा रही है। प्रधानमंत्री जी ने देश के आर्थिक विकास के लिए कई निर्णय लिए हैं। पाकिस्तान हमारे साथ आजाद हुआ। वहां की आर्थिक स्थिति दुनिया में किसी से छिपी नहीं है। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश को सशक्त बनाने के साथ दुनिया को भारत की ताकत का अहसास कराया है। भारत को आत्मनिर्भर बनाने, देशवासियों के कल्याण और मध्यम वर्ग को राहत देने वाले इस क्रांतिकारी बजट के लिए यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का मध्यप्रदेशवासियों की ओर से बहुत-बहुत आभार। ▪

बजट म.प्र. को मजबूती प्रदान करेगा - हेमंत खण्डेलवाल

- ईमानदार करदाताओं को राहत, मध्यम वर्ग को सम्मान के साथ जनता के विश्वास व विकास का बजट है।
- केंद्रीय बजट विकसित और आत्मनिर्भर भारत का विजन डॉक्यूमेंट है।
- बजट में गरीब, युवा, नारी शक्ति और अन्नदाता के साथ हर वर्ग के कल्याण के प्रावधान हैं।
- यह बजट आने वाले वर्षों में भारत की दिशा तय करने वाला सिद्ध होगा।
- बजट में रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहा है।
- केंद्रीय बजट भारत को विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनाने में मील का पत्थर साबित होगा।
- राजकोषीय घाटा कम करने व 12.2 लाख करोड़ के कैपिटल एक्सपेंडिचर से हर क्षेत्र में विकास होगा।
- बजट हर वर्ग को राहत देने के साथ डर से मुक्त टैक्स व्यवस्था की ओर बड़ा कदम है।
- स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा बजट।
- युवाओं को रोजगार दिलाने में महती भूमिका निभाएगी कंटेंट क्रिएटर लैब।

भारत को वैश्विक बायो-फार्मा मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की दृष्टि से अगले 5 वर्षों में 10 हजार करोड़ के परिव्यय के साथ 'बायो-फार्मा शक्ति' योजना का प्रस्ताव अभिनंदनीय है। यह पहल देश में बायोलॉजिक्स और बायोसिमिलर्स के घरेलू उत्पादन के लिए एक मजबूत ईकोसिस्टम तैयार करेगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में प्रस्तुत किया गया केंद्रीय बजट आने वाले 10 वर्षों में भारत के विकास की दिशा तय करेगा। भारत को दुनिया के नक्शे पर अग्रणी देश बनना है, तो हमें उन सभी क्षेत्रों पर ध्यान देना होगा जहां आज अमेरिका और चीन आगे हैं। इस केंद्रीय बजट में रेयर अर्थ सहित उन सभी क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है, जिनसे भारत वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ सके। रियल एस्टेट हो या चिप मैन्युफैक्चरिंग, हर क्षेत्र में भारत में उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया गया है। जिन क्षेत्रों में दुनिया के केवल दो-तीन देशों का दबदबा है, उन रणनीतिक उत्पादों के निर्माण पर बजट में विशेष ध्यान दिया गया है। बजट में पहली बार अलग मालगाड़ी कॉरिडोर बनाने की बात की गई है, जिससे लॉजिस्टिक्स खर्च कम होगा। और व्यापार बढ़ेगा। लॉजिस्टिक्स लागत कम होने से भारत की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता चीन के मुकाबले और अधिक मजबूत होगी। भारत को वैश्विक बायो-फार्मा मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की दृष्टि से अगले 5 वर्षों में 10 हजार करोड़ के परिव्यय के साथ 'बायो-फार्मा शक्ति' योजना का प्रस्ताव अभिनंदनीय है। यह पहल देश में बायोलॉजिक्स और बायोसिमिलर्स के घरेलू उत्पादन के लिए एक मजबूत ईकोसिस्टम तैयार करेगी। देश के हर जिले में एक छात्राओं हेतु हॉस्टल बनाने की

केंद्रीय बजट विकसित भारत की मजबूत नींव रखने के साथ देश-प्रदेश के विकास में अहम् योगदान देगा।

घोषणा बच्चियों की सुरक्षा एवं शिक्षा को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से अत्यंत सराहनीय कदम है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी गरीब, युवा, महिला और किसानों सहित सभी समाज वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रहे हैं। यह बजट प्रधानमंत्री जी की बताई चार जातियों के साथ हर वर्ग को राहत देने वाला है। बजट में गरीब, युवा, महिला और किसानों को राहत देने वाले कई सकारात्मक प्रावधान किए गए हैं। बजट में युवाओं और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। आयकरदाताओं को बड़ी राहत दी गई है। टैक्सपेयरों को सजा के स्थान पर नाम मात्र की पेनाल्टी का प्रावधान दर्शाता है कि केंद्र सरकार दण्ड व्यवस्था नहीं न्याय व्यवस्था को बढ़ावा दे रही है। यह बजट डर से मुक्त टैक्स व्यवस्था की ओर एक बड़ा कदम है। बजट हर वर्ग को राहत देने वाला बजट है। बजट में सेवा क्षेत्र को गति देने के साथ-साथ ईएमएस के अंतर्गत पीएलआई प्रोत्साहन को 40 हजार करोड़ तक बढ़ाकर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को नया बल दिया गया है। एमएसएमई ग्रोथ फंड हेतु 10 हजार करोड़ का प्रावधान उद्योग, निवेश और रोजगार सृजन के लिए मील का पत्थर सिद्ध होगा। यह बजट मैन्युफैक्चरिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य, पर्यटन, ग्रामीण विकास, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, खेल एवं तीर्थ विकास सहित हर क्षेत्र को समाहित करता हुआ यह बजट विकसित भारत-2047 के निर्माण की स्पष्ट रूपरेखा प्रस्तुत करता है। यह बजट समावेशी विकास और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक मजबूत कदम है। देश के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर प्रस्तुत किया गया बजट है।

केन्द्रीय बजट में फिस्कल डेफिसिट (राजकोषीय घाटा) को 4.5 प्रतिशत से घटाकर 4.3 प्रतिशत तक लाने का रोडमैप तैयार किया है। साथ ही देश के कुल कर्ज को जीडीपी के 56 प्रतिशत से घटाकर 50 प्रतिशत तक लाने की भी योजना है। रेयर अर्थ मिनरल्स के क्षेत्र में ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में बड़े निवेश की योजना बनाई गई है, जिससे इस क्षेत्र में चीन की निर्भरता कम होगी। सेमीकंडक्टर उद्योग को बढ़ावा देने के लिए लगभग 40 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा केमिकल पार्क और नए इकोनॉमिक जोन स्थापित करने की भी घोषणा हुई है। स्वास्थ्य क्षेत्र में कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की 17 दवाइयों पर कस्टम ड्यूटी शून्य कर दी गई है। एक लाख हेल्थ प्रोफेशनल्स की नियुक्ति, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान और हेल्थ टूरिज्म को बढ़ावा देने जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। जिला अस्पतालों का उन्नयन कर उनमें ट्रामा सेंटर स्थापित करने संबंधी प्रावधान स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार लाएंगे। महिलाओं के लिए हर जिले में हॉस्टल, डेढ़ लाख केयर वर्कर्स और पेंशनर्स को सुविधाएं देने का भी प्रावधान है। यह महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण के लिए बड़ा कदम है। 'लखपति दीदी' योजना, पशुपालन में पूंजी सब्सिडी, पशु चिकित्सकों की संख्या बढ़ाने तथा अमृत सरोवर योजना के माध्यम से रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह निर्णय ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेंगे।

केंद्रीय बजट में 15 हजार माध्यमिक शालाओं में कंटेंट क्रिएटर लैब की स्थापना, आईआईएम के सहयोग से 10 हजार टूरिस्ट गाइड तैयार करने और 'खेलो इंडिया' के माध्यम से खेलों को प्रोत्साहन देने की घोषणाएं की गई हैं। क्रिएटर लैब युवाओं को रोजगार दिलाने में महती भूमिका निभाएगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी देश को हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना रहे हैं। रक्षा बजट में 15 प्रतिशत की वृद्धि से देश की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को और बल मिलेगा। बजट में महात्मा गांधी जी के ग्राम स्वराज की परिकल्पना का पालन करते हुए खादी, हथकरघा, हस्तशिल्प और एक जिला एक उत्पाद को बढ़ावा देने वाला है। रक्षा बजट में 15 फीसदी की बढ़ोत्तरी देश की सुरक्षा की प्रधानमंत्री जी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। पूर्वोत्तर राज्यों में बौद्ध स्थलों के संरक्षण, बुनियादी ढांचे के विकास और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने का निर्णय प्रधानमंत्री जी की विरासत के विकास के मंत्र को साकार कर रहा है। कैंसर की 17 जीवनरक्षक दवाओं पर कस्टम ड्यूटी शून्य या न्यूनतम कर गरीबों को संबल देने का कार्य किया गया है। यह बजट महिला सशक्तिकरण को नई दिशा देने वाला है। बजट में किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को आधुनिक बनाने पर स्पष्ट फोकस किया गया है। पशुपालन और मत्स्य पालन को मजबूती, पूंजी सब्सिडी से पशु चिकित्सकों की संख्या बढ़ेगी और जलाशयों, अमृत सरोवरों के निर्माण से ग्रामीण रोजगार को प्राथमिकता दी गई है। ■

सम्पन्न मध्यप्रदेश हेतु बजट 2026-27 - मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

- **वर्ष 2026-27 में राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 10.69 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 18 लाख 48 हजार 274 करोड़ अनुमानित।**
- **बजट में गत वर्ष की तरह इस बार भी प्रदेश की जनता पर नहीं पड़ेगा नए टैक्स का भार।**
- **प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध।**
- **विधानसभा में प्रस्तुत किया गया 4 लाख 38 हजार 317 करोड़ रुपए का बजट।**
- **प्रति व्यक्ति आय में वर्ष 2024-25 की तुलना में वर्ष 2025-26 में 9 प्रतिशत की वृद्धि हुई।**
- **कृषि वर्ष में किसान कल्याण के लिए किया गया 1 लाख 15 हजार करोड़ रुपए से अधिक का प्रावधान।**
- **प्रदेश के इतिहास में पहली बार अधोसंरचना विकास के लिए एक लाख करोड़ रुपए से अधिक का प्रावधान।**
- **शहरों में अधोसंरचना विकास के लिए 'द्वारका योजना'।**
- **बच्चों को बेहतर पोषण के लिए यशोदा दुग्ध प्रदाय योजना में 700 करोड़ रूपए का प्रावधान।**
- **युवा कल्याण के लिए बजट में विशेष प्रावधान।**
- **वित्तीय संसाधनों के बेहतर प्रबंधन से बढ़ रही है बजट की राशि।**

मध्यप्रदेश बना रोलिंग बजट प्रस्तुत करने वाला देश का पहला राज्य।

अमृतकाल@ 2047 के लिए विकास का पैमाना है राज्य सरकार का बजट।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ज्ञान आधारित विकास के संकल्प के साथ मध्यप्रदेश लगातार आगे बढ़ रहा है। गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के कल्याण के ज्ञान (GYAN) के संकल्प में हमारी सरकार ने अब इंडस्ट्री और इंफ्रास्ट्रक्चर के आई (I) को भी शामिल किया है। वर्ष 2026-27 के लिए प्रदेश का यह बजट ज्ञानी (GYANII) के मार्गदर्शी सिद्धान्त पर तैयार किया गया है। जिसमें गरीब कल्याण, युवा शक्ति के कौशल विकास एवं रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण, अन्नदाता की आय में वृद्धि, नारी सशक्तिकरण, आधारभूत सुविधाओं का विकास एवं प्रदेश में औद्योगिक निवेश के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करने का संकल्प है। वर्ष 2026-27 के 4 लाख 38 हजार 317 करोड़ रुपए के बजट में विकास के लिए पर्याप्त धन राशि रखी गई है, यह विकास और जनकल्याण के संकल्प की पूर्ति का परिचायक है।

यह बजट ''समृद्ध मध्यप्रदेश, सम्पन्न मध्यप्रदेश, सुखद मध्यप्रदेश, सांस्कृतिक मध्यप्रदेश'' के सपने को साकार करने वाला है। पिछले वर्ष की तरह इस बार भी प्रदेश की जनता पर किसी नए कर, बोझ नहीं डाला गया है। सुशासन और सुप्रबंधन के लिए निरंतर नवाचार और विकास के सभी पैमानों को पूरा करता यह बजट अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय है।

राज्य सरकार ने रोलिंग बजट को अपनाते हुए वार्षिक बजट को दीर्घकालिक दृष्टि से जोड़ा गया है। रोलिंग बजट प्रस्तुत करने वाला संभवतः मध्यप्रदेश, देश का पहला राज्य है।

इस बजट से अगले तीन वर्ष के विकास का खाका खींचा जाएगा और यह बजट विकास के लिए सतत् रूप से पर्याप्त धन राशि उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेगा। यह बजट अमृतकाल 2047 के लिए विकास का पैमाना सिद्ध होगा। वर्ष 2026-27 में राज्य का सकल घरेलु उत्पाद 18 लाख 48 हजार 274 करोड़ रुपए अनुमानित है, जो वर्ष 2025-26 के अनुमान में 10.69 प्रतिशत अधिक है।

मध्यप्रदेश की प्रति व्यक्ति आय में वर्ष 2024-25 की तुलना में वर्ष 2025-26 में 9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2026-27 में पूंजीगत परिव्यय राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का 4.80 प्रतिशत अनुमानित है।

कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता वृद्धि के लिए 28 हजार 158 करोड़ रूपए, आदान व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए 64 हजार 995 करोड़ रूपए, उपज का बेहतर मूल्य दिलाने के लिए 8 हजार 91 करोड़ रूपए, सुरक्षा चक्र के लिए 13 हजार 769 करोड़ रूपए सहित कृषि कल्याण के लिए कुल 1 लाख 15 हजार 13 करोड़ रुपए का बजट प्रस्तावित है, जो किसान कल्याण वर्ष के लिए पर्याप्त है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक आधारित बजट व्यवस्था राज्य की एक अभिनव और दूरदर्शी पहल है।

प्रदेश के इतिहास में पहली बार अधोसंरचना विकास में बजट अनुमान 2026-27 का पूंजीगत परिव्यय रुपये 1 लाख करोड़ रूपये से अधिक है। राज्य सरकार ने इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के समुचित प्रावधान किए हैं। प्रदेश के गठन के बाद पहली बार इतनी बड़ी राशि का प्रावधान किया गया है। हमारा फोकस सर्वस्पर्शी, समावेशी विकास, सुशासन, पर्यावरण, पर्यटन एवं सांस्कृतिक पुनर्उत्थान पर है। सभी क्षेत्रों में विकास के लिए पर्याप्त प्रावधान है। राज्य सरकार ने विकसित भारत के लक्ष्य के साथ समृद्ध मध्यप्रदेश@2047 के लक्ष्य तय किए हैं और यह बजट इसे पूर्ण करने की ओर प्रभावी कदम है।

मुख्यमंत्री मजरा-टोला सड़क योजना के लिए 21 हजार 630 करोड़ की स्वीकृति के बाद वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए रूपये 800 करोड़ का प्रावधान है। राज्य में क्षतिग्रस्त पुलों का पुर्ननिर्माण योजना में 4 हजार 572 करोड़ की स्वीकृति के बाद वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए रूपये 900 करोड़ का प्रावधान रखा गया है।

सिंहस्थ महापर्व से संबंधित 13 हजार 851 करोड़ के कार्य स्वीकृत किए गए हैं, जिसके अंतर्गत वर्ष 2026-27 के लिए 3 हजार 60 करोड़ रूपये का प्रावधान है। शहरों में अधोसंरचना विकास के लिए ''द्वारका योजना'' में आगामी तीन वर्षों में 5 हजार करोड़ रूपये का निवेश संभावित है। ग्रामीण क्षेत्र में आबादी भूमि पर मालिकाना अधिकार की योजना है, जिसमें मुद्रांक एवं पंजीयन का समस्त शुल्क राज्य शासन वहन करेगा। यह देश में अपने तरह का पहला नवाचार है। इसके लिए 3 हजार 800 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है।

बच्चों को बेहतर पोषण मिले, इसके लिए यशोदा दुग्ध प्रदाय योजना के लिए 700 करोड़ रूपये का प्रावधान है। इस योजनातंर्गत आगामी पांच वर्षों में 6 हजार 600 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के लिए 23 हजार 883 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। किसी भी लाड़ली बहना को उसके अधिकार से वंचित नहीं किया जाएगा और सरकार निर्धारित समय-सीमा में लाड़ली बहनों को दी जाने वाली राशि का लक्ष्य प्राप्त करेगी। विकसित भारत-गांरटी फॉर रोजगार एण्ड आजीविका मिशन (ग्रामीण) के लिए 10 हजार 428 करोड़ रुपये का प्रावधान है।

प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना के लिए पर्याप्त धनराशि दी जा रही है। मध्यप्रदेश देश के सबसे युवा तीन प्रदेशों में से एक है। युवा कल्याण के लिए बजट में विशेष प्रावधान किए गए हैं। प्रदेश में सांदीपनि विद्यालय, पीएम श्री महाविद्यालय, चिकित्सा महाविद्यालयों का निर्माण किया जा रहा है। राज्य में औद्योगिक विकास के साथ हवाई कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए जोर दिया जा रहा है। पर्यटकों के लिए प्रदेश में पहली बार पीएमश्री हेली सर्विस शुरू की गई है, जिसमें पर्यटकों से सामान्य किराये का मात्र 1/10वां हिस्सा ही लिया जा रहा है। शेष खर्च राज्य सरकार वहन कर रही है। गरीब एवं जरूरतमंदों को एयर एम्बुलेंस की मदद से समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। राज्य में हवाई सेवाओं के विकास के लिए बजट में उचित प्रावधान किए गए हैं। मध्यप्रदेश में सर्वाधिक 13.5 करोड़ पर्यटक आए हैं, धार्मिक पर्यटकों के आगमन का भी रिकार्ड बना है। इनमें डेढ़ लाख विदेशी पर्यटक भी शामिल हैं। राज्य में पर्यटकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए टेंट सिटी, होम-स्टे जैसे नवाचारों को बढ़ाया जा रहा है।

मध्यप्रदेश वन संपदा एवं वन्यजीवों से समृद्ध है। प्रदेश की धरती पर चीतों का पुनर्स्थापन किया गया है। श्योपुर स्थित कूनो नेशनल पार्क में नए शावकों के आगमन से स्वदेशी चीतों की संख्या में वृद्धि हो रही है। यहां चीतों की संख्या अब 38 पहुंच गई है। 8 व्यस्क चीते बोत्सवाना से लाए जाएंगे। असम से जंगली भेंसा मध्यप्रदेश के वनों में जल्द लाए जाएंगे। वन्य जीवों के संरक्षण के साथ अभ्यारणों के बफर जोन में नागरिकों की सुरक्षा के लिए फेंसिंग का प्रावधान किया जा रहा है। नागरिकों की सुरक्षा के लिए आकाशवाणी के माध्यम से चेतावनी जारी कर उन्हें जंगली जानवरों के हमले से सुरक्षित किया जा रहा है। राज्य सरकार अपने उपलब्ध वित्तीय संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए लगातार बजट की राशि बढ़ा रही है और यह क्रम निरंतर जारी रहेगा। ■

मप्र का भविष्य सशक्त होगा

हेमंत खण्डेलवाल

- **बजट मध्यप्रदेश के समग्र विकास व सुदृढ़ अर्थव्यवस्था का दृष्टिपत्र है।**
- **प्रधानमंत्री जी के आत्मनिर्भर भारत के विजन को मध्यप्रदेश का बजट साकार करेगा।**
- **पूंजीगत व्यय को बढ़ाने से मध्यप्रदेश के सर्वांगीण विकास की परिकल्पना साकार होगी।**
- **प्रभावी आर्थिक नीतियों का परिणाम है दो वर्ष में प्रति व्यक्ति आय में 19.25 प्रतिशत की वृद्धि।**
- **किसानों के सशक्तिकरण के लिए किसान कल्याण वर्ष मना रहे।**
- **सशक्त मध्यप्रदेश की नींव को और मजबूती देगा यह बजट।**
- **बजट में हर वर्ग के आर्थिक सशक्तिकरण का प्रावधान।**

बजट विकसित मध्यप्रदेश के संकल्प को साकार करने के साथ जनकल्याण को नई ऊंचाई देगा।

मध्यप्रदेश का बजट गरीब, युवा, नारी और किसानों की समृद्धि का मार्ग और प्रशस्त करेगा।

मध्यप्रदेश सरकार ने 4,38,317 करोड़ का बजट प्रस्तुत किया है। बजट में स्वयं के व्यय से 1,17,667 करोड़ का राजस्व प्राप्त का लक्ष्य है। केंद्र सरकार से 1,12,137 करोड़ प्राप्त होंगे। राज्य के स्वयं के कर राजस्व में 10.6 प्रतिशत की वृद्धि से स्पष्ट है कि यह बजट प्रदेश के भविष्य को और सशक्त बनाने वाला है। पिछले वर्ष की अपेक्षा में पूंजीगत व्यय में 7.5 फीसदी की वृद्धि की गई है, जिससे प्रदेश का सर्वांगीण विकास और सशक्त होगा। अनुसूचित जनजाति विभाग के बजट में 25.8 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए 47,429 करोड़ का प्रावधान किया गया है, वहीं अनुसूचित जाति विभाग के बजट में भी 17 प्रतिशत की वृद्धि कर 31,192 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इन दोनों विभागों के बजट में उल्लेखनीय वृद्धि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के एकात्म मानववाद के सिद्धांत पर चलते हुए अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता को परिलक्षित करता है। प्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद पिछले वर्ष की अपेक्षा 10.69 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 18 लाख 48 हजार 274 करोड़ है, जो हमारी सरकार की प्रदेश के विकास की प्रतिबद्धता को दिखाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रस्तुत बजट ऐतिहासिक है। 4,38,317 करोड़ का यह बजट मध्यप्रदेश के समग्र विकास की दिशा में एक मजबूत कदम है। मध्यप्रदेश में प्रति व्यक्ति आय दो वर्ष में 1,41,000 से बढ़कर 1,69,000 हो गई है। यह 19.25 प्रतिशत की वृद्धि सरकार की प्रभावी आर्थिक नीतियों का परिणाम है। यह बजट गरीब, युवा, किसान और महिलाओं के सशक्तिकरण पर विशेष फोकस करता है, जिससे समाज के हर वर्ग को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। बजट में गौशालाओं के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं तथा एक लाख सोलर पंप किसानों को देने की तैयारी की गई है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए 1 लाख हेक्टेयर क्षेत्र का लक्ष्य रखा गया है और फसल बीमा के लिए 1300 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार हर समाज, वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। युवाओं को रोजगार और व्यवसाय उपलब्ध कराने के लिए वर्ष 2025 को उद्योग एवं रोजगार वर्ष मनाया। किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण व किसानों की आय दोगुनी करने के लिए भाजपा सरकार वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष मना रही है। किसानों को प्रधानमंत्री सम्मान निधि व मुख्यमंत्री सम्मान निधि के प्रति वर्ष 12 हजार रूपए दिए जा रहे हैं। किसानों को 1 लाख सोलर पंप दिए जाएंगे। वीबीजी रामजी योजना के लिए 10 हजार 428 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जिससे गांवों के विकास का निर्णय अब पंचायत स्तर पर पारदर्शिता के

साथ हो सकेगा। किसानों की खुशहाली बढ़ाने के लिए सिंचाई के रकबे में लगातार वृद्धि की जा रही है। नदी जोड़ो परियोजना से बुंदेलखंड, चंबल, मालवांचल के हर खेत तक सिंचाई का पानी पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। प्रदेश भर में विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं से सिंचाई का रकबा 55 लाख हेक्टेयर से बढ़ाकर एक लाख हेक्टेयर तक पहुंचाया जाएगा। मध्यप्रदेश सरकार किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष मना रही है।

बजट में 1 लाख करोड़ से अधिक का पूंजीगत व्यय मध्यप्रदेश के अधोसंरचना और विकास कार्यों को नई गति देगा। सिंचाई व्यवस्था का विस्तार, बेहतर बिजली आपूर्ति, पारदर्शी फसल खरीद, भावांतर योजना का संरक्षण और प्राकृतिक प्रकोप में त्वरित मुआवजा के माध्यमों से अन्नदाता को सबल और सशक्त बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इन प्रावधानों से किसान समृद्ध होगा और मध्यप्रदेश विकसित राज्य बनेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार ने दूरदर्शी सोच के साथ बजट प्रस्तुत किया है। यह बजट सशक्त मध्यप्रदेश की नींव को और मजबूती देगा।

महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में 'लाड़ली बहना योजना' के लिए 23,882 हजार करोड़ से अधिक की राशि निर्धारित की गई है। साथ ही कामकाजी महिलाओं के लिए 5700 महिला हॉस्टल के निर्माण तथा उनकी सुरक्षा और पेंशन पर विशेष जोर दिया गया है। युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 25 हजार करोड़ के ऋण प्रावधान किया गया है। साथ ही खेलों के विकास के लिए 815 करोड़ की राशि निर्धारित की गई है। ग्रामीण क्षेत्रों के विकास हेतु मजरे-टोले की सड़कों के लिए 21 हजार करोड़ से अधिक की राशि दी गई है। शिक्षा को और व्यापक स्तर तक पहुंचाने के लिए 294 विद्यालय खोले जाएंगे, जिससे प्रदेश में शैक्षणिक ढांचे को सुदृढ़ किया जाएगा। आंगनवाड़ियों में बच्चों के पोषण आहार को और पुख्ता करने के लिए ट्रेटा दूध दिया जाएगा। स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 23 हजार करोड़ का प्रावधान कर चिकित्सा सुविधाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है। इसके साथ ही 72 नई ई-बस सेवाओं की शुरुआत कर शहरी परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा। बजट 2026-27 में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की बताई चार जातियों गरीब, युवा, नारी शक्ति और अन्नदाता के साथ मध्यम वर्ग, उद्यमियों और हर वर्ग के कल्याण व सशक्तिकरण के लिए प्रावधान किए हैं। यह बजट मध्यप्रदेश को आने वाले वर्षों में देश के सबसे समृद्ध राज्य के रूप में स्थापित करेगा। यह सर्वस्पर्शी, सर्वव्यापी और सर्वसमावेशी बजट है। बजट में किए गए इन प्रावधानों से महिलाओं, किसानों, युवाओं और गरीबों के लिए खुशहाली के द्वार खुल जाएंगे। ▪

घोषणा

फार्म 4 (नियम 8 देखिए)

1.	प्रकाशन का स्थान	:	चरैवेति पं. दीनदयाल परिसर, ई-2, अरेरा कालोनी, भोपाल 462016
2.	प्रकाशन अवधि	:	मासिक
3.	मुद्रक का नाम	:	एम.पी. प्रिन्टर्स, नोएडा
	(क्या भारतीय नागरिक है)	:	भारतीय
	(यदि विदेशी है तो मूल देश)	:	
	पता	:	नोएडा (उ.प्र.)
4.	प्रकाशक का नाम	:	संजय गोविन्द खोचे
	(क्या भारतीय नागरिक है)	:	भारतीय
	(यदि विदेशी है तो मूल देश)	:	पं. दीनदयाल परिसर,
	पता	:	ई-2, अरेरा कालोनी, भोपाल 462016
5.	संपादक का नाम	:	संजय गोविन्द खोचे (संपादक)
	(क्या भारतीय नागरिक है)		भारतीय
	(यदि विदेशी है तो मूल देश)	:	पं. दीनदयाल परिसर,
	पता	:	ई-2, अरेरा कालोनी, भोपाल 462016
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचारपत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों।	:	पं. दीनदयाल विचार प्रकाशन, म. प्र. पं. दीनदयाल परिसर, ई-2, अरेरा कालोनी, भोपाल 462016

मैं संजय गोविन्द खोचे एतद् द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

दिनांकः 01 मार्च 2026

हस्ताक्षर
संजय गोविन्द खोचे
प्रकाशक

शिखर ही लक्ष्य

सीए अखिलेश जैन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ना छोटा सोचते हैं, ना छोटा करते हैं। प्रधानमंत्री जी की कार्यशैली में स्पीड और स्केल अपने आप में भिन्न होती है। कार्यों के परिणाम भी भिन्न होते हैं। प्रधानमंत्री जी के लक्ष्य भी भिन्न होते हैं। प्रधानमंत्री जी कार्य शुरू करके उसको 100 प्रतिशत तक पूरा करने का प्रयास करते हैं। यह बात बिल्कुल सही है प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 2014 में जब से देश की सत्ता संभाली है, देश के स्थापित लक्ष्यों को पीछे छोड़ते हुए जिस स्पीड और स्केल से कार्य किया है, रात दिन एक करके बिना विश्राम लिए, वह किसी भी विश्लेषक को आश्चर्यचकित करने के लिए पर्याप्त है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की अगुवाई वाली सरकार ने हमेशा निर्णायक रूप से, अस्पष्टता की जगह काम को, बातों की जगह सुधार को और लोक-लुभावन नीतियों की जगह लोगों को प्राथमिकता दी है।

सन् 2014 में प्रति व्यक्ति की आय 86,647 रुपए सालाना थी, जो की 2023 में बढ़कर 172,000 रुपए सालाना हो गई, 2026 में प्रति व्यक्ति आय लगभग 2.5 लाख से 2.72 लाख रुपए सालाना के बीच तक पहुंचने का अनुमान है, इस बीच में कोरोना जैसी वैश्विक महामारी का भी देश ने सामना किया। कोरोना के बावजूद 2022-23 में प्रति व्यक्ति आय 172,000 रुपए सालाना, मतलब लगभग 9 वर्षों में प्रति व्यक्ति आय को दोगुना करने में, प्रधानमंत्री जी वैश्विक अनिश्चितताओं, वैश्विक उथल-पुथल, वैश्विक महामारी के बाद भी 172,000 रुपए सालाना आय के लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल रहे। यही प्रति व्यक्ति आय 2024-2025 में 235,000 रुपए सालाना तक पहुंच गई। यही प्रधानमंत्री जी की अर्थनीति, स्पीड और स्केल है, यही मोदी जी का 13 वर्षों का बजट है।

2014-15 में प्रति व्यक्ति जीडीपी 98,405 रुपए सालाना के लगभग थी, 2024-2025 में प्रति व्यक्ति जीडीपी 234,859 रुपए सालाना तक पहुंच गई। यही मोदी जी का 13 वर्षों का बजट है।

भारत का कुल निर्यात 2013-14 के दौरान 465 अरब अमेरिकी डॉलर के बराबर था। अब बात करते हैं 2024-2025 की- भारत का कुल निर्यात 825.3 अरब अमेरिकी डॉलर पहुंच गया। अर्थात 11 वर्षों में भारत का निर्यात 177.5 प्रतिशत की दर से सकारात्मक वृद्धि दर को प्राप्त किया। यही मोदी जी का 13 वर्षों का बजट है।

वैश्विक निवेश की मंदी के दौरान भी भारत ने पर्याप्त प्रत्यक्ष विदेशी निवेशकों को आकर्षित किया है। मोदी सरकार के लगातार सुधारों एवं प्रयासों के परिणाम स्वरूप एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) जो वित्त वर्ष 2013-14 में लगभग 36 अरब अमेरिकी डॉलर के बराबर था। वह वित्त वर्ष 2024-25 में 80 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया, 222.23 प्रतिशत की दर से सकारात्मक वृद्धि दर को प्राप्त किया। जो निवेशकों के निरंतर विश्वास और सेवा, डिजिटल, विनिर्माण एवं बुनियादी अवसंरचनात्मक क्षेत्रों में निवेश की तेज गति को दर्शाता है। यही प्रधानमंत्री मोदी जी की अर्थनीति है। यही मोदी जी का बजट है।

2014 में हाई- स्पीड कॉरिडोर की लंबाई 550 किलोमीटर थी, वित्त वर्ष 2025-2026 में दिसंबर तक 5,364 किलोमीटर हो गई है। लगभग दस गुना बढ़ गई है। यही प्रधानमंत्री मोदी जी की स्पीड और स्केल है।

हवाई अड्डों की संख्या 2014 में 74 थी, 2025 में 164 हो गई है। भारत घरेलू विमानन के क्षेत्र में विश्व का तीसरा सबसे बड़ा बाजार बन गया है। यही प्रधानमंत्री मोदी जी की अर्थनीति है।

नवीकरणीय ऊर्जा तथा संस्थापित सौर ऊर्जा क्षमता के मामले में भारत मार्च 2014 में 76.38 गीगावॉट पर था, नवंबर 2025 तक सौर ऊर्जा क्षमता 253.96 गीगावाट हो गई, भारत वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर है और स्थापित पवन ऊर्जा क्षमता में चौथे स्थान पर है। कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता पिछले दशक में तीन गुना से अधिक बढ़ गई है। यही प्रधानमंत्री मोदी जी की अर्थनीति है।

2014 में उच्च गति क्षमता वाली पटरियों की लंबाई 31,445 किमी थी, 2025 तक लगभग दोगुनी से भी ज्यादा होकर होकर 84,244 किमी हो गई है, जिससे राष्ट्रीय रेल नेटवर्क के लगभग 80 प्रतिशत हिस्से पर 110 किमी प्रति घंटे से अधिक की गति से परिचालन संभव हो पा रहा है। उद्योग को समर्थन देना उद्योग को बढ़ाने में सहायक सिद्ध होता है। इसलिए उच्च स्तरीय उच्च गति की रेल कॉरिडोर का विकास औद्योगिक क्षेत्र के लिए विशेष सहायक होगा। मुंबई से पुणे, पुणे से हैदराबाद, हैदराबाद से बेंगलुरु, हैदराबाद से चेन्नई, चेन्नई से बेंगलुरु, दिल्ली से बनारस और बनारस से सिलीगुड़ी। प्रधानमंत्री मोदी जी ने सभी महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्र को हाई स्पीड रोड से जोड़ने का प्रयास किया है। यही प्रधानमंत्री मोदी जी की स्पीड और स्केल है।

रक्षा बजट 2013-14 में 2.53 लाख करोड़ रुपये था, वर्ष 2026-27 में 7.85 लाख करोड़ रुपये हो गया है, अर्थात इसमें लगभग 5.32 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोत्तरी हुई है, जो लगभग तीन गुना वृद्धि को दर्शाता है। इस बढ़े हुए प्रावधान के माध्यम से, सरकार ने आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में रणनीतिक बदलाव के साथ सशस्त्र बलों और उनकी क्षमताओं को दुनिया के उच्चतम मानकों में बदलने के अपने संकल्प की पुष्टि की है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में रुकावट और विदेशी विक्रेताओं की तुलना में घरेलू आवश्यकताओं को प्राथमिकता देने ने आयात प्रतिस्थापन की आवश्यकता पर फिर से जोर दिया है और न केवल निर्वाह के लिए बल्कि भविष्य के आधुनिकीकरण के लिए स्वदेशीकरण की ओर बढ़ रहा है। यही मोदी जी का बजट है।

वैश्विक वस्त्र निर्माण और निर्यात केंद्र की रोजगार सृजन, निर्यात, ग्रामीण आजीविका और टिकाऊ विनिर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका है। फाइबर से लेकर फैशन तक, ग्रामीण उद्योगों से लेकर वैश्विक बाजारों तक, संपूर्ण वस्त्र मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने के लिए एक व्यापक और एकीकृत नीतिगत ढांचे की घोषणा की गई है। इसमें रणनीतिक दृष्टि, समावेशी विकास, स्थिरता और व्यापक रोजगार सुनिश्चित करना सरकार की मंशा है। यही प्रधानमंत्री मोदी जी की अर्थनीति है।

खादी, हथकरघा और हस्तशिल्प के द्वारा बुनकरों, ग्राम उद्योगों, ग्रामीण युवाओं और एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) पहल को मजबूत करने के लिए महात्मा गांधी ग्राम स्वराज पहल प्रारम्भ की जा रही है। इस पहल से वैश्विक बाजार से संपर्क स्थापित करना, ब्रांडिंग, सुव्यवस्थित प्रशिक्षण, कौशल विकास, गुणवत्ता सुधार और प्रक्रिया आधुनिकीकरण का लाभ होगा। यही प्रधानमंत्री मोदी जी की स्पीड और स्केल है।

उद्यमों को प्रोत्साहन तथा भविष्य के चैंपियन तैयार करने के लिए 10,000 करोड़ रुपये का समर्पित सूक्ष्म व लघु और मध्यम उद्यम विकास कोष शुरू किया गया है, यही प्रधानमंत्री मोदी जी की अर्थनीति है।

अब स्वास्थ्य में प्रधानमंत्री जी की स्पीड और स्केल देखिए - बायोफॉर्मा शक्ति कार्यक्रम में अगले पांच वर्षों के लिए 10 हजार करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। यह कार्यक्रम घरेलू स्तर पर जैविक घटकों, उत्पादों और जैविक दवाओं का उत्पादन के लिए एक इकोसिस्ट्म तैयार करेगा तथा भारत को वैश्विक बायोफॉर्मा विनिर्माण केन्द्र के रूप में स्थापित करेगा। सार्वजनिक स्वास्थ सेवाओं सहित अलग-अलग तरह के क्षेत्रों में युवाओं के लिए रोजगारपरक और कैरियर की दृष्टि से महत्वपूर्ण कौशल गतिविधियों की एक नई श्रृंखला के निर्माण के उद्देश्य से अगले पांच वर्षों में एक लाख एएचपी को जोड़ा जाएगा। बहुकौशल सेवा प्रदाताओं को तैयार करने के परिणाम स्वरूप अगले कुछ वर्षों में लगभग डेढ़ लाख देखभाल सेवा प्रदाता प्रशिक्षित होंगे। भारत को चिकित्सा पर्यटन सेवाओं के केन्द्र के रूप में विस्तार देने के निजी क्षेत्र की भागीदारी के साथ पांच क्षेत्रीय चिकित्सा केन्द्र स्थापित किए जाएंगे। ये सभी केन्द्र चिकित्सा के पेशेवरों को अलग-अलग रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगे। तीन नये अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थाओं की स्थापना, आयुष फॉर्मेसी और औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं को उच्च मानकों के साथ प्रमाणित करने के इकोसिस्टम को तैयार करने के लिए उन्नत बनाना तथा अधिक कुशल लोगों को इस क्षेत्र में अवसर उपलब्ध कराना, पारम्परिक चिकित्सा व औषधि के लिए जागरूकता बढ़ाने तथा साक्ष्य आधारित शोध कार्य का विस्तार करने के उद्देश्य से जामनगर में विश्व स्वास्थ्य संगठन वैश्विक पारम्परिक औषधि केन्द्रों का उन्नयन करना शामिल है।

रोगियों, विशेष रूप से कैंसर से प्रभावित रोगियों को राहत प्रदान करने की दिशा में बजट में 17 औषधियों अथवा दवाओं पर मूल सीमा शुल्क में छूट दी जाएगी। इसके अलावा बजट में 7 अतिरिक्त असाधारण रोगों के लिए कैंसर रोगियों के इलाज में उपयोग की जाने वाली औषधियों और एफएसएमपी के निजी आयातों पर आयात शुल्क से छूट का प्रावधान किया गया है। यही मोदी जी का बजट है।

खेती की उत्पादकता बढ़ाने के लिए भारत विस्तार- बहुभाषीय एआई टूल नई प्रौद्योगिकों को सहायता प्रदान करना, सरकार की मुख्य पहलों को दर्शाता है। यही प्रधानमंत्री मोदी जी की अर्थनीति है।

2030 तक एनिमेशन, वीजुअल इफेक्ट, गेमिंग और कॉमिक (एवीजीसी) क्षेत्र को प्रोत्साहन देते हुए उद्योग के रूप में रेखांकित किया गया है, 2 मिलियन पेशेवरों को तैयार करने के लिए, जो भारत की ऑरेंज अर्थव्यवस्था को और बढ़ावा देगा। यही प्रधानमंत्री मोदी जी की अर्थनीति है।

सार्वजनिक कैपेक्स (सार्वजनिक पूंजीगत व्यय) 2014-2015 के 2 लाख करोड़ रुपये से कई गुना बढ़ा कर 2026-27 में 12.2 लाख करोड़ रुपये। यह 2014-15 के 2 लाख करोड़ रुपये से एक बड़ी वृद्धि है, जो रेलवे, राष्ट्रीय राजमार्गों और शहरी बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण पर ध्यान केंद्रित करता है, जिसका उद्देश्य आर्थिक विकास को गति देना है। यही प्रधानमंत्री मोदी जी की स्पीड और स्केल है।

सेमीकं डक्टर क्षेत्र की क्षमता में विस्तार करने और भारत सेमीकंडक्टर मिशन (1.0) को आधार मानकर प्रौद्योगिकी और कु शल कार्यबल विकसित करने, उपकरण एवं सामग्री निर्माण, भारतीय आईपी का पूरी तरह से डिजाइन

करने और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के लिए भारत सेमीकंडक्टर मिशन (2.0) शुरू करने का प्रस्ताव किया गया है। यही प्रधानमंत्री मोदी जी की स्पीड और स्केल है।

खनन, प्रसंस्करण, अनुसंधान और विनिर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से खनिज समृद्ध राज्यों ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में समर्पित रेयर अर्थ कॉरिडोर की स्थापना में मदद करने का प्रस्ताव है। यही प्रधानमंत्री मोदी जी की अर्थनीति है।

इस तरह ऊपर के समस्त उदाहरणों को आप देखेंगे तो आपको मोदी जी की अर्थनीति, स्पीड, स्केल,13 सालों के बजट सभी का रुख, सभी का विश्लेषण समझ में आ जाएगा। 13 सालों के बजट की चर्चा इसलिए भी आवश्यक है कि आज देश जिस स्थिति में खड़ा है उस स्थिति को प्राप्त करने में कोई एक बजट महत्वपूर्ण नहीं है, आज की स्थिति जो भारत ने प्राप्त की है, इस स्थिति को प्राप्त करने के लिए मोदी जी को विरासत में मिला भारत और विरासत को मोदी जी के द्वारा सजाया,संवारा गया है। इन दोनों चीजों का परिणाम आज का वर्तमान भारत है। और भविष्य का भारत आज के भारत से आगे के भारत के लिए की गई तैयारी का परिणाम होगा। मोदी जी की अर्थ नीति, स्पीड, स्केल, 13 सालों के बजट से साफ परिलक्षित होता है कि मोदी जी भारत को तेज गति से आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं। तेज गति को प्राप्त करने के लिए आवश्यक सुधारों पर बल दिया गया है। सरकार की प्राथमिकताओं में परिवर्तन किया गया है। सरकार ने युवा शक्ति को भविष्य का भारत बनाने के लिए तैयार करने, डेवलप करने और नेतृत्व करने के लिए रचनात्मक प्रयास किए हैं। राजकोषीय अनुशासन, सतत् विकास, मुद्रास्फीति की दर को कम करने का शानदार प्रयास किया है। मोदी सरकार ने आत्मनिर्भरता को लक्ष्य मान करके घरेलू उत्पादन क्षमता को बढ़ाने का प्रयास किया है। ऊर्जा सुरक्षा को सुरक्षा प्रदान करने का प्रयास किया है। मेक इन इंडिया जैसे कार्यक्रमों को चला करके आयात पर निर्भरता कम करने का प्रयास किया है। सरकार की पूरी अर्थनीति का अगर विश्लेषण करेंगे तो उसके केंद्र बिंदु में सरकार का लक्ष्य आत्मनिर्भरता, रोजगारसृजन, कृ षि उत्पादन क्षमता का विकास, नागरिकों की क्रय शक्ति को बढ़ाना, नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार लाना अपनाया गया है। सरकार ने 7 प्रतिशत उच्च वृद्धि दर को सुनिश्चित करके गरीबी घटाने और नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने के प्रयासों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। वैश्विक उथल-पुथल के दौर में देश की आवश्यकताओं को आयात से निर्भरता कम करना बहुत आवश्यक है। इस पक्ष को ध्यान में रखकर सरकार ने नई प्रौद्योगिकी, ऊर्जा सुरक्षा, दुर्लभ खनिजों की उत्पादन क्षमता में महत्वपूर्ण बदलाव लाया है। सरकार ने निर्यात को समर्थन देकर एक तरफ उद्योगों को नई ऊर्जा प्रदान की है। दूसरी तरफ देश में रोजगार सृजन में सफलता हासिल की है। मेक इन इंडिया को बढ़ावा देकर के आयात पर निर्भरता कम की है। जिसका सीधा असर भारत देश की युवा शक्ति को रोजगार प्राप्त करने में हुआ है। आयात पर निर्भरता कम करने से वैश्विक बाजारों के संग भारत की निर्भरता भी कम हुई है।

जो देश कृषि उत्पादों को आयात करता था, अनाज की कमी से जूझता था, आज वही देश ढाई लाख करोड़ रुपए से अधिक के कृषि उत्पादों का निर्यात करता है, कितना फर्क है।

सरकार ने इस उत्पादन क्षमता को बढ़ाने में सबको साथ लिया, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, घुमंतू समाज, युवा, गरीब, महिला, सरकार ने उनका भी साथ लिया है जिनकी संख्या वोट की राजनीति के हिसाब से नगण्य होती है, उनसे भी सरकार ने देश के विकास में योगदान हासिल करने में सफलता प्राप्त की है, सरकार ने आर्थिक विकास में तेजी लाने के लिए देश की विरासत को भी सजाया और संवारा है, विरासत को सजाने और संवारने से एक तरफ विरासत का संरक्षण हुआ, दूसरी तरफ पर्यटन उद्योग को नई तेजी, नई ऊर्जा तथा नई ऊंचाइयां प्राप्त करने का साहस प्राप्त हुआ, पर्यटन क्षेत्र का विकास हुआ, इसका सीधा अर्थ रोजगार सृजन का लाभ हुआ है।

सरकार की अर्थ नीति 'कर्तव्य-नीति' ज्यादा दिखाई देती है। जिसके चलते सरकार ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकलने में सफलता प्राप्त की है। 25 करोड़ लोगों की जनसंख्या जो गरीबी रेखा से बाहर आई है, वह वापस गरीबों के ब्रैकेट में ना चले जाएं, सरकार इसलिए लगातार अपना सहयोग व समर्थन जारी रखे हुए है।

वह क्षेत्र जिनको राजनीतिक रूप से ध्यान नहीं दिया जाता था, क्योंकि वहां पर लोकसभा की इतनी सीटें ही नहीं थीं, कि वहां ऊर्जा व खर्चा करने से सरकार बनाने की नीति को कोई फायदा मिले। मोदी जी ने इस नीति को बदला। उन क्षेत्रों के विकास में भी ऊर्जा भरी जहां राजनीतिक फायदा नहीं था। लेकिन देश के नागरिकों को फायदा था।

मोदी सरकार की बजट नीति का विश्लेषण करने पर एक ही चीज दिखाई देती है कि मोदी सरकार की पूरी अर्थनीति, पूरी स्पीड, स्केल, पूरी बजट नीति का हर बार सारांश निकलता है कि मोदी सरकार का लक्ष्य देश को आत्मनिर्भर बनाकर रोजगार सृजन करना, वैश्विक बाजारों में भारत की हिस्सेदारी को सुनिश्चित करना, यही मोदी सरकार की अर्थ नीति का केंद्र है और इसी केंद्र को हासिल करने के लिए, इसी लक्ष्य को हासिल करने के लिए, विभिन्न-विभिन्न विधाओं का, विभिन्न-विभिन्न प्रयोगों का, सरकार उपयोग करती है, सरकार चिकित्सा क्षेत्र का उपयोग करती है, सरकार यूपीआई का उपयोग करती है, कभी सरकार स्वास्थ्य के ऊपर लक्ष्य निर्धारित करती है, सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर पर लक्ष्य निर्धारित करती है, सरकार शिक्षा केद्रों के निर्माण के लक्ष्य निर्धारित करती है, सरकार कृषि उत्पादन क्षमता बढ़ाने के ऊपर लक्ष्य निर्धारित करती है।

सरकार, सभी संभव मार्गों का उपयोग, उपभोग एवं संरक्षण और विकास एक साथ करती है इसलिए मोदी सरकार के बजट में मोदी सरकार की अर्थनीति में स्पीड और स्केल में हर क्षेत्र की तरफ नभ, जल और आकाश सभी तरफ नए कीर्तिमान स्थापित होते दिखते हैं। क्योंकि हमारी पूर्व की क्षमताओं से हम एक नए स्तर पर आ गए हैं। मोदी सरकार का लक्ष्य तो इससे कहीं ऊपर है। देश को वापस अपना खोया हुआ गौरव हासिल करना है। देश को विश्व की अर्थव्यवस्था में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करना है। इसीलिए भारत विश्व का ग्लोबल ग्रोथ इंजन है। भारत का विकास विश्व का विकास है। भारत ही वह देश है जहां पर लोकतंत्र है। सभी नागरिकों के पास समान अधिकार हैं। मोदी सरकार बिना किसी भेदभाव के, बिना किसी पूर्वाग्रह के, हर क्षेत्र, हर समाज, हर व्यक्ति को विकास का हिस्सेदार व विकास का भागीदार बनाने का जोरदार प्रयास कर रही है, इसमें कोई भी हमसे दूर ना रहे, कोई भी इस विकास की दौड़ में पीछे ना छूटे, कोई भी विकास की भागीदारी में रह ना जाए, समग्र विकास के साथ-साथ समग्र दृष्टिकोण केवल भाजपा सरकार, प्रधानमंत्री मोदी जी ही कर सकते हैं। ■

(लेखक भाजपा मप्र के कोषाध्यक्ष हैं)

आर्थिक विकास की निरंतरता

राजेश सोलंकी

मोदी जी के बजट को विश्लेषण करने के लिए एक अलग दृष्टिकोण से देखना पड़ेगा। बजट का आधार समझना पड़ेगा। बजट के लक्ष्यों को समझाना पड़ेगा, तभी बजट का विश्लेषण किया जाना संभव है। असम, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल तथा केंद्र शासित प्रदेश पुदुचेरी में निकट भविष्य में विधानसभा चुनाव हैं। आसान राजनीति करने वाले लोगों का तो यह भी मानना है की सरकार चाहती तो चुनावी राज्यों को टारगेट करके अपने बजट का निर्धारण करती और आसानी से सरकार इन पांच राज्यों में भाजपा के पक्ष में माहौल बना लेती। बजट आने के बाद विश्लेषकों एवं आलोचकों को बहुत बड़ा झटका लगा। मोदी सरकार ने बजट में ऐसा कुछ भी नहीं किया की पांच राज्यों का चुनाव सर पर होने के बाद भी पांच राज्यों के चुनाव को दृष्टिगत रखकर कोई घोषणा की जाए। मोदी सरकार की बजट घोषणाएं अगर देखी जाएं, बजट के लक्ष्यों को देखा जाए, तो मोदी जी ने पूर्व से पश्चिम तक, उत्तर से दक्षिण तक, समग्र विकास की बात कही है, सरकार ने एक तरफ नए औद्योगिक क्षेत्रों को समर्थन दिया है, राजकोषीय अनुशासन, सतत् विकास, और मुद्रास्फीति पर नियंत्रण रखने का प्रस्ताव किया है। आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साधने के लिए घरेलू विनिर्माण क्षमता को बढ़ाने के उपायों का प्रस्ताव किया है। तात्कालिक आवश्यकताओं, दीर्घकालिक क्षमता विकास का समाधान किया है। उच्च प्रभाव वाले और उभरते हुए उद्योगों पर केंद्रित नई योजनाओं और कार्यक्रमों की शुरुआत की गई है, ताकि औद्योगिक विकास के अगले चरण को गति दी जा सके। इन योजनाओं और कार्यक्रमों का उद्देश्य सात रणनीतिक और उभरते क्षेत्रों में विनिर्माण को बढ़ावा देना है। 200 विरासत औद्योगिक क्लस्टरों को पुनर्जीवित करने की योजना। पांच वर्षों में 10,000 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ बायोफार्मा शक्ति। सेमीकंडक्टर मिशन 2.0। आयात पर निर्भरता कम करने के लिए समर्पित रासायनिक पार्क। निवेश प्रतिबद्धताओं की गति का लाभ उठाने और घरेलू घटक विनिर्माण को गति देने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण योजना (ईसीएमएस)। दुर्लभ पृथ्वी स्थायी चुंबक योजना के आधार पर खनन, प्रसंस्करण, अनुसंधान और विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में समर्पित दुर्लभ पृथ्वी स्थायी चुंबक और गलियारे। खेल उपकरण और सामग्री विज्ञान में विनिर्माण, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए खेल सामग्री विनिर्माण पहल। विनिर्माण नवाचार और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसई) में हाई-टेक टूल रूम। वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी कंटेनर विनिर्माण इकोसिस्टम बनाने के लिए कंटेनर विनिर्माण योजना। एकीकृत वस्त्र कार्यक्रम के लिए वस्त्र क्षेत्र के लिए समर्पित उपाय (समर्थ 2.0)। उच्च मूल्य और तकनीकी रूप से उन्नत सीआईई के घरेलू विनिर्माण को मजबूत करने के लिए निर्माण और अवसंरचना उपकरण (सीआईई) योजना। मेगा टेक्सटाइल पार्क का निर्माण। खादी, हथकरघा और हस्तशिल्प के सशक्तिकरण के लिए महात्मा गांधी ग्राम स्वराज पहल। एमएसएमई को मुख्य ग्रोथ इंजन के रूप में मान्यता देना शामिल हैं।

मोदी सरकार के बजट की विशेषता है कि

इस बजट में या मोदी जी के पूरे शासनकाल में, मोदी जी ने किसी क्षेत्र विशेष, किसी समुदाय विशेष, किसी जाति विशेष, किसी वर्ग विशेष के प्रति कोई लगाव विशेष नहीं, हर कार्यक्रम, हर योजना का लाभ भारत के हर नागरिक को समान है, उसमें भी जो सबसे आखिरी में हैं, उसका ध्यान विशेष, मोदी जी ने तो स्वयं कहा है जिन्हें कोई पूछता नहीं है, मोदी उन्हें पूछता है, पूजता है। तभी तो मोदी जी का बजट भारत के भविष्य निर्माण हेतु समर्पित है। बजट एक अनूठा युवा शक्ति- प्रेरित बजट है, जो कई नवीन विचारों से प्रेरित है,

अब मोदी जी के बजट की प्राथमिकताओं की और नजर डालिए, मोदी जी ने परिवहन क्षेत्र को प्राथमिकता देते हुए सर्वाधिक 5,98,520 करोड़ रुपये आवंटित किये हैं स्पष्ट है अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की परिवहन नेटवर्क व्यवस्था देश के व्यापार, व्यवसाय को सरकार का खुला समर्थन, यही समर्थन 140 करोड़ लोगों के मजबूत, टिकाऊ, उन्नत और सुरक्षित भविष्य बनाने में आधार शिला का काम करेगा।

रक्षा क्षेत्र में बड़ी भारी वृद्धि करते हुए 5,94,585 करोड़ रुपये का आवंटन दिखाता है मोदी जी के नेतृत्व में सरकार देश की सीमाओं की सुरक्षा के प्रति कितनी जागरूक व संवेदनशील है किसी भी खतरे से निपटने के लिए सेना का सक्षम, मजबूत व आधुनिकिकरण अत्यंत आवश्यक है और सुरक्षा व्यवस्था की मजबूती शांति स्थापना के लिए आवश्यक है, शांति स्थापना आर्थिक प्रगति के लिए आवश्यक है,रक्षा क्षेत्र मे किया गया निवेश देश के भविष्य की नींव निर्माण मे किया निवेश है।

ग्रामीण विकास हेतु 2,73,108 करोड़ रुपये का आवंटन दिखाता है कि मोदी सरकार का तीसरा सबसे बड़ा आवंटन ग्रामीण विकास हेतु है अर्थात् यातायात व रक्षा क्षेत्र के बाद मोदी सरकार की प्रथम प्राथमिकता ग्रामीण विकास है, ग्रामीण विकास में किया गया निवेश शहरों की तरफ पलायन रोकेगा साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों को बुनियादी विकास का मार्ग प्रशस्त कर ग्रामों का आधुनिकिकरण कर आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा।

मोदी सरकार की प्राथमिकता 7 प्रतिशत की उच्च विकास दर को बनाए रखना है, उच्च विकास दर से गरीबी कम करने और लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

जिसके लिए सरकार ने ऊर्जा सुरक्षा, महत्वपूर्ण आयात निर्भरताओं को कम किया, दूरगामी संरचनात्मक सुधार, वित्तीय स्थिरता बनी रहे इसलिए सरकार द्वारा अपने वित्त (आय और व्यय) का सावधानीपूर्वक और जिम्मेदारी से प्रबंधन करना, मौद्रिक स्थिरता - जिससे समय के साथ मुद्रा का मूल्य स्थिर बना रहे, सार्वजनिक निवेश पर जोरदार बल दिया गया है। सरकारी कार्यों से नागरिकों को लाभ सुनिश्चित किया है। घरेलू विनिर्माण क्षमता को सरकारी सर्मथन दिया है।

गरीबों, वंचितों और पिछड़े लोगों पर ध्यान केंद्रित करके मोदी सरकार ने संकल्प लेकर एक अनूठा युवा शक्ति-प्रेरित बजट प्रस्तुत किया है। जिसमें आर्थिक विकास को गति देना और उसे बनाए रखना, लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना और क्षमता निर्माण करना, 'सबका साथ, सबका विकास' की परिकल्पना के अनुरूप ध्यान केंद्रित करना शामिल है।

विकास के स्तंभों में - आर्थिक विकास दर को बनाए रखना, विकास की नींव को मजबूत करना, जन-केंद्रित विकास, सरकार और नागरिकों/ व्यवसायों के बीच आपसी भरोसे को बढ़ावा देना, जहाँ अनुपालन सख्त नियंत्रणों के बजाय विश्वास पर आधारित है, व्यापार करने में सुगमता और जीवन जीने में सुगमता प्रदान करना तथा राजकोषीय मामले प्रमुख हैं।

पिछले 12 वर्षों में भारत की आर्थिक प्रगति, स्थिरता, राजकोषीय अनुशासन, निरंतर विकास और मध्यम मुद्रास्फीति से चिह्नित रही है। राजकोषीय रणनीति के अन्य प्रावधानों में पूंजीगत व्यय पर लगातार ध्यान देने के माध्यम से आर्थिक वृद्धि को सहायता, वैश्विक आर्थिक घटनाओं तथा देश के विकसित भारत की ओर अग्रसर होने और संवृद्धि सुनिश्चित करना शामिल है। अन्य प्रावधानों में कर नीति में सुधार, व्यय नीति, सरकारी उधारी, देनदारी और निवेश शामिल है। इस प्रकार आप पाएंगे मोदी जी ने बजट का राजनीतिक उपयोग न करते हुए, वोट बैंक जैसे विचारों को दरकिनार करते हुए 140 करोड़ लोगों के भविष्य निर्माण के प्रेरणा व संकल्प को साधने का अनोखा प्रयास किया है। अगर देश मोदी जी के दिखाये पथ का अनुसरण करता रहा तो निकट भविष्य भारतीयों का होगा। भारत का होगा, भारत सुरक्षित, समृद्ध और विश्व को दिशा देने वाला भारत होगा, विकसित भारत @2047 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार कि गम्भीरता स्पष्ट दिखाई देती है। ▪

(लेखक भाजपा मप्र के पूर्व प्रवक्ता तथा इंदौर भाजपा के संगठन प्रभारी हैं)

AI मानवता की भलाई के लिए -पीएम मोदी

- **एआई में नैतिकता असीमित होनी चाहिए, लाभ उद्देश्य के अनुरूप होने चाहिए।**
- **एआई के नैतिक उपयोग के लिए प्रधानमंत्री के तीन प्रमुख सुझाव - भरोसेमंद वैश्विक डेटा फ्रेमवर्क, पारदर्शी 'ग्लास बॉक्स' सुरक्षा नियम और एआई में मानव मूल्यों का समावेशन।**
- **एआई मानवता के कल्याण के लिए साझा संसाधन है।**

एआई इम्पैक्ट समिट मानव-केंद्रित और संवेदनशील वैश्विक इकोसिस्टम को आकार देगा।

एआई सभी के लिए सुलभ होनी चाहिए और ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं को शासन के केंद्र में रखा जाना चाहिए।

हम इतिहास पर नजर डालें, तो पता चलता है कि इंसान ने हर disruption को एक नए अवसर में बदला है। आज हमारे सामने फिर ऐसा ही अवसर आया है। हमें मिलकर इस disruption को मानवता के सबसे बड़े अवसर के रूप में बदल देना है।

भारत बुद्ध की धरती है और भगवान बुद्ध ने कहा था- Right Action Comes from Right Understanding. इसलिए यह बहुत आवश्यक है कि हम साथ मिलकर ऐसा रोडमैप बनाएं, जिससे एआई का सही इंपैक्ट दिखे, और सही इंपैक्ट तभी आता है, जब हम सही समय पर, सही नियत से, सही निर्णय लेते हैं।

कोविड ग्लोबल पेंडेमिक के समय दुनिया ने देखा है कि जब हम एक दूसरे के साथ खड़े होते हैं, तो असंभव भी संभव हो जाता है। वैक्सीन विकास से लेकर सप्लाई चेन तक, data साझा करने से लेकर जीवन बचाने तक, सहयोग ने ही समाधान दिया। टेक्नोलॉजी कैसे मानवता की सेवा का माध्यम बन सकता है, ये हमने भारत में कोविड काल में देखा है। हमारा जो डिजिटल वैक्सीनेशन प्लेटफार्म था, उसने करोड़ों लोगों को समय पर वैक्सीनेट कराने में बहुत मदद की। हमारे UPI ने उन मुश्किल परिस्थितियों में भी यह सुनिश्चित किया कि लोग आसानी से ऑनलाइन ट्रांजैक्शन करते रहें। UPI ने भारत में डिजिटल डिवाइड को दूर करने में भी बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। बीते वर्षों में भारत ने एक वाइब्रेंट डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया है, हम इसे दुनिया के साथ भी शेयर कर रहे हैं। क्योंकि हमारे लिए टेक्नोलॉजी पावर का नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम है, पावर नहीं एंपावर करना। एआई की दिशा भी ऐसी होनी चाहिए, जिससे पूरी मानवता का कल्याण हो।

अतीत में टेक्नोलॉजी ने डिवीजन क्रिएट किए, लेकिन वर्तमान में एआई टेक्नोलॉजी सबके लिए सुलभ हो, सबकी पहुंच में हो, ये हमारा लक्ष्य होना चाहिए। इसलिए आज जब हम एआई के फ्यूचर पर चर्चा कर रहे हैं, तो हमें ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं और प्राथमिकताओं को भी एआई गवर्नेंस के केंद्र में रखना होगा।

युग चाहे कोई भी रहा हो, एथिक्स हमेशा ही चर्चा के केंद्र में रहा है, अंतर बस इतना आया है कि पहले अन-एथिकल बिहेवियर का दायरा बहुत छोटा होता था, लेकिन एआई में इसका दायरा असीमित है, अनलिमिटेड है। इसलिए, एआई के लिए हमें एथिकल बिहेवियर और नॉर्म्स का दायरा भी असीमित बनाना होगा। एआई कंपनियों के सामने बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, प्रॉफिट के साथ-साथ purpose पर भी फोकस हो, ऐसे एथिकल कमिटमेंट की बहुत आवश्यकता है। व्यक्तिगत स्तर पर एआई हमारी लर्निंग, इंटेलिजेंस और इमोशंस को प्रभावित कर रही है।

एआई के एथिकल उपयोग के लिए मेरे तीन सुझाव हैं।

फर्स्ट- Data Sovereignty को रिस्पेक्ट करते हुए एआई ट्रेनिंग के लिए एक डेटा फ्रेमवर्क बने। जैसे एआई में कहा जाता है- गार्बेज इन, गार्बेज आउट। अगर डेटा सुरक्षित, संतुलित, विश्वसनीय नहीं होगा, तो आउटपुट भी भरोसेमंद नहीं होगा। इसलिए, ग्लोबल ट्रस्टेड डेटा फ्रेमवर्क जरूरी है।

सेकंड- एआई प्लेटफार्म अपने सेफ्टी रूल्स

बहुत क्लियर और ट्रांसपेरेंट रखें, हमें ब्लैक बॉक्स के बदले ग्लास बॉक्स अप्रोच चाहिए, जहां सेफ्टी रूल्स देखें, और वेरीफाई किए जा सके, तब अकाउंटेबिलिटी भी क्लियर होगी और बिजनेस में एथिकल बिहेवियर को भी बूस्ट मिलेगा।

थर्ड- एआई रिसर्च में पेपर क्लिप प्रॉब्लम का उदाहरण दिया जाता है। अगर किसी मशीन को सिर्फ पेपर

क्लिप बनाने का लक्ष्य दे दिया जाए, तो वह उसका एक काम के लिए दुनिया के सारे रिसोर्सेज को दांव पर लगाकर भी वही काम करती रहेगी। इसलिए, एआई को क्लियर ह्यूमन वैल्यूस और गाइडेंस की जरूरत है। टेक्नोलॉजी पावरफुल है लेकिन डायरेक्शन हमेशा मानव ही तय करेगा।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एआई की ग्लोबल जर्नी में एस्पिरेशनल इंडिया एआई की बड़ी भूमिका है, और अपने इस दायित्व को समझते हुए भारत आज बड़े कदम उठा रहा है। अपने एआई मिशन के माध्यम से आज भारत में 38,000 GPUs मौजूद हैं, और अगले 6 महीनों में हम 24,000 GPUs और लगाने जा रहे हैं। हम अपने स्टार्टअप्स को बहुत ही अफोर्डेबल रेट्स पर वर्ल्ड क्लास कंप्यूटिंग पावर उपलब्ध करा रहे हैं। हमने एक एआई कोस्ट भी बनाया है, इसके माध्यम से seventy five hundred से अधिक डेटा सेट्स और 270 एआई मॉडल्स को नेशनल रिसोर्स के रूप में शेयर किया गया है।

एआई को लेकर भारत की दिशा स्पष्ट है, भारत का विचार स्पष्ट है। एआई पूरी मानवता की भलाई के लिए एक शेयर्ड रिसोर्स है। हमें मिलकर ऐसा एआई फ्यूचर बनाना होगा, जो इनोवेशन को आगे बढ़ाएं, इंक्लूजन को मजबूत करें और ह्यूमन वैल्यूज का समावेश करके आगे बढ़े। जब टेक्नोलॉजी और ह्यूमन ट्रस्ट साथ-साथ चलेंगे, तो एआई का सही इंपैक्ट दुनिया पर दिखेगा। ■

दुनिया से सम्मान तो कांग्रेसी करते अपमान

हेमंत खण्डेलवाल

* दिल्ली में आयोजित एआई समिट संपूर्ण राष्ट्र के लिए गर्व और वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक है।
* इस ऐतिहासिक आयोजन में 100 से अधिक देशों, विश्व की अग्रणी मल्टीनेशनल कंपनियों के सीईओ और 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्षों की भागीदारी भारत की बढ़ती वैश्विक स्वीकार्यता को दर्शाती है।
* आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ देश तकनीकी नवाचार में नई ऊंचाइयों को छू रहा है और वैश्विक मंच पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है।
* एआई के मामले में हमारा देश दुनिया के शिखर पर पहुंचे, आत्मनिर्भर बने और दुनिया को लीड करे, इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी निरंतर प्रयास कर रहे हैं। जिसे दूषित करने का काम कांग्रेस कर रही है।
* जहां कुछ मामलों में विपक्षी दलों को राष्ट्र की अस्मिता का सम्मान करना चाहिए और उसके साथ समझौता नहीं करना चाहिए।
* जिस प्रकार से कांग्रेसियों ने दिल्ली में अर्धनग्न होकर प्रदर्शन किया है, उससे केवल कांग्रेस ही नहीं बल्कि पूरा राष्ट्र शर्मसार हुआ है और इस अर्धनग्न प्रदर्शन के लिए राहुल गांधी जिम्मेदार है।
* प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में जब यह देश सम्मान पाता है और दुनिया भारत के कार्यों की तारीफ करती है। तब-तब कांग्रेस और राहुल गांधी के समर्थक किसी न किसी प्रकार से देश को अपमानित करने का काम करते हैं।
* कांग्रेसियों को अपने इस कृत्य के लिए निश्चित ही राष्ट्र और प्रत्येक नागरिक से माफी मांगनी चाहिए।
* मनरेगा से आगे बढ़कर वीबी जी-रामजी योजना नए स्वरूप और नए नाम के साथ लागू की जा रही है।
* योजना में सभी प्रावधानों में व्यापक बदलाव किए गए हैं।
* इस योजना में ग्रामीणों को सवा सौ दिन का रोजगार उपलब्ध कराने का प्रावधान है।
* छटनी और कृषि के कार्य में किसानों को दिक्कत न आए, इसका विशेष ध्यान रखा गया है।
* वीबीजी-रामजी योजना के कार्यों का निर्णय पंचायत स्तर पर होगा।
* पंचायतों को निर्णय लेने का अधिकार सुनिश्चित किया जाएगा।
* राज्य और केंद्र सरकार मिलकर योजना के क्रियान्वयन में निर्णय लेंगी।
* योजना में राज्य की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित रहेगी।
* राज्य सरकार ने इसके लिए पर्याप्त बजट का प्रावधान किया है।
* पूर्व मनरेगा योजना में रोजगार के अवसर सीमित रहे और ग्रामीण अधोसंरचना में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ।
* नए प्रावधानों में गांव की आवश्यकता के अनुसार कार्य तय किए जाएंगे।
* योजना का उद्देश्य ग्रामीण अधोसंरचना विकास और स्थायी रोजगार सृजन है।
* यह योजना आने वाले समय में हमारे ग्रामीण भारत के भविष्य को बदलने का काम करेगी।

- **वीबी जी-रामजी योजना का विरोध कांग्रेस की संकीर्ण राजनीति का हिस्सा।**
- **दिल्ली में कांग्रेसियों का अर्धनग्न प्रदर्शन, राष्ट्र का अपमान।**
- **प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा को नहीं पचा पा रही कांग्रेस।**
- **कांग्रेस की राजनीति में संकीर्णता, विकास योजनाओं का विरोध उनकी नाकामी को दर्शाता है।**

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है और वैश्विक मंच पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस और राहुल गांधी के समर्थक किसी न किसी तरीके से देश को अपमानित करने का काम कर रहे हैं। कांग्रेस के द्वारा दिल्ली में अर्धनग्न होकर प्रदर्शन करना, न केवल कांग्रेस बल्कि समूचे देश के लिए शर्म की बात है। इस प्रकार के प्रदर्शन से पूरे राष्ट्र का सिर शर्म से झुका है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा को कांग्रेस नहीं पचा पा रही है। यह शर्मनाक प्रदर्शन राहुल गांधी

की राजनीतिक अपरिपक्वता और नेतृत्व की कमी को दर्शाता है। जिस समय देश सम्मान पा रहा था, तब कांग्रेस और राहुल गांधी के समर्थक केवल देश को अपमानित करने में लगे हुए थे। कांग्रेस को इस कृत्य के लिए पूरे राष्ट्र से माफी मांगनी चाहिए।

दिल्ली में आयोजित एआई समिट का आयोजन पूरे राष्ट्र के लिए गर्व का विषय है, जिसमें 100 से अधिक देशों, वैश्विक मल्टीनेशनल कंपनियों के सीईओ और 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्षों की भागीदारी ने भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा को दर्शाया है। इस ऐतिहासिक आयोजन में भारत की नेतृत्व क्षमता और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की झलक मिली है। जहां एक ओर भारत को वैश्विक मंच पर सम्मान मिल रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश जब दुनिया भर से सम्मान प्राप्त करता है, तब कांग्रेस और राहुल गांधी के समर्थक हर बार देश का अपमान करने के लिए कोई न कोई नया कृत्य करते हैं। कांग्रेस को अर्धनग्न प्रदर्शन और उसके पीछे की घृणित राजनीति के लिए देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

कांग्रेस पार्टी देश की सरकारी योजनाओं और विकास के कार्यों के बजाय सिर्फ विरोध और अपमान की राजनीति कर रही है। वीबी जी-रामजी योजना मनरेगा से कहीं आगे बढ़कर ग्रामीण विकास और स्थायी रोजगार के लिए एक ठोस कदम है। अब यह योजना नए स्वरूप और नए नाम के साथ लागू की जा रही है, जिसमें ग्रामीणों को सवा सौ दिन का रोजगार सुनिश्चित किया जाएगा। योजना का संचालन पंचायत स्तर पर होगा, और निर्णय लेने का अधिकार पंचायतों को दिया जाएगा। कांग्रेस को यह समझने की आवश्यकता है कि राज्य और केंद्र सरकार मिलकर विकास योजनाओं का कार्यान्वयन कर रहे हैं, जो ग्रामीण भारत के भविष्य को बदलने का कार्य करेगी। कांग्रेस के नेता केवल विरोध करते हैं और अपनी संकीर्ण राजनीति को आगे बढ़ाते हैं, लेकिन कोई ठोस योगदान नहीं करते। ■

बूथ सशक्त तो संगठन सशक्त - अजय जामवाल

- **निष्ठा और ईमानदारी से बूथ पर पार्टी को मजबूती दें कार्यकर्ता।**
- **केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं को हर घर तक पहुंचाकर जनकल्याण में योगदान करें।**
- **विपक्ष के दुष्प्रचारों का तथ्यों के साथ जवाब दें कार्यकर्ता।**

भाजपा के संगठन की वास्तविक शक्ति बूथ स्तर पर होती है। प्रत्येक कार्यकर्ता का कर्तव्य है कि वह अपने पद का दायित्व पूरी निष्ठा से निभाते हुए बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूत बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाए। आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण का संकल्प तभी साकार होगा, जब कार्यकर्ता अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंच बनाकर कार्य करेंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार एवं मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने के प्रयास तेज किए जाएं। पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाना प्रत्येक कार्यकर्ता की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

भाजपा कार्यकर्ता आधारित दल है और कार्यकर्ताओं का निरंतर प्रशिक्षण संगठन की प्राथमिकता है। प्रशिक्षण कार्यशालाएं कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा, स्पष्ट दिशा और कार्यकुशलता प्रदान करती हैं। 7 अप्रैल से 14 अप्रैल तक मंडल स्तर तथा 15 अप्रैल से 20

मई तक जिला स्तर पर प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। हमें अपने आचरण और व्यवहार से जनता का विश्वास जीतना है। अपनी कमियों को दूर करते हुए सरकार की योजनाओं की सही जानकारी आमजन तक पहुंचानी होगी। कांग्रेस सोशल मीडिया के माध्यम से भ्रामक तथ्यों को प्रचारित कर गलत नैरेटिव बनाने का प्रयास कर रही है। कार्यकर्ताओं को चाहिए कि वे सोशल मीडिया के माध्यम से तथ्यों के साथ विपक्ष के आरोपों का जवाब दें और जनता तक सही जानकारी पहुंचाएं। ■

मध्यप्रदेश के साथ आगे बढ़िए - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

- मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर वस्त्र नगरी भीलवाड़ा में हुआ इन्टरेक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अपॉर्चुनिटिज इन एमपी।
- बड़े निवेश प्रस्तावों पर देंगे बड़ी रियायतें।
- निवेशकों के लिए सशक्त आधार।

मध्यप्रदेश सरकार ने औद्योगिक नीतियों को सरल बनाया है। इससे मध्यप्रदेश में निवेश और उद्योगों की स्थापना में तेजी आई है। राज्य सरकार निवेशकों को विशेष प्रोत्साहन भी प्रदान कर रही है।

मध्यप्रदेश देश के सबसे तेजी से विकास करने वाले राज्यों में अग्रणी बनकर उभरा है। मध्यप्रदेश में निवेश हर मायने में फायदे का सौदा है। देश के दिल से जुड़िए, विकास और अवसरों के केंद्र से जुड़िए।

देश के मध्य में स्थित होने से मध्यप्रदेश व्यापार, उद्योग-धंधों की स्थापना और उत्पादों के निर्यात के लिए एक रणनीतिक केंद्र बनता जा रहा है। प्राकृतिक संसाधन, उद्योग-अनुकूल नीतियां, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और बेहतर शासन-प्रशासन ये सभी कारक निवेशकों के लिए एक आदर्श वातावरण तैयार करते हैं।

मध्यप्रदेश ''अनंत संभावनाओं का अनुपम केंद्र'' है, वीरों की धरती राजस्थान के सभी निवेशकों का हीरों की धरती मध्यप्रदेश में स्वागत है, अभिनंदन है। सदियों से साझा संस्कृति, व्यापार-व्यवसाय और साझा भविष्य का एक अटूट रिश्ता रहा है। आपसी संवाद नई संभावनाओं के विकास-विस्तार और देश की औद्योगिक क्षमता को नई दिशा देने का एक साझा मंच है। भीलवाड़ा की समृद्ध वस्त्र विरासत से जुड़कर मध्यप्रदेश भी अनेकानेक संभावनाओं को तलाश कर बढ़ते हुए राजस्थान के साथ अपनी दीर्घकालिक भागीदारी करना चाहता है। हम सब मिलकर अपनी वणिक युक्ति, बुद्धि और क्षमता से इस क्षेत्र के औद्योगिक विकास का नया अध्याय लिखेंगे।

लंबे समय से मध्यप्रदेश और राजस्थान का सहोदर जैसा रिश्ता रहा है। दोनों राज्यों में सदैव व्यापार की अनुकूलता रही है। पद्म विभूषण से राजस्थान के सम्मानित स्व. श्री घनश्याम दास बिड़ला ने उज्जैन जिले के नागदा में ग्रेसिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड की स्थापना की थी। राजस्थान के मारवाड़ और मेवाड़ के कारोबारियों में व्यापार-व्यवसाय की कुशलता अद्भुत है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश सरकार उद्योग प्रोत्साहन के लिए संकल्पित है। हमारे उद्योगपति जरूरतमंदों को रोजगार उपलब्ध कराते हैं। बदलते दौर में राज्यों के परस्पर संबंध सौहार्द्रपूर्ण हुए हैं। हम सभी को उद्योग-व्यापार के विकास और विस्तार के लिए अनुकूल वातावरण मिला है। मध्यप्रदेश सरकार ने राजस्थान सरकार के साथ सालों से लंबित पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) परियोजना पर समझौता कर दोनों राज्यों के नागरिकों को सुगम जल उपलब्धता की एक नई सौगात दी है। चुनौतियों का सामना करते हुए हम आगे बढ़ने के लिए प्रयास कर रहे हैं। अगर कोई देश प्रतिबंध लगाएगा, तो हम दूसरा रास्ता निकालेंगे। यूरोप के साथ टैक्सटाइल ट्रेड एण्ड बिजनेस को आगे बढ़ाने की अच्छी संभावनाएं हैं।

राज्य के उद्योग विभाग की कमान स्वयं मुख्यमंत्री ने ली है, जिससे प्रदेश में औद्योगीकरण को बढ़ाने में कोई कठिनाई न आए और सभी मुद्दे सरलता के साथ समय रहते हल हो जाएं।

मध्यप्रदेश सरकार ने औद्योगिक नीतियों को सरल बनाया है। इससे मध्यप्रदेश में निवेश और उद्योगों की स्थापना में तेजी आई है। राज्य सरकार निवेशकों को विशेष प्रोत्साहन भी प्रदान कर रही है। राज्य सरकार बड़े निवेश विभिन्न प्रस्तावों पर रियायतें भी दे रही है। हम छोटे-बड़े सभी निवेशकों को अपनी नीतियों से लाभान्वित कर रहे हैं। मध्यप्रदेश में टेक्सटाइल सेक्टर में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। टेक्सटाइल क्षेत्र में देश के सबसे पहले और सबसे बड़े पीएम मित्र पार्क का भूमि-पूजन भी मध्यप्रदेश में हो चुका है। राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के साथ मिलकर हमारी सरकार इस क्षेत्र में और भी आगे बढ़ने के लिए तैयार है। मेवाड़ के निवेशकों को अपना उद्योग व्यवसाय शुरू करने के लिए मध्यप्रदेश आने का आमंत्रण है।

प्रदेश में 18 नई उद्योग-अनुकूल नीतियाँ लागू की गई हैं। विस्तृत लैंड बैंक, भरपूर जल उपलब्धता, कुशल मानव संसाधन, उत्कृष्ट लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी और पारदर्शी प्रशासन निवेश के लिए सर्वोत्तम माहौल प्रदान करते हैं।

मध्यप्रदेश आज ऊर्जा के मामले में

आत्मनिर्भर बन चुका है। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा अर्थात ग्रीन एनर्जी प्रोड्क्शन के मामले में भी मध्यप्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है।

भारत विश्व का विश्वसनीय विकास साझेदार बन रहा है और हमारा मध्यप्रदेश भी इस राष्ट्रीय प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

संगम ग्रुप के चेयरमैन डॉ. एसएन मोदानी ने कहा कि भीलवाड़ा शहर की पहचान टेक्सटाइल इंडस्ट्री और मेन्यूफेक्चरिंग से है। मध्यप्रदेश में निवेश संभावनाओं पर इंटरैक्टिव सेशन में निवेशक विभिन्न सेक्टर्स की विशेषताओं से परिचित होंगे। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) मध्यप्रदेश और राजस्थान सरकार के साथ मिलकर औद्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने का काम कर रही है।

मेवाड़ चेंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव श्री आर.के. जैन ने कहा कि भीलवाड़ा विश्व में टेक्सटाइल सिटी के नाम से विख्यात है। हमारा यह चेंबर वर्ष 2020 से मध्यप्रदेश सरकार के साथ काम कर रहा है। इसी का परिणाम है कि राज्य के सीमावर्ती जिलों जैसे नीमच में उद्योगों को बढ़ावा मिल रहा है। मध्यप्रदेश सरकार ने बहुत अच्छी औद्योगिक नीति तैयार की है। अब यूनिट लगाने के लिए निवेशकों को सिर्फ एक फोन करना होता है और अधिकारियों का सम्पूर्ण सहयोग प्राप्त होता है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग करते हुए कहा कि नीमच के पास एक टेक्निकल टेक्सटाइल पार्क बनाया जाए, इससे निवेशकों को नए अवसरों के साथ क्षेत्रीय जरूरतमंद युवाओं को भी रोजगार का लाभ मिलेगा। ■

मध्यप्रदेश अब ग्रोथ इंजन - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

- **प्रदेश में 900 करोड़ की लागत से बन रहे हैं धार्मिक और सांस्कृतिक लोक।**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'विकास भी, विरासत भी' के कालजयी मंत्र को ध्येय वाक्य मानकर मध्यप्रदेश अपनी सांस्कृतिक पहचान को अक्षुण्ण बनाए रखने की दिशा में एक ऐतिहासिक पथ पर अग्रसर है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जिस सांस्कृतिक पुनर्जागरण का शंखनाद उज्जैन में ''श्री महाकाल लोक'' के लोकार्पण के साथ किया था, वह यात्रा अब एक विराट जन-अभियान का रूप ले चुकी है। प्रदेश की पावन धरा पर लगभग 900 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 20 'लोकों' का निर्माण किया जा रहा है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी गौरवशाली परंपराओं का जीवंत साक्ष्य बनेंगे।

धार्मिक एवं सांस्कृतिक वैभव की इस अविरल यात्रा में वर्तमान में 580 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 17 महत्वपूर्ण धार्मिक एवं सांस्कृतिक लोक पर तीव्र गति से कार्य संचालित है। सागर में 'संत रविदास लोक' 101 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा है। यह हमारी सामाजिक समरसता का प्रतीक है। सीहोर जिले के सलकनपुर में 'देवी लोक' और ओरछा में 'श्रीरामराजा लोक' जैसे भव्य प्रकल्प अपनी पूर्णता के करीब हैं। सरकार की संकल्प शक्ति का ही परिणाम है कि मंदसौर में 'भगवान पशुपतिनाथ लोक परिसर' का कार्य पूर्ण कर उसे जनता को समर्पित किया जा चुका है। साथ ही भोपाल में 'वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप लोक', जानापाव में 'भगवान परशुराम लोक' और महेश्वर में 'देवी अहिल्या संग्रहालय' जैसे प्रकल्पों ने पूर्ण होकर प्रदेश के सांस्कृतिक मानचित्र को और अधिक समृद्ध किया है।

जन-आस्था का सम्मान करते हुए राज्य सरकार ने 315 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से भविष्य में 3 नए लोक और 2 अन्य लोक के द्वितीय चरण को भी मूर्त रूप दिया जायेगा। 'श्री महाकाल लोक' की भव्यता को प्रेरणा मानकर अब ओंकारेश्वर में 'ममलेश्वर लोक' का निर्माण, बैतूल में ताप्ती उद्गम स्थल में 'ताप्ती लोक' और मैहर में 'माँ शारदा लोक' का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। महेश्वर में 110 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला 'देवी अहिल्या लोक' और अमरकंटक में 'माँ नर्मदा लोक' के द्वितीय चरण का निर्माण सनातन संस्कृति के प्रति अटूट श्रद्धा का परिचायक है।

प्रदेश में निर्मित हो रहे धार्मिक और सांस्कृतिक 'लोक' केवल पत्थर और ईंटों के निर्माण मात्र नहीं हैं, अपितु ये मध्यप्रदेश के विकास के नए 'ग्रोथ इंजन' सिद्ध होंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' के विजन को आत्मसात करते हुए ये स्थल पर्यटन के वैश्विक केंद्रों के रूप में उभरेंगे, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अभूतपूर्व अवसर सृजित होंगे। हस्त शिल्पियों से लेकर सेवा क्षेत्र तक, इन लोकों का विकास हर वर्ग के लिए आर्थिक समृद्धि का नया द्वार खोलेगा। आस्था का यह महायज्ञ जहाँ एक ओर हमारी जड़ों को सींच रहा है, वहीं दूसरी ओर प्रदेश को आधुनिकता और आत्मनिर्भरता के पथ पर तेजी से आगे बढ़ा रहा है। ■

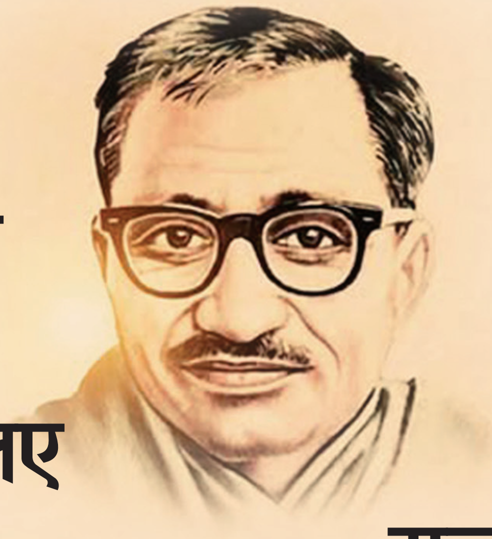

पं. दीनदयाल जी ने गरीब उत्थान के लिए प्रेरित किया

- डॉ. मोहन यादव

- **पं. दीनदयाल उपाध्याय जी ने समाज में समानता के नए सिद्धांत प्रतिपादित किए**
- **भाजपा सरकारें एकात्म मानववाद के सिद्धांतों पर अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए कार्य कर रही हैं।**

आजादी के समय से ही दुनिया में दो विचारधाराओं का प्रभाव रहा। एक तरफ समाजवाद और दूसरी तरफ चीन में माओवाद और उनके समर्थक। अमेरिका और अन्य देशों ने समाजवाद का अलग रूप देखा, लेकिन ऐसे समय में पं. दीनदयाल उपाध्याय जी ने भारतीय संस्कृति और लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर गरीबों के उत्थान और समाज में समानता के नए सिद्धांत प्रतिपादित किए। उन्होंने अमीर और गरीब के बीच भावनात्मक संबंध स्थापित करने और समाज में स्वावलंबन के मार्ग को दिखाने का अद्वितीय कार्य किया। उन्होंने सांस्कृतिक विरासत के साथ सनातन संस्कृति को जोड़कर बेहतर से बेहतर क्या हो सकता है, उसे प्रतिपादित किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश दृढ़ता से खड़ा है और विभिन्न क्षेत्रों में गरीबों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, गैस, रोजगार और स्वावलंबन की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। पार्टी कार्यकर्ता पं. दीनदयाल जी के आदर्शों के अनुरूप समाज सेवा और अंत्योदय के कार्यक्रम चला रहे हैं। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में गरीब व्यक्तियों को निःशुल्क राशन दिया जा रहा है। उच्च शिक्षा से लेकर सैन्य क्षमता तक भारत चहुंओर लगातार प्रगति कर रहा है। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश भारत और विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी भाजपा बेहतर वित्तीय प्रबंधन से गरीबों के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है। स्थानीय स्तर पर व्यवसायियों और जरूरतमंदों को संसाधन उपलब्ध कराकर उनका आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण किया जा रहा है। ▪

अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक मूलभूत सुविधाएं

- हेमंत खण्डेलवाल

- **आजादी के बाद देश को एकजुट करने में पं. दीनदयाल उपाध्याय ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका।**
- **पं. दीनदयाल जी भारत की सांस्कृतिक चेतना, वैचारिक राजनीति के आधार स्तंभ थे।**

पं. दीनदयाल उपाध्याय जी भारतीय जनसंघ की विचारधारा और भारत की सांस्कृतिक चेतना, वैचारिक राजनीति के आधार स्तंभ थे। उनका जीवन राष्ट्रसेवा, सादगी और संगठन, समर्पण का अद्वितीय उदाहरण है। पं. दीनदयाल जी अंत्योदय के प्रणेता एवं हमारी पंचनिष्ठा के सूत्रधार हैं। पं. दीनदयाल जी के सपनों का भारत बनाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं। पं. दीनदयाल जी ने आजादी के बाद देश को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने एकात्म मानववाद के माध्यम से भारतीय विचारधारा को राजनीतिक दर्शन का स्वरूप दिया। पं. दीनदयाल उपाध्याय जी का मानना था कि विकास का केंद्र बिंदु व्यक्ति नहीं, बल्कि समग्र समाज होना चाहिए। आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संतुलन ही सच्चे विकास का आधार है। पं. दीनदयाल जी के ''अंत्योदय'' के सिद्धांत का अनुसरण करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा गांव-गांव में अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, आवास सहित सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। कार्यकर्ताओं को पं. दीनदयाल जी के सिद्धांतों का अनुसरण कर सेवा, समर्पण और संगठन को और अधिक प्राथमिकता देना चाहिए। हम कितने भी विकसित हो जाएं, लेकिन हमारी परंपराओं, विचारधारा, संस्कृति, पद्धतियों को जीवंत रखकर हमेशा उनसे जुड़े रहना चाहिए। ▪

प्रेरणादायक है प्रशिक्षण - डॉ. मोहन यादव

- **प्रशिक्षण हमें अपने गुणों को पहचानने और उन्हें निखारने का अवसर देता है।**
- **हमारी क्षमता और कार्यकर्ता आधारित संगठन की ताकत के बल पर हम और अधिक प्रगति करेंगे।**

पं. दीनदयाल उपाध्याय जी का नाम हमारे लिए सदैव प्रेरणा का स्त्रोत रहेगा। यह प्रशिक्षण हमारे जीवन के हर पहलू में सुधार और विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण हमारे व्यक्तिगत जीवन पर भी गहरा प्रभाव डालता है। जब हम पार्टी के कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं, तो हमें नये दृष्टिकोण मिलते हैं, जो हमारी सोच और निर्णय लेने की क्षमता को बेहतर बनाते हैं। इससे हमारी राय को घर और समाज में भी गंभीरता से लिया जाता है, क्योंकि हम सोच-समझकर, अनुभव से फैसले लेते हैं। हमारे भीतर परमात्मा ने अपार क्षमता दी है, और इसे हम कठिन परिश्रम और सही मार्गदर्शन से जागृत कर सकते हैं। यह प्रशिक्षण हमें अपने अंदर के गुणों को पहचानने और उन्हें निखारने का अवसर देता है। इससे हम जीवन के हर क्षेत्र में प्रगति कर सकते हैं और अपने लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं। यह प्रशिक्षण न केवल एक प्रक्रिया है, बल्कि एक प्रेरणादायक और सुखद अनुभव है, जो हमें आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

बुद्धि से विवेक और विवेक से ज्ञान की ओर बढ़ने की प्रक्रिया हमें अपनी वास्तविक क्षमता को पहचानने और उसे निखारने का अवसर देती है। हमारे अंदर सभी प्रकार की योग्यता और क्षमता है, जो हमें हर चुनौती का सामना करने और उसे पार करने की शक्ति प्रदान करती है। अगर हम अपने समय का मूल्यांकन करें, तो हम देख सकते हैं कि 1951 में जनसंघ के गठन से लेकर आज तक हमारी यात्रा में कितने पड़ाव आए हैं। यह समय हमारे लिए वास्तव में स्वर्णिम काल है। आज हम विशेषकर भारत सरकार की पहलों के माध्यम से हर दिन नए कदम उठाते हुए आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में निर्णय लेने की गति और राष्ट्रीय स्तर पर भारत का मान-सम्मान बढ़ाने के प्रयासों को देखना बहुत प्रेरणादायक है। हमारी पार्टी आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है, लेकिन यह हमारी जिम्मेदारी भी बनती है कि हम अपनी कार्यप्रणाली में निरंतर सुधार करें, ताकि हम न केवल अपनी वोट प्रतिशत बढ़ा सकें, बल्कि समाज के हर वर्ग तक पहुंच सकें। हमारा संगठन और कार्यकर्ताओं की मेहनत ही हमारी जीत का मार्ग प्रशस्त करेगी। हमारी पार्टी कार्यकर्ता आधारित संगठन है, और हमारी सफलता केवल हमारे कार्यकर्ताओं के समर्पण और कड़ी मेहनत पर निर्भर करती है। इस प्रशिक्षण का पूरा लाभ उठाएं, अपनी क्षमताओं को पहचानें, आगामी चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार रहें और संगठन को और मजबूत बनाएं, ताकि हम आने वाले चुनावों में और बड़ी जीत हासिल कर सकें। ■

प्रशिक्षण दायित्व बोध का सशक्त माध्यम - हेमंत खण्डेलवाल

- **प्रशिक्षण और अनुशासन ने भाजपा को सबसे बड़ी व अजेय पार्टी बनाया है।**
- **समाज में अलग छवि बनाए रखने के लिए प्रशिक्षण आवश्यक है।**

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का एकात्म मानववाद हमें सिखाता है कि राजनीति का केंद्र सत्ता नहीं, बल्कि अंतिम पंक्ति में खड़ा व्यक्ति है। इसलिए यह प्रशिक्षण कार्यकर्ताओं में समाज के प्रति संवेदनशीलता और दायित्व बोध जागृत करने का भी सशक्त माध्यम है और वह भी सेवा, समर्पण और समरसता के भाव के साथ। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन हमें एक देश एक विधान के मंत्र को सिखाता है। डॉ. मुखर्जी के इस सपने को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने साकार किया है। यह प्रशिक्षण महाभियान

विचारों की मजबूती प्रशिक्षण से

- अजय जामवाल

- **प्रशिक्षण कार्यकर्ता के व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया, विचारों की मजबूती के लिए आवश्यक।**
- **एकात्म मानववाद की विचारधारा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है।**

भाजपा विधारधारा आधारित दल है। विचारों की मजबूती प्रशिक्षण से आती है, इसलिए पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व ने कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण की कार्य योजना तैयार की है। प्रशिक्षण कार्यकर्ताओं को तरासने की प्रक्रिया है। जो व्यक्ति व कार्यकर्ता सीखता है वह आगे बढ़ता है, जो सीखना बंद कर देता है, उसका आगे बढ़ना भी रूक जाता है। व्यक्ति निर्माण से ही संगठन का निर्माण होता है। यह प्रशिक्षण अभियान कार्यकर्ताओं को विचार, व्यवहार और नेतृत्व तीनों स्तरों पर समृद्ध करेगा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय और एकात्म मानववाद का दर्शन ही भाजपा की कार्यसंस्कृति की आधारशिला है। प्रशिक्षण केवल जानकारी देने का माध्यम नहीं, बल्कि कार्यकर्ता के व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया है। इससे संगठन की कार्यपद्धति में एकरूपता आएगी और सेवा, समर्पण तथा राष्ट्रहित की भावना और अधिक प्रखर होगी। यह महाअभियान भाजपा को बूथ स्तर तक और अधिक संगठित, सक्रिय और प्रभावी बनाएगा।

प्रशिक्षण का नाम पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान रखा गया है। यह प्रशिक्षण महाअभियान कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से सशक्त, अनुशासित और सेवा भाव से ओत-प्रोत बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित 'एकात्म मानववाद' की विचारधारा आज भी भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। प्रशिक्षण महाअभियान के माध्यम से बूथ स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक कार्यकर्ताओं को संगठन की कार्यपद्धति, सरकार की नीतियों और जनसेवा के मूल मंत्र से जोड़ा जा रहा है। यह अभियान केवल प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के संकल्प को सुदृढ़ करने का महायज्ञ है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्र प्रथम की भावना से कार्य करता है और प्रशिक्षण से उसकी क्षमता, दक्षता और वैचारिक स्पष्टता में और वृद्धि होती है। यह महाअभियान संगठन की मजबूती, विस्तार और अंत्योदय के लक्ष्य की प्राप्ति में मील का पत्थर सिद्ध होगा। यह प्रशिक्षण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि भाजपा की आत्मा, उसकी वैचारिक प्रतिबद्धता और उसके कार्यकर्ता निर्माण की निरंतर चलने वाली साधना का अभिन्न अंग है। ▪

कार्यकर्ता को यह स्मरण कराता है कि संगठन व्यक्ति से बड़ा है, और राष्ट्र सर्वोपरि है। प्रशिक्षण प्राप्त कार्यकर्ता समाज का पथ प्रदर्शक बनता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी कहते है कि हम राजनीतिक क्षेत्र में संगठन आधारित राजनीतिक दल हैं। हमारा संगठन कार्यकर्ता आधारित है एवं हमारा कार्यकर्ता विचारधारा आधारित है।

''मन की बात'' कार्यक्रम में मध्यप्रदेश बड़े राज्यों में अग्रणी राज्य है। बूथ स्तर पर ''मन की बात'' कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व वाली केंद्र और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार के बजट के मुख्य बिंदुओं, विषयों और प्रमुख घोषणाओं को जनता को बताना है। कार्यकर्ता भाजपा की डबल इंजन सरकार के बजट के प्रावधानों को जनता तक पहुंचाएं, ताकि जनता को भी यह पता होना चाहिए कि भाजपा सरकारें उनके हितों व कल्याण के लिए कितनी योजनाएं चला रही हैं।

प्रशिक्षण और अनुशासन ने भाजपा को सबसे बड़ी व अजेय पार्टी बनाया है। कार्यकर्ताओं का कार्यकर्ता भाव के कारण ही भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बना है। जनता के बीच समाज में किसी भी राजनीतिक दल का चेहरा उसका कार्यकर्ता होता है। कार्यकर्ता के कार्य व व्यवहार से पार्टी की छवि बनती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं की देशभर में एक अलग छवि है। आज हमारी पार्टी के कार्यकर्ता जहां पहुंचते हैं, लोग उन्हें समाज सेवा व राष्ट्रसेवा के कार्यों से एक विशिष्ट सम्मान से देखते हैं। हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं की समाज में एक विशिष्ट छवि जनता के बीच बनी रहे, इसके लिए समय-समय पर प्रशिक्षण आवश्यक होता है। प्रशिक्षण को विषय केंद्रित रखने के साथ अनुशासन व समय-सीमा का भी पूरा ध्यान रखना है। कार्यकर्ता किसी भी दायित्व में रहें, कार्यकर्ता भाव न छोड़ें। कार्यकर्ता किसी भी दायित्व पर रहें, अपने व्यवहार में परिवर्तन न लाएं, क्योंकि दायित्व एक निश्चित समय के लिए होता है, लेकिन व्यवहार और आचरण ही हमें समाज में विशिष्ट स्थान दिलाता है। प्रशिक्षण वर्ग को पूर्ण निष्ठा, अनुशासन और आत्मचिंतन के साथ आत्मसात करें तथा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के विचारों को अपने आचरण में उतारते हुए संगठन और राष्ट्र सेवा के पथ पर और अधिक दृढ़ता से आगे बढ़ें। ▪

प्रशिक्षण महाअभियान से मिलेंगे नये आयाम - क्षेत्रीय प्रभारी के.सी. पटेल

- **प्रशिक्षण कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा, दिशा और कार्यकुशलता प्रदान करता है।**

पं. दीनदयाल जी का स्पष्ट मत था, व्यक्ति निर्माण के बिना संगठन निर्माण संभव नहीं, संगठन निर्माण के बिना समाज निर्माण संभव नहीं, और समाज निर्माण के बिना राष्ट्र निर्माण संभव नहीं। इसी विचारधारा को आत्मसात करते हुए पार्टी प्रशिक्षण के माध्यम से कार्यकर्ताओं के व्यक्तित्व विकास और वैचारिक सुदृढ़ता पर विशेष बल देती है। पार्टी में प्रशिक्षण हमेशा से संगठनात्मक कार्य का अभिन्न हिस्सा रहा है, और वर्ष 2026 में भी संगठनात्मक प्रशिक्षण गतिविधियाँ निरंतर चलती रहेंगी। प्रशिक्षण महाअभियान से संगठनात्मक मजबूती को नया आयाम मिलेगा। पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत मंडल से लेकर जिला स्तर तक कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा, जिसमें कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा, कार्यपद्धति, नीतियों और जनसेवा के मूल सिद्धांतों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। गुजरात और मध्यप्रदेश सहित विभिन्न राज्यों में पार्टी को लगातार मिल रही जनसमर्थन की सफलता का आधार सशक्त संगठन और प्रशिक्षित कार्यकर्ता हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व से प्रेरित होकर समाज के सभी वर्गों के लोग पार्टी से जुड़ रहे हैं।

प्रशिक्षण कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा, दिशा और कार्यकुशलता प्रदान करता है। हमारा उद्देश्य यह है कि प्रशिक्षण के माध्यम से प्रत्येक कार्यकर्ता तक संगठन की कार्यपद्धति और विचारधारा की स्पष्ट जानकारी पहुंचे, ताकि उनका जुड़ाव हमेशा पार्टी की मूल भावना और राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ बना रहे। 7 अप्रैल से 14 अप्रैल तक मंडल स्तर पर और 15 अप्रैल से 20 मई तक जिला स्तर पर प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यशालाओं में संगठन की कार्यपद्धति, वैचारिक आधार, जनसंपर्क तंत्र और आगामी कार्यक्रमों की रणनीति पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया जाएगा, ताकि बूथ-मंडल से जिला स्तर तक संगठनात्मक मजबूती सुनिश्चित हो सके। ▪

मध्यप्रदेश को आदर्श बनाना है -डॉ. महेन्द्र सिंह

- **मध्यप्रदेश संगठन में आदर्श राज्य है, प्रशिक्षण महाअभियान में भी आदर्श राज्य बनाना है।**

मध्यप्रदेश संगठन के कार्यों में देश का आदर्श राज्य है। मध्यप्रदेश में संगठन पर्व में भी आदर्श स्थापित किया है। मध्यप्रदेश के वर्ष 2023 में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव और वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक सफलता कार्यकर्ताओं के अथक मेहनत व परिश्रम से प्राप्त हुई है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 में भी मध्यप्रदेश को आदर्श राज्य बनाने का भाव लेकर इस कार्य को करना है। स्वदेशी के भाव के साथ स्थानीय भाषा में अगर विषय वस्तु बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं तक रखा जाएगा तो निश्चित ही हमारा मध्यप्रदेश प्रशिक्षण महाअभियान में देश का अग्रणी राज्य बनेगा। हम विचार करते हैं, सीखते हैं और आगे बढ़ते हैं। कार्यकर्ताओं को सतत् आगे बढ़ने के लिए प्रशिक्षण की अवश्यकता होती है। इसी बात को दृष्टिगत रखते हुए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण की रचना की है।

जिला, मंडल और बूथ स्तर तक प्रशिक्षण से कार्यकर्ताओं को देश व समाज की सेवा का पाठ पढ़ाया जाएगा। प्रशिक्षण की धुरी व आत्मा अनुशासन है। प्रशिक्षण महाअभियान की सफलता का पूरा दारोमदार सभी कार्यकर्ताओं पर है। व्यक्ति निर्माण से संगठन निर्माण। संगठन निर्माण से राष्ट्र निर्माण की अवधारणा पर कार्य करते हुए हम सभी कार्यकर्ता कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी कहते हैं कि हम राजनैतिक क्षेत्र में संगठन आधारित दल है। संगठन कार्यकर्ता आधारित है और कार्यकर्ता विचारधारा आधारित है। भाजपा का कार्यकर्ता विचारधारा आधारित है, इसलिए भाजपा विश्व की सबसे बड़ा राजनीतिक दल बना है। हमें इस भाव के साथ समाज और देश की सेवा करना है।

कार्यकर्ता के मन में हमेशा वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य होना चाहिए।

प्रशिक्षण केवल जानकारी देने का माध्यम नहीं, बल्कि कार्यकर्ता के व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया है। इससे संगठन की कार्यपद्धति में एकरूपता आएगी और सेवा, समर्पण तथा राष्ट्रहित की भावना और अधिक प्रखर होगी। पार्टी कार्यकर्ता के मन में हमेशा वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य होना चाहिए। यह प्रशिक्षण महाअभियान कार्यकर्ताओं में वैचारिक स्पष्टता, अनुशासन और कार्यकुशलता को नई दिशा देगा। बूथ स्तर तक सक्रिय और प्रशिक्षित कार्यकर्ता ही संगठन की वास्तविक शक्ति होते हैं। यह महाअभियान कार्यकर्ताओं को पार्टी की रीति-नीति, सेवा कार्यों और जनसंपर्क अभियान से जोड़ते हुए उन्हें अधिक प्रभावी बनाएगा। व्यापक प्रशिक्षण महाअभियान से संगठन और अधिक सुदृढ़ होगा तथा राष्ट्र निर्माण के संकल्प को नई ऊर्जा मिलेगी। यह महाअभियान केवल कार्यक्रमों की श्रृंखला नहीं, बल्कि कार्यकर्ता निर्माण की सतत् प्रक्रिया है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों पर आधारित यह प्रशिक्षण कार्यकर्ताओं को राष्ट्रहित, सामाजिक समरसता और सेवा भाव की दिशा में और अधिक सजग बनाता है। संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता जब विचार से दृढ़ और व्यवहार से विनम्र होगा, तभी भाजपा की शक्ति समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगी। यह महाअभियान संगठनात्मक एकजुटता को और मजबूत करेगा तथा आगामी दायित्वों के निर्वहन में कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा और स्पष्टता प्रदान करेगा। महाअभियान भाजपा को बूथ स्तर तक और अधिक संगठित, सक्रिय और प्रभावी बनाएगा। ■

विकास की रफ्तार तेज - हेमंत खण्डेलवाल

- **संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत बनाने में संभाग व जिला प्रभारियों की अहम् भूमिका।**
- **अपने कार्यों से पारदर्शिता और अनुशासन के उच्च मानदंड स्थापित करें।**

जिला प्रभारी को संगठन के कार्यों को पारदर्शिता, आपसी समन्वय और अनुशासन के साथ करते हुए आदर्श संगठक के उच्च मानदंड स्थापित करना है। आने वाला समय संगठन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिसमें जिला प्रभारी की भूमिका अत्यधिक अहम होगी। अपने प्रभार वाले जिले में नियमित प्रवास करते हुए संगठनात्मक गतिविधियों की सतत् समीक्षा, सप्ताह में कम से कम एक दिन अपने जिले में प्रवास करना और रात्रि विश्राम भी उसी जिले में करना चाहिए। प्रदेश में आगामी समय में लगातार चुनाव होंगे और संगठन तभी सुदृढ़ रहेगा, जब जिला स्तर पर उसका और अधिक मजबूत नेटवर्क होगा। चुनावों के समय संगठन का पूरा फोकस जिले और विधानसभा क्षेत्र पर होता है, इसलिए हर जिम्मेदारी समान रूप से महत्वपूर्ण है। संगठन को सर्वोपरि मानते हुए हमें बूथ से लेकर जिले तक मजबूती के लक्ष्य के साथ कार्य करना होगा। हमारी पार्टी आगामी चुनावों में पुनः सफलता हासिल करेगी, यह हम सब समर्पित कार्यशैली, नियमित प्रवास और मजबूत समन्वय से सुनिश्चित करेंगे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हो रही है। सांसद और विधायक अपने-अपने क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं और जनता के साथ संवाद करते हुए उनकी आवश्यकताओं और सुझावों को प्राथमिकता दे रहे हैं। केंद्र और मध्यप्रदेश की डबल इंजन सरकार के कार्यों से देश और प्रदेश में तेजी से विकास के नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। जिला प्रभारी को नियमित संवाद बनाए रखना चाहिए, ताकि वे स्थानीय समस्याओं और विकास की स्थिति को समझकर सांसद, विधायक और अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर प्रभावी कार्य कर सकें।

पारदर्शिता, अनुशासन और समन्वय के साथ कार्य करने से जनता तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाया जा सकता है। जब सभी स्तरों के पदाधिकारी और प्रतिनिधि मिलकर कार्य करेंगे, तो प्रदेश में विकास की गति और प्रभावशीलता और अधिक बढ़ेगी, जिससे जनता की अपेक्षाओं पर सही तरीके से खरा उतरने में मदद मिलेगी।

पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर 11 सितंबर को प्रदेश में आयोजित कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने के साथ-साथ आजीवन सहयोग निधि पर ध्यान केन्द्रित करें। ■

मजबूती का आधार कार्य विभाजन - अजय जामवाल

- **दायित्वबोध, प्रवास, समन्वय और संवाद से होगा संगठन मजबूत।**
- **केंद्र-राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं।**

संगठन द्वारा सौंपे गए किसी भी दायित्व को प्रभावी ढंग से निभाने के लिए सबसे पहले जिम्मेदारी की स्पष्ट परिभाषा, उसकी भूमिका और संपूर्ण जानकारी का होना आवश्यक है। जिला प्रभारी को अपने प्रभार वाले जिले का भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और संगठनात्मक अध्ययन करते हुए निरंतर प्रवास के माध्यम से आगे बढ़ाना होगा, ताकि सफलता का मार्ग सुनिश्चित हो सके। संगठन की मजबूती का आधार कार्य विभाजन है। कोई भी पदाधिकारी या कार्यकर्ता बिना दायित्व के नहीं रहना चाहिए। मंडल, शक्ति केंद्र और बूथ स्तर तक कार्य और जिम्मेदारी तय होने चाहिए, ताकि संगठन सतत् सक्रिय और परिणामोन्मुख बना रहे।

प्रभारी को कोर ग्रुप, जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और समाज के प्रबुद्धजनों से नियमित संवाद बनाए रखना चाहिए, जिससे संगठन को जमीनी फीडबैक मिलता है और सामाजिक समन्वय मजबूत होता है। कार्यकर्ता मंडल, शक्ति केंद्र और बूथ स्तर तक पार्टी संगठन को और मजबूती देने के लिए सरकार की योजनाओं को हितग्राहियों तक पहुंचाने का कार्य करें।

हमें सभी को साथ लेकर चलना है। संगठन की सफलता के लिए केवल कार्यकर्ताओं को ही नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़ने का प्रयास हमारा होना चाहिए। आम जन से संवाद स्थापित कर उन्हें साथ लाने की कोशिश संगठनात्मक परिपक्वता का परिचायक है। जिले के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन और सहयोग संगठन की मजबूती की नींव रही है। ''मेरा बूथ सबसे मजबूत'' और ''बूथ जीता तो चुनाव जीता'' यह केवल नारा नहीं, बल्कि संगठन की कार्यनीति है। इसलिए बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय, जिम्मेदार और संगठित करना अनिवार्य है। केंद्र और राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंचाकर उन्हें संगठन से जोड़ना हमारी जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 2047 तक के ''विकसित भारत'' के लक्ष्य को आधार मानते हुए संगठन को और अधिक अनुशासित, सकारात्मक, समरस और संवादशील बनाना है।

सभी का पवित्र कर्तव्य है कि प्रधानमंत्री जी के ''विकसित भारत'' के इस महान लक्ष्य को साकार करने में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ योगदान दें। पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता और नागरिक कर्तव्यों जैसे विषयों को भी संगठनात्मक विमर्श का हिस्सा बनाना चाहिए। ▪

'मन की बात' में भारत की प्रगति उजागर

- भारतीय जहां भी जाते हैं, वे अपनी मातृभूमि की जड़ों से जुड़े रहते हैं और अपनी कर्मभूमि, यानी जिस देश में वे रहते और काम करते हैं, उसके विकास में योगदान देते हैं।

- आजकल भारत में अंगदान के बारे में जागरूकता लगातार बढ़ रही है। इससे उन लोगों की मदद हो रही है जिन्हें इसकी जरूरत है।

- आज देश गुलामी की निशानियों को पीछे छोड़ रहा है और भारतीय संस्कृति से जुड़ी निशानियों को महत्व देने लगा है।

- 'राजाजी उत्सव' (23 फरवरी) के अवसर पर, राष्ट्रपति भवन के केन्द्रीय प्रांगण में सी. राजगोपालाचारी की प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा।

- आजकल पेंशन, सब्सिडी, इंश्योरेंस, UPI, सब कुछ बैंक अकाउंट से जुड़ा हुआ है।

- OTP, आधार नंबर या बैंक अकाउंट की जानकारी किसी के साथ शेयर न करें। और सबसे जरूरी बात, समय-समय पर अपना पासवर्ड बदलते रहें।

- हमारे किसान अब सिर्फ प्रोडक्शन पर ही नहीं, बल्कि क्वालिटी, वैल्यू एडिशन और नए मार्केट पर भी ध्यान दे रहे हैं।

- चाहे महाकुंभ हो या केरल कुंभ, यह केवल स्नान का पर्व नहीं है। यह स्मृति का जागरण है।

- उत्तर से दक्षिण तक, नदियां भले अलग हों, किनारे भले अलग हों, पर आस्था की धारा एक ही है - यही भारत है।

कई देशों के लीडर, इंडस्ट्री लीडर, इनोवेटर और स्टार्ट-अप सेक्टर से जुड़े लोग AI इम्पैक्ट समिट के लिए भारत मंडपम में एक साथ आए।

इम्पैक्ट समिट में, दुनिया को AI के क्षेत्र में भारत की अद्भुत क्षमताएं देखने को मिलीं।

- अम्मा जयललिता का जिक्र होते ही, तमिलनाडु के लोगों के चेहरे खिल उठते हैं। हमारी नारी शक्ति का जुड़ाव तो उनसे और विशेष रहा है।

'मन की बात' देश और देशवासियों की उपलब्धियों को सामने लाने का एक मजबूत प्लेटफॉर्म है। देश ने ऐसी ही उपलब्धि, अभी दिल्ली में हुई Global AI Impact Summit के दौरान देखी। कई देशों के नेता, उद्योग जगत के leaders, Innovators और Start-Up sector से जुड़े लोग, AI Impact Summit के लिये भारत मंडपम में एकत्र हुए। आने वाले समय में AI की शक्ति का उपयोग दुनिया किस प्रकार करेगी, इस दिशा में यह summit एक turning point साबित हुई है।

Summit में मुझे World Leaders और Tech CEOs से मिलने का भी अवसर मिला। AI summit की exhibition में मैंने World Leaders को ढेर सारी चीजें दिखाई। मैं दो बातों का विशेष रूप से उल्लेख करना चाहता हूँ। Summit में इन दो products ने दुनिया भर के leaders को बहुत प्रभावित किया।

पहला- product अमूल के booth पर था। इसमें बताया गया कि कैसे AI जानवरों का इलाज करने में हमारी मदद कर रही है और कैसे 2437 AI assistance की मदद से किसान अपनी डेयरी और जानवर का हिसाब रखते हैं।

दूसरा- product हमारी संस्कृति से संबंधित था। दुनिया भर के leaders ये देखकर

हैरत में पड़ गए कि कैसे AI की मदद से हम हमारे प्राचीन ग्रंथों को, हमारे प्राचीन ज्ञान को, हमारी पांडुलिपियों को संरक्षित कर रहे हैं, आज की generation के अनुरूप ढाल रहे हैं।

Exhibition के दौरान display के लिये सुश्रुत संहिता का चयन किया गया। पहले step में दिखाया गया कि कैसे technology की मदद से हम पांडुलिपियों की image quality सुधारकर उन्हें पढ़ने लायक बना रहे हैं। Second step में इस image को मशीन के पढ़ने लायक text में बदला गया। अगले step में machine-readable text को एक AI अवतार ने पढ़ा। और फिर, अगले step में हमने ये भी दिखाया कि कैसे technology से ये अनमोल भारतीय ज्ञान Indian languages और विदेशी भाषाओं में translate किया जा सकता है। भारत के प्राचीन ज्ञान को आधुनिक अवतार के माध्यम से जानने में World Leaders ने बहुत दिलचस्पी दिखाई।

इस summit में दुनिया को AI के क्षेत्र में भारत की अद्भुत क्षमताएँ देखने को मिली हैं। इस दौरान भारत ने तीन Made In India AI Model भी launch किए। यह अपने आप में अब तक की सबसे बड़ी AI summit रही है। इस summit को लेकर युवाओं का जोश और उत्साह देखते ही बन रहा था।

मैं अक्सर कहता हूँ 'जो खेले-वो खिले'। खेल हमें जोड़ता भी है। आजकल आप T-20 world cup के मैच देख रहे होंगे। और मुझे पक्का विश्वास है कि मैच देखते हुए कई बार आँखें किसी खास खिलाड़ी पर टिक जाती होंगी। Jersey किसी और देश की होती है लेकिन नाम सुनकर लगता है कि अरे, ये तो अपने देश का है। तब दिल के किसी कोने में एक हल्की सी खुशी आती है। क्योंकि वो खिलाड़ी भारतीय मूल का होता है और वो उस देश के लिये खेल रहा होता है जहां उसका परिवार बस गया है। वे अपने-अपने देशों की jersey पहनकर मैदान में उतरते हैं, पूरे मन से उस देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। Canada की टीम में सबसे ज्यादा भारतीय मूल के खिलाड़ी हैं। टीम के कप्तान दिलप्रीत बाजवा का जन्म पंजाब के गुरदासपुर में हुआ था। नवनीत धालीवाल चंडीगढ़ के हैं। इस list में हर्ष ठाकर, श्रेयस मोवा जैसे कई नाम हैं, जो Canada के साथ-साथ भारत का भी गौरव बढ़ा रहे हैं। America की टीम में कई चेहरे भारत के घरेलू क्रिकेट से निकले हुए हैं। अमेरिकी टीम के कप्तान मोनांक पटेल गुजरात की under-16 और under-18 टीम के लिये भी खेल चुके हैं। मुंबई के सौरभ, हरमीत सिंह, दिल्ली के मिलिंद कुमार, ये सब अमेरिकी टीम की शान हैं। Oman की टीम में आज कई चेहरे हैं जो पहले भारत के अलग-अलग राज्यों में खेल चुके हैं। जतिंदर सिंह, विनायक शुक्ला, करन, जय, आशीष जैसे खिलाड़ी Oman क्रिकेट की मजबूत कड़ी हैं। New Zealand, UAE और Italy की टीमों में भी भारतीय मूल के खिलाड़ी अपनी जगह बना रहे हैं। ऐसे कितने ही भारतीय मूल के खिलाड़ी हैं जो अपने देश का गौरव बढ़ा रहे हैं। वहाँ के युवाओं के लिये प्रेरणा बन रहे हैं। भारतीयता की यही तो विशेषता है। भारतीय जहां भी जाते हैं अपनी मातृभूमि की जड़ों से जुड़े रहते हैं। और अपनी कर्मभूमि यानि जिस देश में रहते हैं उसके विकास में भी सहयोग करते हैं।

किसी भी माता-पिता के लिए अपने बच्चे को खोने से बड़ा दुःख कुछ और हो ही नहीं सकता। छोटे से बच्चे को खोने का दुख तो और भी गहरा होता है। कुछ ही दिन पहले हमने केरला की एक नन्ही मासूम आलिन शेरिन अब्राहम को खो दिया है। महज 10 महीनों में वो इस दुनिया से चली गई। कल्पना कीजिए- उसके सामने पूरी जिंदगी थी, जो अचानक खत्म हो गई। कितने ही सपने और खुशियां अधूरी रह गई। उसके parents जिस पीड़ा से गुजर रहे होंगे, उसे शब्दों से व्यक्त नहीं किया जा सकता है। लेकिन इतने गहरे दर्द के बीच भी आलिन के पिता अरुण अब्राहम और माँ शेरिन ने एक ऐसा फैसला लिया, जिससे हर देशवासी का हृदय उनके प्रति सम्मान से भर गया है। उन्होंने आलिन के अंगदान का फैसला किया। इस एक फैसले से पता चलता है कि उनकी सोच कितनी बड़ी है और व्यक्तित्व कितना विशाल। एक तरफ वे अपनी बच्ची को खोने के शोक में डूबे थे, तो वहीं दूसरों की मदद का भाव भी उनमें भरा था। वे चाहते थे कि किसी भी परिवार को ऐसा दिन देखना ना पड़े। आलिन शेरिन अब्राहम आज हमारे बीच नहीं है, लेकिन उसका नाम देश के कम उम्र की organ donors में जुड़ गया है।

इन दिनों भारत में organ donation को लेकर जागरूकता लगातार बढ़ रही है। इससे उन लोगों की मदद हो रही है, जिन्हें इसकी जरूरत है। इसके साथ ही देश में medical research को भी बल मिल रहा है। इस दिशा में कई संस्थाएँ और लोग असाधारण कार्य कर रहे हैं।

केरला की आलिन की तरह ही ऐसे बहुत से लोग हैं जिन्होंने organ donation के जरिए, किसी को दूसरा जीवन दिया है। जैसे दिल्ली की लक्ष्मी देवी जी हैं। उन्होंने बीते वर्ष केदारनाथ की यात्रा की। इसके लिए उन्हें 14 किलोमीटर की ट्रैकिंग करनी पड़ी। आपको ये जानकर हैरानी होगी कि उन्होंने यह यात्रा heart transplant के बाद की। उनका heart केवल 15 प्रतिशत ही काम कर रहा था। ऐसे में उन्हें एक donor का heart मिला, जिसकी मृत्यु हो गई थी। इसके बाद तो उनका जीवन ही बदल गया। पश्चिम बंगाल के गौरांग बनर्जी दो बार नाथू-ला गए हैं। ये समुद्र तल से 14 हजार फीट की ऊंचाई पर है। और खास बात ये है कि उन्होंने यह उपलब्धि lung transplant के बाद हासिल की । राजस्थान में सीकर के रामदेव सिंह जी को kidney transplant कराना पड़ा था। आज वे sporting activity में कमाल कर रहे हैं ।

आपको इस तरह के बहुत से प्रेरक उदाहरण देखने को मिल जाएंगे। इससे ये बात फिर साबित होती है कि किसी एक की नेक पहल, ना जाने कितने लोगों की जिंदगी बदल सकती है। मैं उन सभी लोगों की हृदय से सराहना करता हूं, जिन्होंने ऐसे नेक कार्य किए हैं।

आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान मैंने लाल किले से पंच प्राणों की बात कही थी। उनमें से एक है, गुलामी की मानसिकता से मुक्ति। आज देश गुलामी के प्रतीकों को पीछे छोड़कर भारत की संस्कृति से जुड़ी चीजों को महत्व देने लगा है। इस दिशा में हमारे राष्ट्रपति भवन ने भी एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। 23 फरवरी को राष्ट्रपति भवन में 'राजाजी उत्सव' मनाया जाएगा। इस अवसर पर राष्ट्रपति भवन के केन्द्रीय प्रांगण में सी. राजगोपालाचारी जी की प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा। वे स्वतंत्र भारत के पहले भारतीय गवर्नर जनरल थे। वे उन लोगों में थे, जिन्होंने सत्ता को पद की तरह नहीं, सेवा की तरह देखा। सार्वजनिक जीवन में उनका आचरण, आत्मसंयम और स्वतंत्र चिंतन, आज भी हमें प्रेरित करता है। दुर्भाग्य से, आजादी के बाद भी राष्ट्रपति भवन में ब्रिटिश प्रशासकों की मूर्तियां तो लगी रहने दी गईं, लेकिन देश के महान सपूतों को जगह नहीं दी गई। British architect Edwin Lutyens की प्रतिमा भी राष्ट्रपति भवन में लगी हुई थी। अब इस प्रतिमा के स्थान पर राजाजी की प्रतिमा लगाई जाएगी। राजाजी उत्सव के

दौरान राजगोपालाचारी जी पर आधारित प्रदर्शनी भी लगेगी। ये प्रदर्शनी 24 फरवरी से 1 मार्च तक चलेगी। मौका निकालकर आप भी इसे देखने जरूर जाइएगा।

'मन की बात' में, मैंने आपसे Digital Arrest पर विस्तार से बात की है। इसके बाद देश में Digital Arrest और Digital Fraud को लेकर हमारे समाज में काफी जागरूकता आई, लेकिन अभी भी हमारे आसपास ऐसी घटनाएं हो रही हैं, जो अक्षम्य हैं। निर्दोष लोगों को Digital Arrest और Financial Fraud का निशाना बनाया जा रहा है। कई बार पता चलता है कि किसी Senior Citizen की जीवनभर की कमाई ठग ली गई। कभी किसी से उन पैसों की ठगी हो जाती है, जो उसने बच्चों की फीस जमा करने के लिए बचाए थे। कारोबारियों से धोखाधड़ी की खबरें भी हमें देखने को मिलती हैं। कोई फोन करता है और कहता है - मैं एक बड़ा अधिकारी हूं। आपको कुछ details share करनी होंगी। इसके बाद भोले-भाले लोग ऐसा ही कर बैठते हैं। इसीलिए, आपका सतर्क रहना, जागरूक रहना बेहद जरूरी है।

आप सभी KYC – Know Your Customer यानि अपने ग्राहक को जानें, इस process को तो जानते ही होंगे। कभी-कभी, जब आपको आपके बैंक से KYC update या re-KYC करवाने के message आते हैं, तो मन में सवाल उठता है- मैंने तो पहले ही KYC करवा रखी है, तो ये फिर क्यों? मेरा आपसे आग्रह है, झुंझलाइए नहीं, ये आपके पैसे की सुरक्षा के लिए ही है। हम सभी जानते हैं कि आजकल pension, subsidy, बीमा, UPI सब कुछ बैंक खाते से जुड़ा है। इसी वजह से बैंक समय-समय पर re-KYC करते हैं, ताकि आपका bank account सुरक्षित रहे। हां, इसमें भी आपको एक बात याद रखनी है। जो अपराधी हैं, वो फर्जी call करते हैं, SMS और link भेजते हैं। इसीलिए हमें सतर्क रहना है और ऐसे धोखेबाजों के झांसे में नहीं आना है। KYC या re-KYC केवल अपने बैंक की शाखा या आधिकारिक App और authorised medium से ही कराएं। OTP, आधार नंबर या बैंक खाते संबंधी जानकारी किसी को भी न दें और सबसे अहम बात, अपने password को समय-समय पर जरूर बदलते रहें। जैसे हर मौसम के साथ खान-पान बदल जाता है, पहनावा भी बदल जाता है, वैसे ही नियम बना लीजिए कि हर कुछ दिन में आपको अपना password भी बदल लेना है।

हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ने इन्हीं विषयों पर वित्तीय साक्षरता सप्ताह का आयोजन किया था। वित्तीय साक्षरता का ये अभियान अब पूरे वर्ष जारी रहेगा। इसलिए भारतीय रिजर्व बैंक के message का ध्यान रखें और अपनी KYC updated रखें।

याद रखिए -सही KYC, समय पर re-KYC करें खाता सुरक्षित,बनें सशक्त नागरिक,

क्योंकि सशक्त नागरिकों से ही बनता है मजबूत और आत्मनिर्भर भारत।

हमारे किसान केवल अन्नदाता नहीं हैं। वे धरती के सच्चे साधक हैं। मिट्टी को सोना बनाना क्या होता है, ये कोई हमारे किसानों से सीखे और हमारा आज का किसान तो परंपरा और technology, दोनों को साथ लेकर चल रहा है और मुझे ये देखकर खुशी होती है कि हमारे किसान अब सिर्फ उत्पादन नहीं, बल्कि गुणवत्ता, value addition और नए बाजारों पर भी ध्यान दे रहे हैं। ओडिशा में हिरोद पटेल नाम के एक युवा किसान से जुड़ी जानकारी वाकई बहुत प्रेरक है। करीब आठ साल पहले तक वे अपने पिता शिव शंकर पटेल के साथ पारंपरिक ढंग से धान की खेती करते थे लेकिन उन्होंने खेती को नए नजरिये से देखना शुरू किया। अपने खेत के तालाब के ऊपर उन्होंने मजबूत जालीदार ढांचा बनाया। उस पर बेल वाली सब्जियां उगाई, तालाब के चारों ओर केले, अमरूद और नारियल लगाए और तालाब में मछली पालन भी शुरू किया। यानि एक ही जगह - पारंपरिक खेती भी हो रही है, सब्जी भी, फल भी, मछली भी। इससे जमीन का बेहतर उपयोग हुआ, पानी की बचत हुई और अतिरिक्त आमदनी भी मिली। आज दूर-दूर से किसान उनका model देखने आते हैं।

केरला के त्रिसूर जिले में एक गांव ऐसा है, जहां एक ही खेत में 570 तरह की धान की किस्में लगाई जाती हैं। इसमें स्थानीय किस्में भी हैं, हर्बल किस्में भी हैं और दूसरे राज्यों से लाई गई प्रजातियां भी हैं। ये केवल खेती नहीं, बीजों की विरासत को बचाने का महा अभियान है। हमारे किसानों की मेहनत का असर आंकड़ों में भी दिख रहा है। भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा चावल उत्पादक देश बन चुका है। 15 करोड़ टन से अधिक चावल का उत्पादन, ये छोटी उपलब्धि नहीं है। हम अपनी जरूरतें पूरी कर रहे हैं और दुनिया की food basket में योगदान भी दे रहे हैं।

अब तो कृषि उत्पाद हवाई मार्ग से भी ज्यादा आसानी से विदेश पहुंच रहे हैं। कर्नाटका के नंजनगुड केले, मैसूरु पान के पत्ते और इंडी नींबू को मालदीव भेजा गया। ये उत्पाद अपने स्वाद और गुणवत्ता के लिए जाने जाते हैं और इन्हें GI टैग भी मिला है। आज का किसान quality भी चाहता है, quantity भी बढ़ा रहा है और अपनी पहचान भी बना रहा है।

पिछले वर्ष, इसी समय महाकुंभ की अद्भुत तस्वीरें आपको जरूर याद होंगी। संगम के तट पर उमड़ता जनसागर, आस्था का अथाह प्रवाह और स्नान के उस पावन क्षण में, जैसे भारत अपनी सनातन चेतना से साक्षात्कार कर रहा था। महाकुंभ की वही धारा, वही माघ का महीना, वही श्रद्धा का स्वर, जब उत्तर से दक्षिण की ओर बढ़ता है, तो एक नई पहचान ले लेता है।

केरला की धरती पर, भारतप्पुझा नदी के किनारे तिरुनावाया में सदियों पुरानी एक परंपरा रही है -मामंगम। इसे कई लोग महा माघ महोत्सव या केरला कुम्भ भी कहते हैं। माघ

के महीने में पवित्र नदी में स्नान और उस क्षण को जीवन का अमिट स्मरण बना लेना, यही इसकी आत्मा है। समय के साथ यह परंपरा जैसे ओझल हो गई थी। करीब ढाई-सौ वर्षों तक यह आयोजन उसी भव्यता में नहीं हुआ था जैसे पहले हुआ करता था। लेकिन आज अपनी विरासत को फिर से पहचान रहे हमारे देश में इतिहास ने फिर करवट ली है। इस बार बिना किसी बड़ी घोषणा के केरला कुम्भ का सफल आयोजन हुआ। लोगों ने इसके बारे में एक ने दूसरे को बताया, कानों-कान बात पहुँचती गई और देखते ही देखते श्रद्धालु तिरुनावाया पहुँचने लगे।

महाकुंभ हो या केरला कुंभ, यह केवल स्नान का पर्व नहीं है। यह स्मृति का जागरण है। यह संस्कृति का पुनरस्मरण है। उत्तर से दक्षिण तक, नदियां भले अलग हों, किनारे भले अलग हों, पर आस्था की धारा एक ही है - यही भारत है।

हमारे देश में ऐसे लोग हमेशा जनता के दिलों में बसे रहते हैं जिन्होंने समाज के कल्याण के लिए काम किया होता है, जिन्होंने अपने नेक कार्यों में जनता को प्राथमिकता दी होती है। अम्मा जयललिता जी, ऐसी ही एक लोकप्रिय लीडर थीं। 24 फरवरी उनके जन्मदिन का अवसर होता है। तमिलनाडु के लोगों का उनसे लगाव कितना गहरा था, यह मुझे आज भी राज्य के दौरे में दिखता है। अम्मा जयललिता जी का जिक्र होते ही, तमिलनाडु के लोगों के चेहरे खिल उठते हैं। हमारी नारी शक्ति का जुड़ाव तो उनसे और विशेष रहा है। ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि सरकार में रहते हुए उन्होंने माताओं-बहनों और बेटियों के लिए कई सराहनीय प्रयास किये। राज्य में कानून-व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए भी उन्होंने बहुत ठोस कदम उठाए थे। देशभक्ति की भावना उनमें कूट-कूट कर भरी थी। इसके साथ ही भारत की सांस्कृतिक विरासत पर उन्हें बहुत गर्व था। अम्मा जयललिता जी के साथ हुई हर मुलाकात, हर प्रकार की बातचीत मेरे मन में आज भी ताजा है। वे गुजरात में 2002 और 2012 में हुए मेरे दो शपथ ग्रहण समारोह में भी शामिल हुई थीं। जब हम दोनों अपने-अपने राज्य में मुख्यमंत्री थे, तब good governance जैसे विषयों पर अक्सर हमारे बीच बातचीत होती रहती थी। उनकी सोच बिल्कुल स्पष्ट थी और विचार बेहद सुलझे हुए। यह उनकी एक बड़ी खासियत थी। कई

वर्ष पहले उन्होंने पोंगल के पावन अवसर पर मुझे lunch के लिए चेन्नई आमंत्रित किया था। स्नेह से भरा उनका वो भाव मेरे लिए अविस्मरणीय रहेगा। एक बार फिर मैं उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

जयललिता अवरगलक्क ,
येन निनैवाजंलि-गल,
समुदायत्तिर्कु,
अवर आट्रिय सेवै येंड्रूम निनैविल इरुक्कुम।
(My tributes to Jayalalitha,
Her services to the people will always be remembered.)

अब मैं बात करूंगा अपने प्यारे, छोटे होनहार बच्चों से, उन बच्चों से जिनका इस समय exam चल रहा है। मुझे उम्मीद है, आपने इस महीने की शुरुआत में 'परीक्षा पे चर्चा' देखी होगी और आपको उससे कुछ सीखने को भी मिला होगा। लेकिन, मैं फिर भी पूछूँगा पढ़ाई की ज्यादा tension तो नहीं ले रहे हैं न आप?

आप तो exam warriors हैं। मुझे विश्वास है, आप सभी पूरे मन से इम्तिहान की तैयारियों में लगे होंगे। हाँ, ऐसे समय में मन में थोड़ी शंका आना भी स्वाभाविक है। कभी लगता है, सब याद रहेगा या नहीं रहेगा। कभी लगता है, समय कम तो नहीं पड़ जाएगा ना! ये भाव हर पीढ़ी के बच्चों ने महसूस किए हैं, आप अकेले नहीं हैं। आप याद रखिए, आपका मूल्य आपकी mark sheet से तय नहीं होता। इसलिए खुद पर भरोसा रखिए। जो पढ़ा है, उसे पूरे मन से लिखिए। और जो नहीं आया, उस एक सवाल को अपने मन पर हावी मत होने दीजिए। और एक बात, अपने माता-पिता और शिक्षकों से बात करते रहिए। वे आपके नंबरों से नहीं, आपके प्रयास से आपकी पहचान करते हैं, वो आपकी मेहनत से खुश रहते हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि आप परीक्षा में भी सफल होंगे और अपने जीवन में भी सफलता की नई ऊंचाई प्राप्त करेंगे।

इन दिनों रमजान चल रहा है। मैं इस पवित्र महीने के लिए सभी को शुभकामनाएं देता हूँ। कुछ ही दिनों बाद होली का पर्व भी आ रहा है। यानि रंग, गुलाल और हंसी-खुशी से भरा समय दस्तक देने वाला है। आप सभी अपने परिवार और अपनों के साथ खुशी के साथ सारे त्योहार मनाएं। और हाँ, कुछ मंत्र हमेशा याद रखें, जैसे vocal for local. हमारे होली के त्योहारों में या अन्य कोई भी त्योहार में अनेक ऐसे साजो-सामान घुस गए हैं, जो विदेशी हैं। इन्हें त्योहारों से दूर रखिए, होली से भी दूर रखिए, स्वदेशी अपनाइये। जब आप स्वदेशी खरीदते हैं तो देश को आत्मनिर्भर बनाने के अभियान में भी मदद करते हैं।

मुझे हर महीने 'मन की बात' के लिए आपके ढेरों सुझाव मिलते हैं। आपके भेजे गए संदेशों से हमें देश के कोने-कोने में छिपी अद्‌भुत प्रतिभाओं के बारे में पता चलता है। निजी स्वार्थ से उठकर समाज के लिए कुछ करने की अनेक प्रेरणादायी गाथाएं आपके माध्यम से देशभर के लोगों तक पहुंची हैं। आप ऐसे ही अपने प्रयास जारी रखें। मुझे आपके संदेशों का इंतजार रहेगा। मैं एक बार फिर आपको और आपके परिवार को आने वाले त्योहारों की अनेक-अनेक शुभकामनाएं देता हूँ। ▪

'मन की बात' कार्यक्रम एकजुट करता है - डॉ. मोहन यादव

प्रधानमंत्री जी के 'मन की बात' कार्यक्रम आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम।

'मन की बात' कार्यक्रम जमीनी स्तर के नवाचारों को राष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने का एक बेहतरीन उदाहरण है। प्रधानमंत्री जी के विचारों ने न केवल कृषि, डेयरी और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया, बल्कि विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को भी बढ़ाया है। प्रधानमंत्री जी का 'मन की बात' कार्यक्रम आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो पूरे देश को एकजुट करता है। उन्होंने केरल के उस प्रेरणादायक उदाहरण का उल्लेख किया, जहां एक नवजात बच्चे ने अपनी एक वर्ष से कम आयु में अपने अंग दान किए। इस प्रकार के उदाहरणों से देशवासियों में एक नई प्रेरणा का संचार हुआ है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का दृष्टिकोण हमेशा राष्ट्र की समग्रता के लिए होता है, और उन्होंने हमेशा एकता, उदारता और राष्ट्रहित की बात की है। प्रधानमंत्री जी का विजन हमें यह सिखाता है कि हम हमेशा राष्ट्र के हित में काम करें और राजनीति से ऊपर उठकर सोचें। उनका यह 10-11 वर्षों से निरंतर चल रहा कार्यक्रम न केवल हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है, बल्कि यह हमें हमारी जिम्मेदारियों को सही तरीके से निभाने की दिशा भी दिखाता है ▪।

प्रधानमंत्री जी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और प्राचीन ज्ञान के संरक्षण पर दिया जोर - हेमंत खण्डेलवाल

'मन की बात' कार्यक्रम प्रेरणादायक और सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का 'मन की बात' कार्यक्रम संवाद के साथ-साथ सकारात्मक परिवर्तन का प्रभावी और प्रेरणादायक माध्यम बन गया है। प्रधानमंत्री जी ने एआई समिट का उल्लेख करते हुए कहा कि एआई पशुपालन और डेयरी प्रबंधन में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। उन्होंने इस क्षेत्र में नवाचारों को बढ़ावा देने और तकनीकी विकास को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने भारतीय पांडुलिपियों और प्राचीन ज्ञान के संरक्षण में आधुनिक तकनीक की भूमिका को भी अत्यधिक महत्वपूर्ण बताते हुए अपनी ऐतिहासिक धरोहर को बचाने के लिए तकनीकी उपायों को अपनाने की बात की तथा होली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए वोकल फॉर लोकल अभियान को जनभागीदारी का आंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने से न केवल आत्मनिर्भर भारत की दिशा में कदम बढ़ेंगे, बल्कि यह स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को भी प्रोत्साहित करेगा। प्रधानमंत्री जी ने बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों का हौंसला बढ़ाया। प्रधानमंत्री जी के विचारों से देशवासियों में आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को और मजबूती मिली है, जो राष्ट्र निर्माण और सांस्कृतिक गौरव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ▪

परीक्षा की तैयारी मेहनत से करें - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

आज के विद्यार्थी ही देश का भविष्य हैं। देश की बागडोर आगे चलकर इन्हें ही संभालनी है। इसलिए सभी विद्यार्थी अपने कौशल, ज्ञान और प्रदर्शन में निरंतर सुधार कर खुद को निखारें। परीक्षा की तैयारी पूरी मेहनत और लगन से करें, तनाव बिल्कुल भी न लें। परीक्षा हमारे जीवन का एक पड़ाव मात्र है, अंतिम लक्ष्य नहीं। मेहनत करना आपकी आदत में होना चाहिए, लेकिन तनाव को खुद पर हावी न होने दें। विद्यार्थियों के लिए परीक्षा के वक्त आत्मविश्वास, अनुशासन और संतुलित दिनचर्या ही सफलता की अंतिम कुंजी है। स्वयं पर सदैव विश्वास बनाए रखें, किसी बात से डरकर नहीं, डटकर आगे बढ़िए और अपने सभी सपनों को साकार कीजिए।

विद्यार्थियों बेहतर तैयारी के लिये प्रयासरत रहें।

सभी विद्यार्थियों को परीक्षा के समय खुद को तनाव से दूर रखते हुए निरंतर भरपूर मेहनत करने और जितना भी हो सके, अच्छे अंक लाने का प्रयास करना चाहिए। विद्यार्थियों को समय प्रबंधन, नियमित अभ्यास और किसी भी हालात में खुद पर विश्वास बनाए रखना आवश्यक है। असफलता से घबराने की बजाए उससे सीख लेकर आगे बढ़ना ही एक सशक्त व्यक्तित्व की पहचान है। सरकार शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए हरसंभव कोशिश कर रही है।

परीक्षा के समय सभी विद्यार्थी पर्याप्त नींद लें। पढ़ाई का एक शेड्यूल निर्धारित करें। किसी विषय के अध्ययन के बाद उस पर चिंतन-मनन की आदत डालें। केवल अक्षर ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है। विद्यार्थियों को अपने मित्रों और शिक्षकों के साथ पाठ्यक्रम के विषयों पर चर्चा करनी चाहिए। माता-पिता और बच्चों के बीच परस्पर संवाद होते रहना चाहिए। रेगुलर तैयारी करेंगे तो परीक्षा से बिल्कुल भी डर नहीं लगेगा। सिलेबस को डिवाइड कर रिवीजन करना चाहिए। परीक्षा देते समय खुद पर विश्वास रखना चाहिए, क्योंकि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा है कि परीक्षा एक उत्सव की तरह है। हमेशा आत्मविश्वास के साथ परीक्षा हॉल में प्रवेश करें। सबसे पहले अच्छी तरह से आने वाले प्रश्नों को हल करें। ▪

परीक्षा से डरकर नहीं, डटकर आगे बढ़िए। आप देश का भविष्य हैं, अपने कौशल और प्रदर्शन में सुधार करें, खुद को निखारें।

पं. दीनदयाल उपाध्याय

आत्मिक सुख की आवश्यकता

जब हम आगे देखते हैं, मानसिक सुख का विचार करते हैं तो पता चलता है कि मानसिक सुख भी केवल हमें दूसरों से ही प्राप्त होता है।

दूसरों को सुखी देखकर हमें कुछ सुख का अनुभव होता है।

व्यक्ति को केवल शारीरिक सुख ही नहीं, मानसिक, बौद्धिक और आत्मिक सुख की भी लालसा रहती है और इस प्रकार सभी सुखों के साथ-साथ समन्वयात्मक ढंग से वह यदि प्राप्त कर सका, तभी वह अपने जीवन में वास्तविक सुख का अनुभव कर सकता है, अन्यथा एक प्रकार का सुख उसे यदि मिला और बाकी के सुखों से वह वंचित रहा तो पहले प्रकार का सुख भी उसको दुखकारक प्रतीत होता है। उस सुख का भी मूल्य समाप्त हो जाता है। अतएव हमारे सुख, हमारे जीवन के विविध पहलुओं को समान रूप से बढ़ाने वाले, समान रूप से आनंद देने वाले होने चाहिए।

कुछ व्यक्तियों की अपनी भिन्न-भिन्न प्रवृत्तियां हैं, उनके भिन्न-भिन्न अंग हैं, वैसे यदि देखें तो वह किसी भी प्रकार का सुख प्राप्त नहीं कर सकता। सुख को प्राप्त करने के लिए दूसरों पर भी निर्भर रहना पड़ता है। हम बिल्कुल भौतिक दृष्टि से ही देखें- भोजन का प्रश्न आता है। अन्य भौतिक आवश्यकताएं हैं। तो पता चलता है कि अकेला व्यक्ति सभी भौतिक आवश्यकताएं पूरी नहीं कर सकता। स्वयं अन्न पैदा कर ले। स्वयं उसका आटा बनाए, स्वयं उसमें से खाना तैयार कर ले, ईंधन भी स्वयं ही इकट्ठा कर ले, उसके लिए जो बरतन आदि चाहिए, वह भी जुटा ले, तो यह वास्तविक स्थिति नहीं है। रॉबिन्सन क्रूसो का जो कुछ भी स्थान हम सबने पढ़ा होगा, उसने अपने ही प्रयत्न करके सब चीजें तैयार की। वह एक काल्पनिक जगत की बात है और वास्तव में उस व्यक्ति के प्रयत्न हैं कि जिस व्यक्ति ने समाज में अनेक वर्षों तक जीवन व्यतीत करके बहुत सी चीजें सीख ली थीं। अन्न कैसे उगाया जाता है, यह उसे मालूम था। मैदान कैसे बनाया जाता है, यह भी उसने देखा था। नाव कैसे बनाई जाती है, नाव कैसे तैरती है, यह वह अच्छी तरह से जानता था। सबका सब स्वयं उसने अपनी बुद्धि लगाकर अविष्कार किया। ऐसी तो कोई बात नहीं कि वह समाज से दूर हट गया होगा। उसने सब कुछ विचार स्वयं ही कर लिया होगा, ऐसा नहीं है।

वास्तविक जीवन में तो हम यही देखते हैं कि व्यक्ति दूसरों के ऊपर बराबर निर्भर रहता है। हम दूसरों पर निर्भर रहते हैं और जो कुछ दिखाई देता है वह इतना ही है कि एक व्यक्ति दूसरे के ऊपर निर्भर है। किसान जुलाहे के ऊपर निर्भर रहता है। वह उसे खाने के लिए अन्न देता है। डॉक्टर और शिक्षक एक-दूसरे पर निर्भर रहते हैं। डॉक्टर के बच्चे को शिक्षक पढ़ाता है। शिक्षक के बच्चे को डॉक्टर बीमार पड़ने पर दवाई देता है। हम चारों ओर देखेंगे तो पता चलेगा कि हम सभी एक-दूसरे के ऊपर निर्भर हैं। एक-दूसरे के द्वारा हम अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं। बिना एक-दूसरे के कोई एक कदम भी आगे नहीं बढ़ा सकता। कोई ऐसा सोचे कि मैं समाज से बिल्कुल अलग हटकर अपना ही विचार करके चलूंगा तो संभवतः वह अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सकेगा। उसे संपूर्ण का विचार करना ही पड़ेगा। जब विचार करेगा तो प्रत्येक चीज में ढंग से अच्छी तरह से विचार करना ही पड़ेगा और यह विचार करना आना चाहिए।

जब हम आगे देखते हैं, मानसिक सुख का विचार करते हैं तो पता चलता है कि मानसिक सुख भी केवल हमें दूसरों से ही प्राप्त होता है। दूसरों को सुखी देखकर हमें कुछ सुख का अनुभव होता है। यदि हम दूसरों को दुःखी देखते हैं तो हमें दुःख का अनुभव होता है। हंसते हुए देखकर हमें भी हंसी आ जाती है। ऐसा कोई व्यक्ति होगा, जो बहुत बेरहम होगा। उसे किसी को रोते देखकर रोना नहीं आता और दूसरे को हंसता हुआ देखकर उसे हंसी नहीं आती। जबकि बहुत बार तो लोग दूसरे को देखकर रोना शुरू कर देते हैं। दूसरे के अंदर भय का भाव देखकर अपने अंदर भी भय भाव पैदा हो जाता है। दूसरों को पराक्रम करते हुए देखा तो लगता है, अपने को भी पराक्रम करना चाहिए। अर्थात् ये भावनाएं

पड़ता है। इसीलिए किसी साहित्यकार ने कहा है कि समाज दर्पण के समान है। इस दर्पण के सामने जैसा चेहरा लेकर खड़े हो जाएंगे, वैसा ही उसमें दिखाई देगा। हंसता हुआ चेहरा लेकर खड़े हो जाएंगे तो हंसता हुआ चेहरा दिखेगा। समाज भी उसी प्रकार से उसकी प्रतिक्रिया करता है। आप हंसते हुए खड़े होंगे तो समाज भी आपको हंसता हुआ दिखेगा। रोते हुए खड़े होंगे तो समाज भी आपको रोता हुआ दिखाई देगा। इस प्रकार से मन का सारा सुख समाज के ऊपर निर्भर करता है।

अकेला कोई सोचे कि मैं अकेले ही सुख प्राप्त कर लूंगा तो अकेला मनुष्य कभी सुख प्राप्त नहीं कर सकता। चार लोगों के साथ मिलकर ही सुख प्राप्त करेगा। कल्पना करें कि किसी के घर में विवाह है। उस विवाह में जितने ज्यादा लोग सम्मिलित होंगे, जितने ज्यादा मित्र आएंगे, उतना ही सुख बढ़ता चला जाएगा। लेकिन किसी का ऐसा विवाह हो कि विवाह में अकेले ही ब्याह करने चले गए, कोई दूसरा आया ही नहीं। न चार स्त्रियां वहां पर गीत गाने के लिए इकट्ठा हुईं और इस तरह यदि किसी का विवाह हुआ तो कोई क्या कहेगा कि यह विवाह काहे का रहा। आनंद तो है वहां, जहां चार लोग इकट्ठा होते हैं।

इसी तरह चार सुखी लोग इकट्ठा होंगे तो समाज का सुख बढ़ जाता है। इसी तरह दुःख के विषय में भी है। किसी के यहां मृत्यु हो जाए। वह अकेला ही बैठकर रोता रहे। कोई उसके यहां दुःख बांटने न आए। तब दुःख बढ़ जाता है। यदि कोई उसके पास आकर उसके दुःख का कारण पूछे या उसके रोने के साथ थोड़ा रो दे तो उसका दुःख कम हो जाता है। मृत्यु होने पर उसकी शमशान-यात्रा में लोग हजारों की संख्या में सम्मिलित हो जाएं तो उसके घर वालों का दुःख उतना ही कम हो जाता है और यदि कहीं पर सुख का मौका है तो वहां भी हजारों लोग इकट्ठा होते हैं। थोड़ी सी परेशानी उनका इंतजाम करने में हो सकती है, लेकिन सुख तो बढ़ जाता है।

इस प्रकार दुःख बांटने से दुःख कम हो जाता है और सुख बांटने से सुख में बढ़ोत्तरी होती है। जो व्यक्ति अकेला रहता है, उसको भय लगता है। अकेलेपन का भय। इस बारे में अपने यहां एक कहावत है कि दो तो मिट्टी के भी भले। वे मिट्टी के होंगे, लेकिन कम-से-कम दो तो होंगे। इसी तरह आप किसी जंगल में जाइए तो आप अकेले जाएंगे तो आपको डर लगेगा। लेकिन आपको कोई दूसरा साथी मिल जाए तो आपको बिल्कुल भी डर नहीं लगेगा। एक तरह का धैर्य मन में बैठ जाता है कि मैं अकेला नहीं हूं। ▪

सभी के अंदर रहती हैं।

कई बार ऐसा होता है कि हम किसी का विचार नहीं कर सकते। यहां तक कि हमारे पास सब प्रकार के सुख रहें। हमारे पास बहुत अच्छा भोजन है। हम भोजन करने के लिए बैठे हैं। बड़ी शांति और आनंद के साथ भोजन कर रहे हैं। कोई मांगने के लिए खड़ा हो जाए तो आपको इस भोजन में फिर आनंद ही नहीं आएगा। गाड़ी में आप भोजन करने के लिए बैठे, कोई भिखारी सामने से आ जाता है। ऐसा चेहरा बनाता है। एक तो गंदे कपड़े, आप उससे दूर हटने को भी कहोगे तो वह नहीं हटता। उस समय आप बिना दिए उससे छुटकारा नहीं पा सकते और जब तक आप दया करके उसे नहीं देंगे तो आपका आनंद ही चला जाएगा। इस प्रकार दूसरे के ऊपर हमारा यह मन का सुख सब प्रकार से अवलंबित रहता है।

कोई कहे कि नहीं हम तो मनमौजी हैं, अपने मन के अंदर हम सुखी रहेंगे, लेकिन इतने से काम नहीं चलेगा। किसी-न-किसी प्रकार सुख प्राप्त करने को दूसरे का सहारा हमें लेना ही पड़ेगा। बहुधा लोग उसी प्रकार का व्यवहार अपने आप करने लगते हैं। जैसे कि एक किस्सा है। एक जुलाहा था। उस जुलाहे की एक लड़की थी। एक बार लड़की झाड़ू लगाते-लगाते कुछ सोचने लगी। जैसे कुछ लोगों को कल्पना-लोक में विचरने की आदत होती है। वह भी कल्पना में खो गई। उसकी शादी पक्की हो चुकी थी, इसलिए वह इसी के बारे में सोचने लगी कि कुछ दिन बाद मेरी शादी हो जाएगी। मैं ससुराल चली जाऊंगी। कुछ दिन बाद मेरा बच्चा होगा। उसे खिलाएंगे, पिलाएंगे, घर में आनंद छा जाएगा। उसे कहीं लेकर जाएंगे तो वहां से रुपया मिलेगा, प्रेम मिलेगा। लेकिन फिर उसके मन में विचार आया कि अचानक कोई बीमारी गांव में फैलेगी। उस बीमारी में उसका बच्चा भी बीमार हो जाएगा। उसका इलाज कराया जाएगा। उसके बाद भी वह बच्चा नहीं बचेगा। बच्चा मर जाएगा। यही सोचकर उसके मन के अंदर से रोना छूटने लगा। वह रोने लगी। जब वह रोने लगी तो उसकी मां जो बाहर पानी भरने के लिए गई थी। उस समय वह लौटकर आई। उसे रोता हुआ देखकर वह भी रोने लगी। उस लड़की का भाई आया। उसे रोता देखकर वह भी रोने लगा। पिता आया सबको रोते देखकर उसे भी रोना आ गया।

पड़ोसियों ने जब रोने की आवाज़ सुनी तो वे भी वहां आ पहुंचे। उन सबको रोते देखकर पड़ोसिन औरतें भी रोने लगीं। वहां भीड़ इकट्ठी हो गई। एक व्यक्ति ऐसा आया, जिसे जिज्ञासा हुई रोने का कारण जानने की। उसने पूछा कि ये सब क्यों रो रहे हैं? क्या कोई मर गया है? लेकिन किसी को भी कारण पता नहीं था। अंत में जुलाहे से पूछा कि क्या बात हो गई है? जुलाहे ने कहा कि मेरी पत्नी और बच्चे रो रहे थे तो मैं भी रोने लगा। उसकी पत्नी ने कहा कि यह लड़की रो रही थी। मैंने सोचा कि कहीं से मृत्यु का समाचार आया होगा, इसलिए मैं भी रोने लगी। उसके लड़के ने भी यही बताया। बाद में लड़की से पूछा गया कि तू क्यों रो रही थी? तब उसने कहा कि मेरा लड़का मर गया, मैं इसलिए रो रही थी। सभी ने उससे यही पूछा कि तेरा लड़का कहां है? उसने बताया कि मैं इस तरह सब सोच रही थी। तो यह तो एक किस्सा है। लेकिन वास्तव में भी मनुष्य दूसरे को देखकर स्वयं भी रो

▪ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी ने पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया।

▪ भाजपा अध्यक्ष श्री नितिन नवीन जी से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल जी ने सौजन्य भेंट की।

▪ प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल जी ने पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

▪ प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल जी ने केंद्रीय बजट भाषण के लाइव प्रसारण का श्रवण किया।

▪ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी ने युवा प्रोफेशनल के साथ केंद्रीय बजट भाषण का श्रवण किया।

▪ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी ने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की राशि अंतरित की।

▪ प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल जी ने खेड़ीसावलीगढ़ ग्राम पंचायत में विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया।

▪ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री श्री अजय जामवाल, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने भाजपा विधायक दल की बैठक को संबोधित किया।

जब स्वभाव को धर्म के सिद्धांतों के अनुसार बदला जाता है,
तब हमें संस्कृति और सभ्यता प्राप्त होते हैं।

पं. दीनदयाल उपाध्याय